{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 25 मई 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 08 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 240
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

इबोला प्रभावित अफ्रीकी देशों में जाने मनाही

नई दिल्ली। सरकार ने रविवार को भारतीय नागरिकों को इबोला से प्रभावित अफ्रीकी देशों में न जाने की एडवाइजरी जारी की। एडवाइजरी में कहा गया कि जब तक जरूरी न हो, भारतीय नागरिक कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की यात्रा न करें। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, 21 मई तक कांगो में इबोला के 746 मामले सामने आए हैं। वहीं, इससे 176 लोगों की मौत हुई है। हर साल करीब 2.5 लाख से 3.5 लाख भारतीय टूरिज्म और व्यापार के लिए अफ्रीका जाते हैं। इनमें से करीब 15 हजार लोग हर साल युगांडा, कांगो और दक्षिण सूडान जाते हैं। भारत में बुंडिबुग्यो वायरस स्ट्रेन के कारण इबोला रोग का कोई भी मामला सामने नहीं आया है। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और अन्य प्रभावित देशों के हालातों को देखते हुए और डब्ल्यूएचओ की सिफारिशों के अनुरूप, भारत सरकार ने सभी भारतीय नागरिकों को आगे की सूचना तक कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, युगांडा और दक्षिण सूडान की गैर-आवश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है।

1913 में बना इंपिरियल दिल्ली जिमखाना जून 2026 में होगा बंद

नई दिल्ली। ब्रिटिश काल के 1913 में स्थापित इंपिरियल दिल्ली जिमखाना क्लब जून 2026 में बंद हो जाएगा। केंद्र सरकार ने राजधानी के अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र में स्थित करीब 27.3 एकड़ भूमि को अपने नियंत्रण में लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि भूमि का उपयोग सरकारी एवं सार्वजनिक परियोजनाओं के लिए किया जाएगा। लंबे समय से यह क्लब अभिजात वर्ग और पूर्व नौकरशाहों के क्लब के रूप में पहचाना जाता है। अंग्रेजों की समय से यह अभिजात्तय वर्ग के लिए विशिष्ट पहचान रखता था। सरकार के इस निर्णय के बाद क्लब के सदस्यों और कर्मचारियों में चिंता का माहौल बन गया है। ऐतिहासिक विरासत वाले इस संस्थान के भविष्य को लेकर राजधानी दिल्ली में इसकी प्रतिक्रिया तेज हो गई है।

ट्रेनी एयरक्राफ्ट की इमरजेंसी लैंडिंग

अलीगढ। अलीगढ़ में रविवार सुबह 9.30 बजे ट्रेनी एयरक्राफ्ट की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। ट्रेनी एयरक्राफ्ट ने धनीपुर हवाई अड्डे से रूटीन उड़ान भरी थी। आसमान में पहुंचते ही विमान में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। पायलट ने तुरंत कंट्रोल रूम को सूचना दी और एयरक्राफ्ट को आबादी से दूर हरदुआगंज के चंगेरी गांव के पास खेतों में सुरक्षित लैंड कराया। अचानक खेत में विमान को उतरता देख आसपास के ग्रामीणों में हडकंप मच गया। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।

कुछ ना कहना

पश्चिम बंगाल में भी डिटेंशन सेंटर व्यवस्था की तैयारी

-अवैध घुसपैठियों पर सख्ती, संदिग्ध विदेशी नागरिकों को रखा जाएगा विशेष केंद्रों में

कोलकात। पश्चिम बंगाल में अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया गया है। राज्य सरकार ने जिलों में विशेष 卐होल्डिंग सेंटर卐 बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जहां अवैध रूप से रह रहे कथित बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों को रखा जाएगा।

राज्य के गृह एवं पर्वतीय मामलों के विभाग ने 23 मई को सभी जिलाधिकारियों को पत्र जारी कर इस संबंध में आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए हैं। आदेश के बाद पूरे राज्य में राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है।

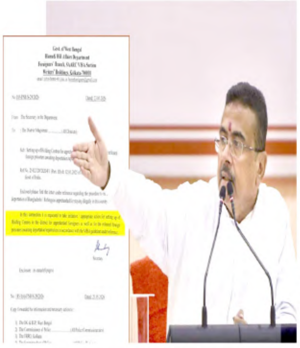

पकड़कर भेजे जाएंगे विशेष केंद्रों में

नई व्यवस्था के तहत जिन विदेशी नागरिकों की नागरिकता और दस्तावेज संदिग्ध पाए जाएंगे, उन्हें सीधे इन होल्डिंग सेंटरों में रखा जाएगा। अधिकारियों के अनुसार यह व्यवस्था डिपोर्टेशन यानी वापस भेजने की प्रक्रिया पूरी होने तक लागू रहेगी। सरकार का कहना है कि ऐसे सेंटर जेलों से अलग होंगे और वहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे।

सीएम सुवेंदु ने संभाला मोर्चा

सीएम सुवेंदु अधिकारी लंबे समय से राज्य में अवैध घुसपैठ का मुद्दा उठाते रहे हैं। प्रशासनिक समीक्षा बैठक के बाद उन्होंने कहा कि पकड़े गए घुसपैठियों को अदालतों में पेश करने के बजाय सीधे सीमा सुरक्षा बल को सौंपने की प्रक्रिया तेज की जाएगी ताकि डिपोर्टेशन जल्दी हो सके। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस संबंध में कोलकाता पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को भी निर्देश भेजे गए हैं। इसके बाद रेलवे स्टेशन, ट्रेनों और सीमा क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है।

असम मॉडल की तर्ज पर तैयारी

यह मॉडल काफी हद तक असम में लागू डिटेंशन सेंटर व्यवस्था जैसा माना जा रहा है, जहां अवैध विदेशी नागरिकों को पहचान के बाद अलग केंद्रों में रखा जाता रहा है। अब पश्चिम बंगाल में भी प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने जिलों में जल्द स्थान चिह्नित कर आवश्यक व्यवस्थाएं शुरू करें।

फालता में पहली बार भाजपा जीती

पश्चिम बंगाल की फालता सीट पर भाजपा ने जीत हासिल कर ली है। बीजेपी उम्मीदवार देबांग्शु ने 1 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत हासिल की। उन्हें 1.49 लाख से ज्यादा वोट मिले। सीपीआईएम के उम्मीदवार शंभूनाथ कुर्मी 40 हजार वोट के साथ दूसरे नंबर पर रहे। वहीं चुनाव से पीछे हटने वाले टीएमसी के जहांगीर चौथे नंबर पर रहे। फालता में 74 साल के इतिहास में भाजपा ने पहली बार जीत हासिल की है। 1952 से लेकर 2006 तक यह कांग्रेस और सीपीआईएम का गढ़ था। 2011 के बाद से लगातार तीन बार टीएमसी उम्मीदवार ने यहां जीत दर्ज की थी।

बॉर्डर जिलों में बढ़ी हलचल

उत्तर 24 परगना, मुर्शिदाबाद, मालदा, नादिया और दक्षिण 24 परगना जैसे सीमावर्ती जिलों में इस आदेश के बाद सुरक्षा एजेंसियां ज्यादा सक्रिय हो गई हैं। सीमा सुरक्षा बल पहले भी सीमा पार घुसपैठ और फर्जी दस्तावेजों के नेटवर्क को लेकर कई बार अलर्ट जारी कर चुकी है।

विपक्ष और मानवाधिकार संगठनों ने उठाए सवाल

जहां भारतीय जनता पार्टी इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बता रही है, वहीं विपक्षी दलों और कुछ मानवाधिकार संगठनों ने इस कदम पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। आलोचकों का कहना है कि कहीं वैध दस्तावेज न रखने वाले गरीब बंगाली मुसलमानों या प्रवासी मजदूरों को भी परेशान न किया जाए। हालांकि सरकार का दावा है कि कार्रवाई केवल उन्हीं लोगों पर होगी जिनकी नागरिकता जांच में संदिग्ध पाई जाएगी।

वेबसाइट बंद, पर एक नए प्लेटफॉर्म पर वापसी करेंगे दीपके

कॉक्रोच पार्टी के संस्थापक के घर पुलिस तैनात

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की युवाओं को लेकर की गई टिप्पणी के बाद इंटरनेट पर चर्चा में आई कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की आधिकारिक वेबसाइट को बंद कर दिया गया है। इससे पहले इस संगठन के एक्स हैंडल को भारत में प्रतिबंधित किया जा चुका है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने इसे तानाशाही रवैया बताते हुए दावा किया है कि उनके निजी इंस्टाग्राम अकाउंट को भी हैक कर लिया गया है। दीपके के अनुसार, इस वेबसाइट के माध्यम से करीब 10 लाख लोगों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 6 लाख लोगों ने नीट पेपर लीक मामले में विफलता का आरोप लगाते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की थी। दीपके ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सरकार इस आंदोलन से डरी हुई है, लेकिन वे जल्द ही एक नए प्लेटफॉर्म पर वापसी करेंगे।

इस बीच, इंस्टाग्राम पर सीजेपी के फॉलोअर्स की संख्या तेजी से बढ़ते हुए 2.2 करोड़ के पार पहुंच गई है, जो देश के कई बड़े राजनीतिक दलों के फॉलोअर्स से भी अधिक है। इस बढ़ते प्रभाव और विवादों के बीच महाराष्ट्र के हिंगोली जिले के पुलिस उपायुक्त पंकज अतुलकर ने बताया कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए एहतियात के तौर पर अभिजीत दीपके के घर के बाहर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगी। पुलिस के मुताबिक, दीपके वर्तमान में पढ़ाई के सिलसिले में अमेरिका में हैं। सुरक्षा बढ़ाए जाने के पीछे दीपके को ऑनलाइन मिली जान से मारने की धमकियां भी एक मुख्य वजह हैं, जिसका स्क्रीनशॉट उन्होंने खुद साझा किया था। वेबसाइट और सोशल मीडिया अकाउंट्स बंद होने के बाद संगठन के समर्थकों द्वारा विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी दी जा रही थी। हालांकि, दीपके ने अपने समर्थकों से शांति और धैर्य बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने आगाह किया कि समर्थक जल्दबाजी में कोई ऐसा कदम न उठाएं जिससे आंदोलन बदनाम हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन ने किसी भी विरोध प्रदर्शन का आह्वान नहीं किया है और वे इस वैचारिक लड़ाई को पूरी सावधानी के साथ आगे बढ़ाएंगे।

तेलंगाना में भीषण गर्मी और लू से 16 की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना में इस साल पड़ रही भीषण गर्मी और लू की लहर ने अब तक 16 लोगों की जान ले ली है। राज्य के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों के साथ हुई एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद इस स्थिति की आधिकारिक पुष्टि की है। सरकार ने इस प्राकृतिक आपदा में अपनी जान गंवाने वाले सभी नागरिकों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और पीड़ित परिवारों की मदद के लिए तत्काल आर्थिक सहायता देने का बड़ा फैसला किया है। इसके तहत प्रत्येक मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा, जिसकी आधिकारिक विज्ञप्ति भी जारी कर दी गई है।

सीजेआई सूर्यकांत की एक और टिप्पणी बनी विवाद का कारण

नई दिल्ली। देश में हाल ही में हुए 'कॉकरोच' विवाद के बाद अब भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की एक और टिप्पणी को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। पर्यावरण मामलों की सुनवाई के दौरान की गई टिप्पणी पर वकीलों और पूर्व नौकरशाहों ने नाराजगी जताई है।

करीब 70 से अधिक सेवानिवृत्त सिविल सेवकों और विधि विशेषज्ञों ने चीफ जस्टिस को एक खुला खत लिखकर चिंता जाहिर की है। यह पत्र 'संवैधानिक आचरण समूह' की ओर से जारी किया गया है, जिस पर कुल 71 हस्ताक्षरकर्ताओं की स्वीकृति के तौर पर साईन किए हुए हैं।

एनजीटी आदेश की सुनवाई के दौरान की गई थी टिप्पणी

मामला राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) के 26 नवंबर 2025 के उस आदेश से जुड़ा है, जिसमें गुजरात के पिपावाव बंदरगाह विस्तार परियोजना को दी गई पर्यावरण एवं तटीय विनियमन क्षेत्र संबंधी मंजूरियों को बरकरार रखा गया था। इस आदेश के खिलाफ दायर अपील की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि, 卐हमें भारत में एक भी ऐसी परियोजना दिखाइए जहां पर्यावरण कार्यकर्ता कहते हों कि हम इस परियोजना का स्वागत करते हैं, देश प्रगति कर रहा है।卐 हालांकि यह टिप्पणी लिखित आदेश का हिस्सा नहीं थी, लेकिन इसे लेकर बहस तेज हो गई है।

लोकतांत्रिक असहमति दबने का खतरा

खुले पत्र में पूर्व अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की टिप्पणियां नागरिकों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं के बीच भय का माहौल पैदा कर सकती हैं। इससे लोग पारिस्थितिक नुकसान, सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्थानीय समुदायों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर सवाल उठाने से हतोत्साहित हो सकते हैं।

बैंक से 8.70 करोड़ चुराने वाला कर्मचारी गिरफ्तार

अहमदाबाद। अहमदाबाद में आरबीआई के करेंसी चेस्ट बैंक से 8.70 करोड़ रुपए चुराने वाले कस्टोडियन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 13 जनवरी की रात 9-12 बैंक का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें कस्टोडियन और उसके दो साथी बक्सों में भरकर रुपए ले जाते नजर आ रहे हैं। पुलिस ने आरोपी के दो साथियों को भी हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ शुरू कर दी है।

जांच में सामने आया है कि आरोपी ने चोरी के पैसों से अहमदाबाद में 2 करोड़ का बंगला और 1.40 करोड़ रुपए की दुकान भी खरीद ली है। पुलिस ने उसकी कार से 2.20 करोड़ रुपए नकद भी बरामद किए हैं। मामले का खुलासा हाल ही में तब हुआ, जब ऑडिट और नए कस्टोडियनों द्वारा की गई जांच में 500 रुपए के नोटों के 174 बंडल कम पाए गए, जिनकी कुल कीमत 8.70 करोड़ रुपए थी। बैंक अधिकारियों ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की और पाया कि 13 जनवरी को आरोपी हर्षसिद्ध कादियार कुछ बक्से लेकर बैंक से बाहर जा रहा था। उस समय उसने अन्य कर्मचारियों से कहा था कि बक्सों में कचरा भरा है और वह इन्हें फिंकवाने जा रहा है। अहमदाबाद के गांधी रोड स्थित इस बैंक में आरबीआई का करेंसी चेस्ट संचालित होता है, जहां से जरूरत के अनुसार अन्य बैंकों को नकदी भेजी जाती है। चोरी के दौरान संजय शर्मा मुख्य कस्टोडियन और हरसिद्ध कडियार संयुक्त कस्टोडियन के रूप में बैंक में पदस्थ थे।

झालमुड़ी विक्रेता विक्रम की बढ़ाई गई सुरक्षा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा झालमुड़ी खरीदने के बाद सुर्खियों में आए विक्रम कुमार साहू को जान से मारने की धमकियां मिलने का मामला सामने आया है। इस संबंध में शिकायत मिलने के बाद झारग्राम पुलिस ने उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई है। साहू ने पुलिस को बताया कि उन्हें पाकिस्तान और बांग्लादेश से टेक्स्ट मैसेज और व्हाट्सऐप कॉल के जरिए लगातार धमकियां मिल रही हैं। मामले की जांच में जुटे एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत दर्ज कर ली गई है। सुरक्षा के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है।

ट्विशा की मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वत: संज्ञान

नई दिल्ली। नोएडा की रहने वाली ट्विशा शर्मा की भोपाल स्थित ससुराल में हुई अस्वाभाविक मौत के मामले का सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की तीन सदस्यीय पीठ सोमवार, 25 मई को इस मामले की सुनवाई करेगी। सर्वोच्च अदालत ने इस संवेदनशील केस को एक युवती की ससुराल में अप्राकृतिक मौत के मामले में कथित संस्थागत पूर्वाग्रह और प्रक्रियागत विसंगतियां शीर्षक के तहत सूचीबद्ध किया है। इस मामले में जांच के दौरान पक्षपात और प्रक्रियागत अनियमितताओं के गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं।

ट्विशा शर्मा का विवाह वकील समर्थ सिंह से हुआ था और शादी के महज पांच महीने बाद, 12 मई की रात को भोपाल के कटारा हिल्स इलाके में उनका शव कथित तौर पर फंदे से लटका पाया गया था। मृतका के परिजनों ने ट्विशा के पति समर्थ सिंह और उनकी मां, जो कि एक सेवानिवृत्त (रिटायर) जज हैं, पर दहेज उत्पीड़न, शारीरिक-मानसिक प्रताड़ना और हत्या के गंभीर आरोप लगाए हैं। दूसरी तरफ आरोपी पक्ष का दावा है कि ट्विशा ने आत्महत्या की थी। मृतका के पिता नवनिधि शर्मा की मांग पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी है, जिसकी अधिसूचना राज्य के गृह विभाग द्वारा जारी कर दी गई है।

इस बीच कानूनी कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए भोपाल जिला न्यायालय ने आरोपी पति समर्थ सिंह को पूछताछ के लिए 7 दिनों की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। वहीं, जांच की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के कड़े निर्देश पर एम्स दिल्ली ने चार वरिष्ठ डॉक्टरों का एक विशेष मेडिकल बोर्ड गठित किया है। यह फोरेंसिक टीम आधुनिक उपकरणों के साथ एक सरकारी चार्टर्ड प्लेन से भोपाल पहुंच चुकी है, जहां वे ट्विशा के शव का दोबारा पोस्टमार्टम (री-पोस्टमार्टम) करेंगे। 13 मई को भोपाल एम्स में हुए पहले पोस्टमार्टम के बाद से ही शव को सुरक्षित रखा गया है। मृतका के माता-पिता और उनके वकील ने शुरुआती जांच और पहले पोस्टमार्टम पर गंभीर सवाल उठाए थे। उनका आरोप था कि आरोपी पति की मां के न्यायिक पृष्ठभूमि से होने और उनकी डॉक्टर बहन के प्रभाव के चलते स्थानीय स्तर पर जांच प्रभावित हो सकती थी।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नीट मामले पर सरकार को घेरा, कहा

22 लाख बच्चों का भविष्य दांव पर

नई दिल्ली। नीट-यूजी परीक्षा में कथित पेपर लीक मामले को लेकर सियासत तेज हो गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस तब तक शांत नहीं बैठेगी, जब तक शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देते और परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित नहीं बनाया जाता।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हैदराबाद में छात्रों के प्रदर्शन का एक वीडियो साझा किया। प्रदर्शनकारी छात्र नीट पेपर लीक के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ भी नारे लगाए गए। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में कहा कि जब लाखों युवा सडकों पर हों, 22 लाख छात्रों का भविष्य दांव पर लगा हो और प्रधानमंत्री चुप रहें, तो यह साफ दिखाता है कि सरकार जवाब देने के बजाय बचने में लगी है। उन्होंने कहा कि जब तक धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते और नीट जैसे पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत और फुलप्रूफ व्यवस्था लागू नहीं होती, तब तक कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। गौरतलब है कि कांग्रेस लगातार नीट-यूजी परीक्षा रद्द होने के बाद शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रही है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और सुरक्षा बनाए रखने में विफल रही है।

एमबीबीएस छात्र अब 10 साल में कर सकेंगे डिग्री पूरी

नई दिल्ली,। देश में डॉक्टर बनने का सपना देख रहे मेडिकल छात्रों के लिए केंद्र सरकार ने बड़ी राहत दी है। सरकार ने एमबीबीएस कोर्स से जुड़े नियमों में अहम बदलाव करते हुए डिग्री पूरी करने की समय-सीमा 9 साल से बढ़ाकर 10 साल कर दी है। नए नियम इसी शैक्षणिक सत्र से लागू किए जाएंगे। इसके साथ ही देशभर के मेडिकल कॉलेजों में इस वर्ष लगभग 11 हजार नई एमबीबीएस सीटें भी बढ़ाई जा रही हैं।

केंद्र के इस फैसले से उन छात्रों को सबसे अधिक फायदा मिलेगा जो किसी कारणवश परीक्षा में असफल हो जाते हैं या पढ़ाई पूरी करने में अतिरिक्त समय लग जाता है। अब उन्हें पहले की तुलना में एक साल ज्यादा अवसर मिलेगा। अब तक एमबीबीएस कोर्स, जिसमें साढ़े पांच साल की पढ़ाई और एक साल की रोटेटिंग इंटर्नशिप शामिल होती है, को पूरा करने के लिए अधिकतम 9 साल का समय निर्धारित था। यानी छात्रों को अतिरिक्त अटेम्प्ट के लिए केवल साढ़े तीन साल ही मिलते थे। नए नियम लागू होने के बाद छात्र अब कुल 10 साल में एमबीबीएस की डिग्री पूरी कर सकेंगे। इससे छात्रों को अटेम्प्ट के लिए साढ़े चार साल तक का समय मिल जाएगा। इस अवधि में सभी परीक्षाएं और रोटेटरी मेडिकल इंटर्नशिप शामिल रहेंगी। स्नातक नियमों में संशोधन का ड्राफ्ट अंतिम रूप ले चुका है और इसे वर्तमान शिक्षा सत्र से लागू किया जाएगा।

इस साल बढ़ेंगी 11 हजार सीटें

मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में इस वर्ष बड़ा विस्तार देखने को मिलेगा। सरकार ने अप्रैल में लगभग 11 हजार नई एमबीबीएस सीटों को मंजूरी दी थी। इसके बाद देश में कुल एमबीबीएस सीटों की संख्या करीब 1.18 लाख से बढ़कर 1.29 लाख हो जाएगी। इनमें से लगभग 70 फीसदी सीटें निजी मेडिकल कॉलेजों में जोड़ी गई हैं। बढ़ी हुई सीटों का लाभ छात्रों को इसी सत्र की एडमिशन प्रक्रिया में मिलेगा।

सीटों के विवरण की बात करें तो वर्तमान में कुल सीटें करीब 1.18 लाख हैं और नई बढ़ने वाली सीटें करीब 11 हजार हैं इस प्रकार कुल सीटें करीब 1.29 लाख हो जाएंगी।

नीट 2026 काउंसलिंग में दिखेगा असर

एमबीबीएस में प्रवेश प्रक्रिया नेशनल मेडिकल कमीशन (हस्ष्ट) के नियमों के तहत होती है। नीट 2026 परीक्षा से जुड़ी प्रक्रिया के बाद जब काउंसलिंग शुरू होगी, तब इन अतिरिक्त सीटों का सीधा असर देखने को मिलेगा। मेडिकल एडमिशन में हर साल भारी प्रतिस्पर्धा रहती है। ऐसे में सीटों की संख्या बढ़ने से हजारों छात्रों का डॉक्टर बनने का सपना पूरा हो सकेगा।

मध्य प्रदेश में वर्ष 2026 के शैक्षणिक सत्र के लिए कुल 35 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जिनमें 5,725 एमबीबीएस सीटें उपलब्ध हैं। राज्य में 21 सरकारी मेडिकल कॉलेज हैं, जिनमें एम्स भोपाल भी शामिल है। इन सरकारी संस्थानों में कुल 3,025 सीटें हैं।

गढ़चिरौली के जंगल में छिपी हथियार फैक्ट्री मिली, आठ माओवादी गिरफ्तार

गढ़चिरौली। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस ने जंगल में छिपाई माओवादियों की हथियार बनाने और स्टोर करने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। यह कार्रवाई 卐ऑपरेशन अंतिम प्रहार卐 के तहत की गई, जो सरेंडर कर चुके माओवादियों से मिली जानकारी के आधार पर की गई। सर्च ऑपरेशन में पुलिस को लेथ मशीन, पाइप, जनरेटर, बैटरी, ड्रिलिंग मशीन, सोलर पैनल और विस्फोटक सामग्री बनाने के उपकरण मिले। सुरक्षा बलों ने मौके पर ही सभी सामान को नष्ट कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऑपरेशन के दौरान एके-47, इंसास, एसएलआर समेत 51 हथियार, भारी मात्रा में गोला-बारूद, डेटोनेटर और 65 लाख रुपए से ज्यादा नकदी बरामद हुई। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई के बाद जिले में वांटेड माओवादियों की सूची लगभग खत्म हो गई है। गढ़चिरौली पुलिस और सीआरपीएफ ने इस अभियान में आठ माओवादियों को गिरफ्तार किया और पांच सीनियर कैडर ने सरेंडर किया। गिरफ्तार लोगों में कई बड़े माओवादी नेता शामिल हैं।

मेडिकल लापरवाही के खिलाफ फूटा जनआक्रोश जस्टिस फॉर विवेक को लेकर निकला विशाल कैंडल मार्च

100 दिनों से आईसीयू में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहा विवेक तिरपुड़े, परिजनों ने कहा- हम न्याय मिलने तक लड़ाई जारी रखेंगे

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज़। बालाघाट।

मामूली चोट के इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे युवक विवेक तिरपुड़े की जिंदगी बीते 100 दिनों से आईसीयू में मशीनों के सहारे चल रही है। हाथ में आई साधारण चोट की सर्जरी के बाद कोमा में पहुंचे विवेक को न्याय दिलाने की मांग को लेकर रविवार शाम शहर में एक विशाल कैंडल मार्च निकाला गया। मेडिकल लापरवाही के खिलाफ निकाले गए इस मार्च में बड़ी संख्या में समाजजन, युवाओं, महिलाओं और नागरिकों ने हिस्सा लिया तथा दोषी डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। सायं लगभग 6 बजे शुरू हुए इस कैंडल मार्च में लोगों के हाथों में मोमबत्तियां और जस्टिस फॉर विवेक तिरपुड़े, मेडिकल लापरवाही का अगला शिकार कौन?, जिंदगी खिलवाड़ नहीं है और दोषियों को सजा दो जैसे संदेश लिखी तख्तियां दिखाई दीं। पूरे मार्च के दौरान लोग शांतिपूर्वक न्याय की मांग करते रहे। शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए यह मार्च लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा और बड़ी संख्या में नागरिक इसमें शामिल होते चले गए।

विवेक तिरपुड़े के भाई अमित तिरपुड़े ने मीडिया से चर्चा करते हुए पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लगभग 100 दिन पहले विवेक के हाथ में मामूली चोट लगी थी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए सरदार पटेल मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल प्रबंधन द्वारा परिजनों को बताया गया कि यह केवल सामान्य सर्जरी है, जिसमें लगभग 20 मिनट का समय लगेगा। परिजनों के अनुसार सर्जरी शुरू होने के बाद काफी देर तक कोई जानकारी नहीं दी गई। लगभग तीन घंटे बाद डॉक्टर बाहर आए और उन्होंने बताया कि विवेक को हार्ट अटैक आया है तथा उसे सीपीआर देना पड़ा। इसके बाद उसकी हालत गंभीर हो गई और वह कोमा में चला गया। अमित तिरपुड़े ने कहा कि उस दिन के बाद से पूरा परिवार लगातार संघर्ष कर रहा है। वर्तमान में विवेक का इलाज नागपुर के अस्पताल में चल रहा है, जहां वह अब भी आईसीयू में भर्ती है। उसकी स्थिति इतनी गंभीर है कि गले में छेद कर उसे भोजन दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने अभी कई माह और उपचार चलने की बात कही है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि परिवार मानसिक, आर्थिक और भावनात्मक रूप से पूरी तरह टूट चुका है। इलाज में अब तक लाखों रुपए खर्च हो चुके हैं और लगातार अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इसके बावजूद विवेक की हालत में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया है। परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल की लापरवाही ने एक सामान्य युवक की जिंदगी बर्बाद कर दी। उनका कहना है कि यदि ऑपरेशन और एनेस्थीसिया प्रक्रिया में सावधानी बरती जाती तो आज विवेक इस हालत में नहीं होता। उन्होंने कहा कि मेडिकल क्षेत्र में लापरवाही के मामलों में अक्सर कार्रवाई धीमी पड़ जाती है, लेकिन इस बार वे न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रखेंगे। गौरतलब है कि मामले की शिकायत के बाद स्वास्थ्य विभाग द्वारा शासकीय चिकित्सकों की एक टीम गठित कर जांच कराई गई थी। जांच रिपोर्ट में डॉक्टरों की लापरवाही को विवेक की गंभीर स्थिति के लिए जिम्मेदार माना गया। वहीं नागपुर स्थित किम्स-किंग्सवे अस्पताल की एमआरआई रिपोर्ट में विवेक के मस्तिष्क में ग्लोबल हायपॉक्सी इंजरी पाए जाने की जानकारी सामने आई। लंबे समय तक चली जांच के बाद 30 अप्रैल को कोतवाली पुलिस ने सरदार पटेल मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के डॉक्टर डॉ. हितेश कावडे और निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. सृष्टि जैन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 125(बी) के तहत मामला दर्ज किया था। हालांकि परिजनों का कहना है कि अब तक इस मामले में ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। कैंडल मार्च में शामिल लोगों ने कहा कि यह केवल विवेक तिरपुड़े की लड़ाई नहीं, बल्कि उन सभी लोगों की आवाज है जो मेडिकल लापरवाही का शिकार हुए हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी अन्य परिवार को ऐसी पीड़ा का सामना न करना पड़े। मार्च के दौरान कई सामाजिक संगठनों और समाजजनों ने भी विवेक के परिवार के प्रति समर्थन व्यक्त किया। लोगों ने कहा कि चिकित्सा सेवा मानवता से जुड़ा पेशा है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही अस्वीकार्य है। फिलहाल विवेक तिरपुड़े नागपुर के अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहा है, वहीं उसका परिवार और समाज न्याय की उम्मीद में प्रशासन और कानून व्यवस्था की ओर टकटकी लगाए बैठा है।

जिला पंवार क्षत्रीय संगठन, पंवार समाज ब्लॉक लामता की कार्यकारिणी घोषित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पंवार समाज ब्लॉक लामता अध्यक्ष दीपचंद ठाकरे द्वारा ब्लॉक कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल चौधरी के मार्गदर्शन से, जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन के निर्देशानुसार ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन किया गया हैं।अध्यक्ष दीपचंद ठाकरे तीखाखारी,सचिव ओमकार चौहान खैरगांव, कोषाध्यक्ष योगेश पारधी बटुवा ,उपाध्यक्षगण सर्वश्री संतोष राहंगडाले खैरगांव, संतोष पारधी चरेगांव, लक्ष्मण पटले नेवरगांव, जयचंद बोपचे शेरवी, रामदयाल राहंगडाले भालेवाड़ा ,प्रेमलाल बिसेन सुरिया ,पुष्पराज राहंगडाले लुटी,रमेश पारधी मगरदर्रा, येदूनंदन पटले मगरदर्रा, गणपत चौहान घुनाड़ी, योगेन्द्र हनवते सकरी, योगेश राहंगडाले कुकड़ा, चन्द्रशेखर हरिनखेड़े चमरवाही, सुरेन्द्र राहंगडाले सोनखार, जयचंद बिसेन अतरी, मानसिंह टेभरे हिरबाटोला, परसराम राहंगडाले नगरवाड़ा, महामंत्री सर्वश्री चन्द्रकांत राहंगडाले नगरवाड़ा,सुशील कटरे कोचेवाड़ा, सहसचिव सर्वश्री खिलेन्द्र पटले चाचेरी, संतोष कटरे कुम्हारी, रामाराव ठाकरे चनेवाड़ा, ताराचंद ठाकरे हिरबाटोला,टेकाराम राहंगडाले पचपेड़ी,संतोष राहंगडाले कुकड़ा, सह कोषाध्यक्ष सर्वश्री कामराज ठाकरे लवेरी, प्रकाश पारधी मोरिया,तपेश तुरकर खैरगांव, राजकुमार पटले मुरझड़। संरक्षकगण सर्वश्री चिन्तामन पटले मगरदर्रा, झुम्मकलाल पटले लामता,गेंदलाल ठाकरे चांगोटोला,तीर्थलाल राहंगडाले नगरवाड़ा, डी.पी. पटले चांगोटोला,विपिन ठाकरे हिरबाटोला, युवराज चौहान खैरगांव,गोविन्द प्रसाद बिसेन घंघरिया,रामाजी बिसेन बरखो

ब्लॉक कार्यकारिणी सदस्यगण

सर्वश्री देवीलाल राहंगडाले कुम्हारी, संजू पारधी चिचोली,लेखराम गौतम डोंगरबोडी,भीवाराम पटले टिटवा, बिहारीलाल चौधरी टिटवा, माखनलाल ठाकरे मोरिया,देवराज पारधी सुरिया, जितेन्द्र बिसेन अमोली, प्रवेश राणा मगरदर्रा, तीर्थलाल चौधरी पाटदेह, मेहतलाल पटले पाटादेह, कृष्णकुमार ठाकरे पाद्रीगंज, मांगीलाल बघेले पाद्रीगंज, सुजलाल बिसेन सोनखार, विक्रम ठाकरे सोनखार, फूलचंद ठाकरे सोनखार, दुर्गेश पटले सकरी, हरीप्रसाद हनवते देवसर्रा, प्रेमलाल हनवते देवसर्रा, झनकलाल टेभरे बरखो, घनश्याम चौधरी नगरवाड़ा, डिंगेश चौधरी बीजापुरी,मुन्नाल अमुले हिरबाटोला,संतोष बिसेन नगरवाड़ा,ईश्वरदयाल गौतम परतापुर, गोपाल पटले पिण्डकेपार, दिनेश बिसेन बीजापुरी,रूपचंद राहंगडाले पचपेड़ी, तेजलाल टेभरे कुम्हारी, लालचंद बोपचे धंघरिया, राजेन्द्र चौधरी सोनखार, कंकर बिसेन चांगोटोला, गणगाराम चौधरी सोनखार, रूपलाल राणा चनेवाड़ा, ताराचंद पारधी शेरवी, अजय भैरेम खैरगांव कृष्णकुमार चौहान पचपेड़ी, महेन्द्र पटले तीखाखारी, डॉ किशनलाल बिसेन कुकड़ा, खोमनलाल भैरेम खैरगांव, मूलचंद बोपचे पाटादेह, दिनेश राहंगडाले खैरगांव, राजेश चौधरी पाद्रीगंज, डुलीचंद चौधरी पाटादेह, नर्मदेश्वर राहंगडाले नगरवाड़ा,बलराम बघेले घुनाड़ी,हिंगराज ठाकरे तीखाखारी। मीडिया प्रभारी सर्वश्री प्रहलाद पारधी चरेगांव, खिलेश्वर पटले लुटी, कैलाश ठाकरे हिरबाटोला ।कार्यकारिणी महिला सदस्यगण श्रीमती नीलू राहंगडाले सोनखार,श्रीमती रेखा तुरकर नगरवाड़ा,श्रीमती प्रमिला भगत पिण्डकेपार, श्रीमती अनिता पटले मुरझड़, श्रीमती दिलेश्वरी राहंगडाले खैरगांव, श्रीमती निर्मला राहंगडाले नगरवाड़ा, श्रीमती धनवंता भगत घुनाड़ी,श्रीमती किरण पटले तीखाखारी, श्रीमती राखी हनवते चनेवाड़ा, श्रीमती सरिता ठाकरे चनेवाड़ा,श्रीमती रमेश्वरी हरिनखेड़े पचपेड़ी,श्रीमती शशीबाला कटरे पचपेड़ी, श्रीमती नीतू पटले तीखाखारी, श्रीमती खेलनबाई पारधी चिचोली,श्रीमती आशा टेभरे पाण्डेवाड़ा, श्रीमती सुनिता चौधरी पाटादेह नियुक्त किए गए हैं। ब्लॉक कार्यकारिणी घोषणा से पंवार समाज ने हर्ष व्यक्त किया है, ब्लॉक अध्यक्ष दीपचंद ठाकरे का कहना है संगठन विस्तार से सभी सामाजिक बंधुओं को समाज हित में कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा और जैसा कि हमारे जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन की मंशा है कि बालाघाट जिले के प्रत्येक गांव तक समाज को संगठित रखना है उस मंशा को शक्ति मिलेगी।

पत्नी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार केशव न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया जेल

शराब के लिए पैसे न देने पर की थी पत्नी की हत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड पुलिस ने पत्नी की हत्या के करने के आरोप में गिरफ्तार आरोपी केशव पिता धनीराम धुर्वे 50 वर्ष ग्राम बाकीगुड़ा निवासी को बैहर की अदालत में पेश कर दिए जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है। इस आरोपी ने शराब पीने के लिये रुपये नहीं देने पर पत्नी धुर्वे 46 वर्ष की गला दबाकर एवं डंडे से वार कर हत्या कर दी थी। मलाजखंड पुलिस के अनुसार 21 मई को ग्राम बाकीगुड़ा में 46 वर्षीय नीलू धुर्वे की संदिग्ध मृत्यु की सूचना मिली थी। मौके पर एफएसएल और फॉरेंसिक टीम के साथ जांच कर साक्ष्य जुटाए गए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की मौत गला दबाने से दम घुटने और सिर में गंभीर चोट लगने से होना पाई गई। पूछताछ में मृतका के पति केशव धुर्वे ने अपना जुर्म कबूल किया। आरोपी ने बताया कि उसने पत्नी से शराब के लिए पैसे मांगे थे। मना करने पर दोनों में विवाद हो गया। गुस्से में आरोपी ने पहले पत्नी का गला दबाया और फिर पास रखे लकड़ी के डंडे से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी ने शव को कमरे में बिस्तर पर लिटा दिया ताकि को शक न हो।पुलिस ने आरोपी केशव धुर्वे को गिरफ्तार कर हत्या में इस्तेमाल लकड़ी का डंडा और अन्य सामग्री जप्त कर ली है। 24 मई को आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे बैहर जेल भेज दिया गया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी मलाजखण्ड उप निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह जौनवार, उप निरीक्षक मनोज मांगरे, सहायक उप निरीक्षक कलिराम उइके, सहायक उप निरीक्षक सुलेखा मरकाम, प्रधान आरक्षक रतन सोनवाने, आरक्षक ब्रजलाल उइके, जितेन्द्र सेंगर, सामुएल कलेत, तोषेन्द्र एवं गणेश मेहरा की सराहनीय भूमिका रही।

37वीं जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता सम्पन्न, खिलाड़ियों ने पानी मे दिखाई प्रतिभा

30 मई से 03 जून तक रीवा में आयोजित होंगी 54 वीं राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला तैराकी संघ बालाघाट द्वारा रविवार 24 मई 2026 को 37वीं जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन ग्राम डोंगरिया स्थित ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल के स्वीमिंग पूल में संपन्न हुआ, जहां जिलेभर से पहुंचे जूनियर, सब जूनियर एवं सीनियर वर्ग के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रात: 7 बजे किया गया। सुबह से ही खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। विभिन्न आयु वर्गों में आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने तैराकी की अलग-अलग स्पर्धाओं में अपनी गति, तकनीक और कौशल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। पूरे दिन चले मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण बना रहा तैराकी प्रतियोगिता विभिन्न विधाओं में फ्री स्टाईल, बैक स्टोक, ब्रेस्ट स्टोक एवं बटर फ्लाई तथा रेले जो कि बालक - बालिका जूनियर ग्रुप एवं सब जूनियर ग्रुप और सीनियर खिलाडी की उम्र अनुसार ग्रुप ,सीनियर आयु 17 से 18 वर्ष, ग्रुप।। - आयु 15 से 16 वर्ष, गुप।।। आयु13 से 14 वर्ष एवं ग्रुप- आयु 11 से 12 वर्ष ग्रुप- आयु 9 से 10 वर्ष में भाग लेकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।जहा समस्त तैराकी प्रतियोगिताएं जबलपुर से आए एन.आई.एस. तैराकी कोच प्रशांत कुशवाहा, योगेन्द्र सिंह ठाकुर, कु अनिता पन्द्राम के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई। तैराकी प्रतियोगिताएं 25 मीटर, 50 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर में सम्पन्न हुई। इस दौरान तैराकी संघ के अध्यक्ष संजीव अग्रवाल भाउ, सचिव महेन्द्र सुराना उपाध्यक्ष नितेन्द्र श्रीवास्तव, शिव मुनेश्वर, लक्ष्मी नागेश्वर, संदीप सिंह चंदेल, सुरेश रंगलानी राजेश वर्मा, कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल, उत्पान सिंह ठाकुर, संजय भोयरकर सुनिल सुनहरी, मनोहर इसरानी, ज्ञानीराम बाहे, संजीव चीनू जैन, विनोद तेजवानी मनीष सोनी, मोती दत्ता, रामप्रसाद डहरिया, महेन्द्र रामटेककर, दीपक कसार, श्रीमती सुषमा नाविक, श्रीमती ज्योति रहांगडाले, श्रीमती स्वाती टेम्भरे सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

चयनित खिलाड़ी, राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में होंगे शामिल

जिला तैराकी संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य जिले में तैराकी खेल को बढ़ावा देना, नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा खिलाड़ियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। प्रतियोगिता के माध्यम से खिलाड़ियों को अपनी क्षमता निखारने और प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला।शाम 5 बजे समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।बताया गया कि जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी / तैराक इस वर्ष रीवा शहर में स्थित मिहिर सेन तरण ताल सिविल लाईन्स रीवा में दिनांक 30 मई से 03 जून तक आयोजित 54 वीं राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता/ चैम्पियनशिप 2026 में बालाघाट टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे एवं राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे।

पशु पालकों की सुध लेने नव नियुक्त उप-संचालक डॉ. परते ने संभाला मोर्चा

बैहर और परसवाड़ा पशु चिकित्सा संस्थाओं का किया निरीक्षण, क्षेत्रीय अधिकारी उईके और सैय्याम को लगाई फटकार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। डेयरी एवं पशु पालन विभाग के उप संचालक डॉ. घनश्याम परते, प्रभार लेते ही हरकत में आ गये हैं।जो लगातार दौरे कर स्थानीय पशु पालकों किसानों से भेंट कर उनकी समस्या सुनते हुए उन्हें योजनाओं का लाभ दिला रहे है। पशुधन क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री डेयरी प्लस सहित धरती आबा एवं डॉ. अम्बेडकर कामधेनु जैसी शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं को जमीनी स्तर पर उतारने की कयावद को लेकर विभागीय समीक्षा के साथ साथ पशुपालकों से संवाद भी कर रहे है।इसी कड़ी में नव नियुक्त उप-संचालक डॉ. परते द्वारा बैहर तथा परसवाड़ा विकास खण्डों का दौरा कर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में खण्ड पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. मंजूषा कुशराम, पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ डॉ. सुरेन्द्र मर्सकोले सहित विभागीय सम्पूर्ण क्षेत्रीय अमला उपस्थित रहा।

विभाग की छबि ख़राब करने वाले 2 क्षेत्रीय अधिकारी को लगाई फटकार, वेतन रोकने की दी चेतावनी

डॉ परते ने शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के दौरान कार्यों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले क्षेत्र अधिकारी अरविंद परते तथा तपेश वासनिक की सराहना की, तो वहीं दूसरी ओर कम प्रगति लाने वाले व विभागीय कार्यों के प्रति अरुचि दिखाने वाले क्षेत्रीय अधिकारी डी एस उईके और एस एस सैय्याम को कड़ी फटकार भी लगाई साथ ही वेतन रोकने जैसी चेतावनी भी दी है।उधर परसवाड़ा क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान ग्राम चंदना से पहुँचे पशु पालक कृषक सुनील क्षीरसागर ने डॉ.भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के संबंध में रुचि दिखाई तो उप-संचालक डॉ. परते ने तत्परता दिखाते हुए विभागीय अमले को तत्काल निर्देशित कर उक्त किसान को लाभ दिलाने की प्रक्रिया पूर्ण करने कहा है।

आवश्यकता है
• पाईप शोरूम कार्य हेतु
युवक-02 पद, वेतन-10,000+
• पाईप शोरूम कार्य हेतु
युवती-02 पद, वेतन-7,000+
नोट-अनुभवी को प्राथमिकता
दुकान का समय प्रातः 10 बजे से रात्रि 08.30 बजे तक
आदिनाथ इंटरप्राइजेज
श्याम टॉकीज के पीछे, इतवारी गंज, बालाघाट
9424766066

आवश्यकता है
10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

दो भाइयों के घर मे अचानक लगी भीषण आग , आजगनी का कारण अज्ञात

नगदी सहित गृहस्थी का सामान जलकर खाक, थाना खैरलांजी के ग्राम लावनी का मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लावनी में बीती शाम दो भाइयों के मकान में अचानक से आग लग गई ।जहां आगजनी की इस घटना से घर में रखी नगदी,आवश्यक दस्तावेज सहित घर गृहस्ती का

सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया। हालांकि मकान में यह आग कैसे लगी अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन यह आग शॉर्ट सर्किट से लगी होगी ऐसी आशंकाएं व्यक्त की जा रही है ।उधर आगजनी से हुए नुकसान पर पीड़ितों ने मुआवजा दिए जाने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम लावनी निवासी मनमोहन पिता सुलकराम ठाकरे और धुदीलाल पिता भूराजी ठाकरे खेती बाड़ी का काम करते है ।जिनका सँयुक्त मकान था,साथ ही पास में मवेशियों के कोठा था, बताता गया की शनिवार की शाम करीब 6 बजे के दरमियान अचानक मकान से धुआं निकलने लगा ।इससे पहले की कोई कुछ समझ पाता देखते ही देखते घर के भीतर से आग की लपटें उठने लगी,और कुछ ही देर में उक्त आग ने पूरे मकान को ही अपनी चपेट में ले लिया ।जिसे देख मोहल्ले में चीख-पुकार मच गई जहां मोहल्ले वाले,पहले तो अपने स्तर से आग बुझाने की कोशिश करते रहे,लेकिन वे सफल नही हो सके ।इसी बीच किसी ने पुलिस व फायर ब्रिगेड को मामले की सूचना दी ।उधर सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।आग की लपटे इतनी तेज थी मकान जलकर खाक हो गया था ।उधर काफी देर कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से,बची कूची आग पर काबू पाया।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

बताया गया कि आजगनी की इस घटना से घर में रखे नकद रु, चावल, धान, कपड़े, बिस्तर मोबाइल फोन,मवेशी के कोठे में रखा पैरा भूसा कृषि उपकरण सहित घर गृहस्ती का अन्य सामान आग में जलकर खाक हो गया। पीड़ित के मुताबिक उन्हें लाखो रु का नुकसान हुआ है ।जिसका मुआवजा दिए जाने की मांग पीड़ित परिवार द्वारा की गई है ।उधर मामले की सूचना मिलते ही गांव के कोटवार और संबंधित पटवारी द्वारा मकान का निरीक्षण कर पंचनामा कार्यवाही की गई जिन्होंने नुकसान आकलन कर प्रकरण तैयार किया है ।वही स्थानीय पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

हमे मुआवजा मिलना चाहिए-ठाकरे

उधर पीड़ित ठाकरे बन्धुओ ने पुलिस को बताया कि उनके घर में यह आग कैसी लगी, इसकी उन्हें कोई जानकारी नही है। पूरा मकान जल गया है,इस आगजनी से घर मे रखे नगद रु,चावल, किराना, बिस्तर, आधारकार्ड, वोटिंग कार्ड, राशन कार्ड सहित अन्य दस्तावेज जलकर खाक हो गए,कुछ भी नही बचा। हमारी मांग है कि हमे नुकसान का मुआवजा मिलना चाहिए।

रात 3 बजे जिला अस्पताल पहुंचे कलेक्टर, अव्यवस्थाएं देख अधिकारियों की लगाई क्लास

मरीज की शिकायत पर अचानक निरीक्षण, गार्ड और वार्ड बॉय सोते मिले, कई मरीज जमीन पर लेते रहे इलाज

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला चिकित्सालय में शनिवार- रविवार की दरमियानी रात उस समय हड़कंप मच गया, जब कलेक्टर मृणाल मीना अचानक रात करीब 3 बजे अस्पताल पहुंच गए। मरीज की शिकायत मिलने के बाद कलेक्टर ने बिना किसी पूर्व सूचना के जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। अस्पताल प्रबंधन और कर्मचारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी थी। बताया जा रहा है कि एक मरीज द्वारा अस्पताल की अव्यवस्थाओं का वीडियो बनाकर कलेक्टर को शिकायत भेजी गई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर मृणाल मीना देर रात स्वयं जिला चिकित्सालय पहुंच गए। किसी को उम्मीद नहीं थी कि एक शिकायत पर कलेक्टर आधी रात में अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंच जाएंगे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सबसे पहले ड्यूटी रूम का जायजा लिया, जहां गार्ड और वार्ड बॉय सोते हुए मिले। इसके बाद उन्होंने मेडिकल वार्ड सहित अन्य वार्डों का निरीक्षण किया। अस्पताल की व्यवस्थाएं देखकर कलेक्टर नाराज हो गए। निरीक्षण में सामने आया कि कई वार्डों में ड्यूटी डॉक्टर मौजूद नहीं थे और मरीजों को पर्याप्त बेड तक उपलब्ध नहीं हो पा रहे थे। स्थिति यह थी कि कुछ मरीज जमीन पर लेटकर इलाज कराने को मजबूर दिखाई दिए। अस्पताल में साफ-सफाई और व्यवस्थाओं को लेकर भी कलेक्टर ने नाराजगी जताई। मौके पर ही उन्होंने सिविल सर्जन और संबंधित मेडिकल अधिकारियों को तत्काल अस्पताल बुलवाया और लापरवाही पर जमकर फटकार लगाई। कलेक्टर मृणाल मीना ने निरीक्षण के दौरान ड्यूटी में लापरवाही पाए जाने पर एक गार्ड, तीन वार्ड बॉय और कुछ स्टाफ नर्सों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही अस्पताल प्रबंधन को व्यवस्थाएं तत्काल सुधारने के निर्देश भी दिए गए। हालांकि यह पहला मौका नहीं है जब कलेक्टर मृणाल मीना ने शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सीधे मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया हो। इससे पहले भी वे जिले के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में चौपाल लगाकर आम लोगों की समस्याएं सुन चुके हैं और कई बार अचानक निरीक्षण कर प्रशासनिक व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति सामने ला चुके हैं।

जिले में कलेक्टर मृणाल मीना इन दिनों आम जनता से सीधे संवाद और जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। बीते कुछ महीनों में उन्होंने जिले के कई ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों में पहुंचकर आम लोगों की समस्याएं सुनी हैं। हाल ही में जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत कनकी में भी उन्होंने रात्रिकालीन चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया था। अब एक बार फिर उनकी कार्यशैली शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है। बताया जा रहा है कि 23 और 24 मई की दरमियानी रात लगभग 3 बजे कलेक्टर मृणाल मीना अचानक जिला चिकित्सालय पहुंच गए। यह निरीक्षण एक शिकायत मिलने के बाद हुआ, जिसमें जिला अस्पताल की गंभीर अव्यवस्थाओं और ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों के सोने की जानकारी दी गई थी। कलेक्टर के अचानक अस्पताल पहुंचने से पूरे अस्पताल प्रबंधन में हड़कंप मच गया।

मरीज की शिकायत के बाद हरकत में आया प्रशासन

मिली जानकारी के अनुसार हीरापुर निवासी शुभम वराडे पेट दर्द और उल्टी की समस्या के चलते रात लगभग 2.30 बजे जिला चिकित्सालय उपचार के लिए पहुंचे थे। अस्पताल पहुंचने पर उन्हें सबसे पहले पर्ची बनवाने के लिए कहा गया। जब वे पर्ची काउंटर और ड्यूटी रूम की ओर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि वार्ड बॉय और सुरक्षा में तैनात गार्ड आकस्मिक चिकित्सा इकाई के वार्ड में कूलर लगाकर सो रहे थे। शुभम ने इसका वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड किया। इसके बाद जब वे मेडिकल वार्ड पहुंचे तो वहां मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण उन्हें बेड उपलब्ध नहीं हो सका। आरोप है कि उन्हें जमीन पर लेटकर उपचार कराने की बात कही गई। अस्पताल की इन व्यवस्थाओं से नाराज शुभम ने पूरा वीडियो और जानकारी सीधे कलेक्टर मृणाल मीना को भेज दी और फोन पर भी स्थिति से अवगत कराया।

शिकायत मिलते ही रात में अस्पताल पहुंचे कलेक्टर

शिकायत मिलने के तुरंत बाद कलेक्टर मृणाल मीना देर रात जिला चिकित्सालय पहुंच गए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में कई गंभीर खामियां देखीं। ड्यूटी पर तैनात कुछ कर्मचारी सोते मिले तो वहीं मेडिकल वार्ड में मरीजों की संख्या क्षमता से अधिक पाई गई। बताया जा रहा है कि मेडिकल वार्ड में लगभग 40 बेड स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में वहां 56 से अधिक मरीज भर्ती थे। जगह की कमी के कारण कई मरीजों को जमीन पर रहकर उपचार लेना पड़ रहा था। स्थिति देखकर कलेक्टर ने तुरंत सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन और प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलव को अस्पताल बुलाया। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जाहिर करते हुए जमकर फटकार लगाई।

अस्पताल प्रबंधन को लगाई फटकार

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर मृणाल मीना ने कहा कि जिला चिकित्सालय में मरीजों को मूलभूत सुविधाएं मिलना सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में मरीजों के साथ आने वाले परिजनों की संख्या भी अधिक रहती है, ऐसे में उनके लिए अलग से व्यवस्थित व्यवस्था होना जरूरी है। उन्होंने रात्रिकालीन ड्यूटी, वार्ड व्यवस्था, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था और मरीजों की देखभाल को लेकर भी सवाल उठाए। कलेक्टर ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब जिला चिकित्सालय की अव्यवस्थाओं को लेकर शिकायतें सामने आई हैं। मरीजों को पर्याप्त सुविधा, उचित उपचार और सम्मानजनक वातावरण मिलना चाहिए। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

स्टाफ नर्स ने भी रखी अपनी बात

निरीक्षण के बाद ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ नर्स ने भी अपनी समस्याएं मिडिया के सामने रखीं। उन्होंने कहा कि बेड की व्यवस्था कराना या मरीजों के परिजनों को नियंत्रित करना उनका काम नहीं है। अस्पताल में बेड की कमी और व्यवस्थाओं का अभाव होने के बावजूद अक्सर सारी जिम्मेदारी स्टाफ नर्सों पर डाल दी जाती है। उन्होंने कहा कि इन व्यवस्थाओं के लिए अस्पताल प्रबंधन जिम्मेदार है, लेकिन कई बार कार्रवाई और नाराजगी का सामना उन्हें करना पड़ता है।

मरीजों ने भी बताई अस्पताल की स्थिति

कलेक्टर के निरीक्षण के बाद अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों ने भी व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी जाहिर की। मेडिकल वार्ड में भर्ती मरीज अजीत, श्रद्धा बसेने, चुन्नीलाल, हंसराज खोबरागड़े और ठाकुर प्रसाद गोडाने ने बताया कि जिला चिकित्सालय में लंबे समय से अव्यवस्थाएं बनी हुई हैं। मरीजों को पर्याप्त बेड नहीं मिल रहे, रात्रिकालीन व्यवस्थाएं कमजोर हैं और कई बार डॉक्टर व स्टाफ समय पर उपलब्ध नहीं रहते। मरीजों का कहना था कि कलेक्टर के अचानक निरीक्षण से अस्पताल में हड़कंप मच गया और अब उन्हें उम्मीद है कि व्यवस्थाओं में सुधार होगा।

तीन कर्मचारियों की सेवा समाप्ति के निर्देश

निरीक्षण के दौरान ड्यूटी पर लापरवाही बरतने और सोते पाए जाने पर कलेक्टर मृणाल मीना ने आउटसोर्स कर्मचारी एमएसडब्ल्यू आविष्कार मेश्राम, कैलाश झलपे और सुरक्षा गार्ड राधेश्याम बघेले की सेवा समाप्त करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर की इस कार्रवाई के बाद जिला चिकित्सालय में हड़कंप का माहौल बना हुआ है। वहीं सोशल मीडिया पर भी देर रात अस्पताल पहुंचकर कार्रवाई करने को लेकर कलेक्टर मृणाल मीना की जमकर सराहना की जा रही है। आम लोगों का कहना है कि यदि अधिकारी इसी तरह अचानक निरीक्षण करते रहें तो सरकारी व्यवस्थाओं में निश्चित रूप से सुधार देखने को मिलेगा।

आंगनवाड़ी सहायिकाओं ने उठाई अवकाश, मानदेय और ग्रेज्युटी की मांग, सितंबर में आंदोलन की चेतावनी

बालाघाट में एकता यूनियन की बैठक, भीषण गर्मी में बच्चों को एक माह की छुट्टी और सूखा राशन वितरण की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आंगनवाड़ी सहायिका एकता यूनियन की एक महत्वपूर्ण बैठक 24 मई को शहर के स्थानीय बस स्टैंड स्थित धर्मशाला में आयोजित की गई। बैठक में जिलेभर से बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी सहायिकाएं शामिल हुईं और अपनी विभिन्न मांगों को लेकर चर्चा की। बैठक के दौरान यूनियन की पदाधिकारियों और सदस्य महिलाओं ने मांग उठाई कि बच्चों को एक महीने का अवकाश दिया जाए तथा इस दौरान सुखा खाद्यात्र वितरण की अनुमति प्रदान की जाए। इसके अलावा आंगनवाड़ी सहायिकाओं ने नियमित रूप से प्रतिमाह मानदेय दिए जाने की मांग भी सरकार के सामने रखी। यूनियन की महिलाओं का कहना था कि लंबे समय से उनकी समस्याओं और मांगों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं लगातार अपनी जिम्मेदारियां निभा रही हैं, लेकिन उन्हें समय पर मानदेय और पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं ।बैठक में मौजूद महिलाओं ने कहा कि यदि सरकार जल्द उनकी मांगों पर निर्णय नहीं लेती, तो आगामी सितंबर माह में बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि आंदोलन की स्थिति निर्मित होने पर इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

बीते कुछ महीनों से जिले सहित प्रदेशभर में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं अपनी विभिन्न मांगों को लेकर लगातार आंदोलनरत हैं। कहीं धरना-प्रदर्शन किए जा रहे हैं तो कहीं शासन और प्रशासन तक अपनी बात पहुंचाने ज्ञापन सौंपे जा रहे हैं। इसी क्रम में एक बार फिर 24 मई को आंगनबाड़ी सहायिका एकता यूनियन की बहनों द्वारा शहर के स्थानीय बस स्टैंड स्थित धर्मशाला में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी सहायिकाएं और कार्यकर्ता शामिल हुईं, जहां संगठन की आगामी रणनीति और लंबित मांगों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान संगठन की पदाधिकारी अंजली बिसेन ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि जिस

प्रकार भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को गर्मी की छुट्टियां दी जाती हैं, उसी प्रकार आंगनवाड़ी केंद्रों में आने वाले छोटे बच्चों को भी एक महीने का अवकाश दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी में आने वाले अधिकांश बच्चे बहुत छोटी उम्र के होते हैं और तेज गर्मी में उन्हें केंद्र तक लाना तथा बैठाना उनके स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। इसलिए शासन को छोटे बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अवकाश घोषित करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि यदि शासन एक महीने का अवकाश घोषित करता है तो उस अवधि का सूखा खाद्यान्न वितरण करने की अनुमति भी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को दी जानी चाहिए, ताकि बच्चों को मिलने वाला पोषण प्रभावित न हो और परिवारों को शासन की योजनाओं का लाभ लगातार मिलता रहे। संगठन का कहना है कि गर्मी की छुट्टियों के दौरान भी बच्चों के पोषण की जिम्मेदारी बनी रहती है, इसलिए खाद्यान्न वितरण की व्यवस्था जारी रहना जरूरी है। बैठक में आंगनवाड़ी सहायिकाओं ने मानदेय की समस्या भी प्रमुखता से उठाई। अंजली ने कहा कि कई बार कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को समय पर मानदेय नहीं मिल पाता, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि अधिकांश सहायिकाएं और कार्यकर्ता सीमित आय पर अपने परिवार का पालन-पोषण करती हैं और मानदेय में देरी होने से घर की आर्थिक व्यवस्था प्रभावित होती है। संगठन ने मांग की है कि प्रत्येक माह की पहली तारीख को ही मानदेय सीधे उनके खातों में जमा होना सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा बैठक में ग्रेज्युटी के मुद्दे को लेकर भी चर्चा हुई। संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि ग्रेज्युटी को लेकर वर्ष 2016 में मामला दायर किया गया था, जिसमें अब आदेश भी आ चुका है। इसके बावजूद अब तक संबंधित राशि का भुगतान नहीं किया गया है। संगठन का आरोप है कि आदेश आने के बाद भी सरकार द्वारा भुगतान में देरी की जा रही है, जिससे कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं में नाराजगी बढ़ रही है। अंजली बिसेन ने कहा कि यदि न्यायालय के आदेश के बावजूद सरकार जल्द राशि जारी नहीं करती है तो संगठन 15 से 20 सितंबर के बीच बड़ा आंदोलन करेगा। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं लंबे समय से अपनी मांगों को शांतिपूर्ण तरीके से शासन तक पहुंचा रही हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार युवक घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। लालबर्रा रोड पर स्थित ग्राम नेवरगांव के पास बेलगाम ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। ट्रैक्टर की जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। यह युवक महेंद्र पिता सीताराम कोकोटे 25 वर्ष ग्राम दैतबर्रा थाना रामपायली निवासी बताया गया है। जिसका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महेंद्र बेल्डिंग का काम करता है। 24 मई को सुबह महेंद्र मोटरसाइकिल में लामता से अपने घर दैतबर्रा जा रहा था। लालबर्रा से वारासिवनी की ओर आते समय ग्राम नेवरगांव के पास

सामने से तेज रफ्तार से आ रहे ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। ट्रैक्टर की जबरदस्त ठोकर से महेंद्र मोटरसाइकिल सहित गिर गया ।जिसका बाया पैर ही फैक्चर हो गया। गंभीर रूप से घायल महेंद्र को वारासिवनी के सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया था ।जहां से उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

दुल्हन को विदा कराकर लौट रहे बारातियों पर हमला- स्कॉर्पियो में मचाई तोड़फोड़

बारातियों को लाठी रॉड से की मारपीट, 5 बाराती घायल , भरवेली थाने के जोधीटोला जरेरा के जंगल में हुई वारदात

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र के जोधीटोला-जरेरा जंगल में दुल्हन को विदा कराकर लौट रही बारातियों से भरी स्कॉर्पियो पर दो दर्जन से अधिक लोगों ने घात लगाकर हमला कर दिया। हमलावरों ने लाठी-रॉड से कार में तोड़फोड़ की और बारातियों को बाहर खींचकर बुरी तरह मारपीट किए। यह वारदात 2 दिन पहले हट्टा थाना के ग्राम खोड़सिवनी में वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान हुई मारपीट की बदले की रंजिश को लेकर होना बताया जा रहा है ।हमले में दो बुजुर्ग समेत 5 बाराती घायल हुए हैं। सभी का जिला अस्पताल बालाघाट में इलाज चल रहा है।

खोड़सिवनी शादी में हुए विवाद की रंजिश

प्राप्त जानकारी के मुताबिक 22 मई की रात हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम खोड़सिवनी में ऐश लाल पांचे की बेटी नेहा की शादी थी। यहा जोधीटोला से बारात आई थी। रात में खाने के दौरान दूल्हा पक्ष के कुछ बारातियों द्वारा खाना फेंकने को लेकर विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ी कि दुल्हन पक्ष के लोगों ने दूल्हा पक्ष के बारातियों पर लाठी-डंडों और घूंसों से हमला कर दिया। जिसमें नितेश कोकोटे 19 वर्ष, तुलसीराम धुर्वे 25 वर्ष और शुभम दादरे 20 वर्ष समेत अन्य लोग घायल हुए थे। तीन घायल का इलाज जिला अस्पताल में कराया गया था।

दुल्हन को विदा कराकर बाराती लौट रहे थे

22 मई की मारपीट के बाद से ही दूल्हा पक्ष रंजिश रखे हुए था।23 मई को दूल्हे के साथ दुल्हन की खोड़सिवनी से विदाई हुई थी। दुल्हन के साथ महिलाये भी जोधीटोला आई थी। वैवाहिक कार्यक्रम के चलते रात में रिसेप्शन रखा गया। 24 मई को खोड़सिवनी से चौथिया की बारात दुल्हन को लेने जोधीटोला पहुंची। खाना खाने के बाद दोपहर करीब 1-30 बजे दुल्हन को विदा कर एक दर्जन महिला-पुरुष बाराती स्कॉर्पियो से वापस खोड़सिवनी लौट रहे थे।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम

जैसे ही स्कॉर्पियो जोधीटोला-जरेरा के जंगल से गुजरी रही थी। हमलावरो ने रास्ते में पहले से लट्ठे अड़ाकर रखे गए थे। और हमलावर जंगल में छुप गए थे। स्कॉर्पियो के रुकते ही जंगल में छिपे 20-25 हमलावर लाठी-रॉड लेकर निकल पड़े। और स्कॉर्पियो को घेर कर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देते हुए उन्होंने स्कॉर्पियो में तोड़फोड़ शुरू कर दी। हमलावरो ने बारातियों को बाहर निकालकर बेरहमी से मारपीट किए। अचानक हुए हमले से चीख-पुकार मच गई और दहशत फैल गई। खबर मिलते ही दूल्हा पक्ष के लोग भी पहुंच चुके थे।

डायल 112 के आने की भनक लगते हमलावर फरार

किसी बाराती ने हिम्मत कर डायल 112 पर सूचना दी। डायल 112 के पहुंचने की भनक लगते ही सभी हमलावर जंगल की तरफ भाग गए। सूचना मिलती है मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस से सभी घायलों को जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। इस वारदात में दशरथ पिता रतिराम कावरे 35 वर्ष ग्राम कटगटोला गोंदिया और रमेश पिता चमारू पाचे 31 वर्ष ग्राम बिनोरा किरनापुर को अत्यधिक छोटे आई। भादूलाल पिता सीताराम पांचे 70 वर्ष नकशी किरनापुर, पेंडारीलाल पिता सहजलाल पांचे 55 वर्ष ग्राम खो ?सिवनी हट्टा,नवीन पिता रमेश चौधरी 28 वर्ष मोहगांव हट्टा निवासी को मामूली चोटे आई। सभी का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया

मामला भरवेली थाना पहुंचा

जिला अस्पताल पुलिस ने घायलों के बयान लिए हैं। घटना भरवेली थाना क्षेत्र की होने से तहरीर अग्रिम जांच के लिए भरवेली पुलिस को भेज दी गई है। पुलिस हमलावरों की पहचान कर रही है। प्रारंभिक जांच में 22 मई की शादी में हुई मारपीट का बदला लेना ही हमले की मुख्य वजह सामने आया है।भरवेली पुलिस दोनों पक्षों से जुड़े लोगों से पूछताछ कर रही है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

आस-पास की खबरें

कक्षा 5 वीं और 8 वीं की पुनः परीक्षा 1 जून से

फेल एवं अनुपस्थित छात्रों को मिलेगा एक और मौका

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश शिक्षा बोर्ड की कक्षा 5 वीं और 8 वीं की मुख्य परीक्षा में असफल या अनुपस्थित रहे विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा आगामी 1 जून से प्रदेशभर में पुनः परीक्षा (सप्लीमेंट्री परीक्षा) का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में विभाग ने विस्तृत समय-सारिणी और कड़े दिशा-निर्देश भी जारी कर दिये है। इसी कड़ी में लालबर्रा विकासखण्ड में भी कक्षा 5 वीं और 8 वीं की पुनः परीक्षा 1 जून से शुरू होने वाली है। जिसकी तैयारी में शिक्षा विभाग जुट चुका है और इस परीक्षा में लालबर्रा विकासखण्ड के कक्षा 5 वीं के 34 एवं कक्षा 8 वीं के 47 बच्चें शामिल होगें। साथ ही इस पुनः परीक्षा में जो मुख्य परीक्षा को पास नहीं कर पाये थे या किसी कारणवश परीक्षा में बैठ नहीं सके थे वे बच्चें शामिल होगें। वहीं दुसरे अवसर की परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थी घरों में रहकर पढ़ाई कर रहे है। चर्चा में बीआरसी श्रीराम तुरकर ने बताया कि कक्षा 5 वीं और 8 वीं की पुनः परीक्षा 1 जून से शुरू होगी, जिसकी तैयारी शिक्षा विभाग के द्वारा पुरी कर ली गई है और इस परीक्षा में जो मुख्य परीक्षा में असफल या अनुपस्थित रहे है ऐसे बच्चें शामिल होगें। श्री तुरकर ने बताया कि पुनः परीक्षा में कक्षा 5 वीं के 34 एवं कक्षा 8 वीं के 47 बच्चें शामिल होगें।

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत सीआरपीएफ 7 वीं बटालियन ने निकाली साईकिल रैली

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। फिट इंडिया गतिविधि, 75वी एडिशन ऑफ संडेस (Sunday on Cycle) समारोह के अंतर्गत श्री तनवीर जमाल,

द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में 7 बटालियन, केन्दीय रिजर्व पुलिस बल, 208 कोबरा परिसर बड़गाँव, किरनापुर जिला बालाघाट (मध्य प्रदेश) में दिनांक 24/05/2026 को सुबह 06.20 बजे साइकिल रैली (Sunday on Cycle) का आयोजन किया गया। इस भव्य रैली में 7 बटालियन के श्री अजय पटियाल, उप कमाण्डेन्ट, अधिनस्थ अधिकारी एवं सभी जवानों ने हिस्सा लिया। यह रैली 208 कोबरा परिसर से प्रस्थान कर बड़गाव से होते हुए किरनापुर तक एवं वापसी 208 कोबरा बटालियन परिसर में पहुँची जिसका मुख्य उद्देश्य नागरिको में स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

कंजई-नगपुरा मार्ग पर मानुटोला के पास क्षतिग्रस्त पुल के नवनिर्माण की उठी मांग

जल्द पक्का निर्माण या मरम्मत न होने पर बारिश में ढह सकता है पुल, जिम्मेदार मौन

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत कंजई से नगपुरा को जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग पर मानुटोला के पास बना पुल भारी लापरवाही का शिकार हो रहा है। करीब 6 माह पूर्व एक ओवरलोड वाहन के गुजरने से यह पुल क्षतिग्रस्त हो गया था। जिसके बाद इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया था। मार्ग बंद होने से स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं पुल टूटने के बाद क्षेत्रीय जनता ने शासन-प्रशासन से पुल की ऊंचाई बढ़ाकर नये सिरे से निर्माण करवाने की पुरजोर मांग की थी परन्तु प्रशासन ने स्थाई समाधान निकालने के बजाय औपचारिकता निभाते हुए वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कच्चा मरम्मत कार्य करवा दिया। हालांकि इस अस्थाई मरम्मत के बाद आवागमन तो शुरू हो गया, लेकिन वर्तमान में यह पुल बेहद जर्जर और कमजोर स्थिति में पहुंच चुका है। साथ ही बरसात के दिनों में तेज बारिश होने और पुल के नीचे से पानी का बहाव तेज होने पर यह क च्चा निर्माण बह जायेगा। ऐसे में पुल के दोबारा क्षतिग्रस्त होने और पूरी तरह ढहने की आशंका बनी हुई है। यदि ऐसा होता है तो इस मार्ग से आवागमन एक बार फिर पूरी तरह ठप हो जायेगा। जिससे स्कूली ब च्चों, राहगीरों और ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। पुल को क्षतिग्रस्त हुए लगभग 6 महीने बीतने लगे हैं, लेकिन अब तक जिम्मेदार अधिकारियों ने पक्के मरम्मत कार्य या नये पुल के निर्माण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाये है। जिससे शासन-प्रशासन के प्रति लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

गुणवत्ताहीन निर्माण की खुली पोल

आपकों बता दें कि विगत वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कंजई से नगपुरा पहुंच मार्ग का डामरीकरण और मानुटोला के पास इस पुल का निर्माण करवाया गया था। लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण 6 माह पूर्व ओवरलोड़ वाहन के गुजरते समय पुल क्षतिग्रस्त हो चुका था किन्तु अब तक उसका पक्का मरम्मत एवं नवीन पुल का निर्माण नही किया गया है। जिससे आगामी समय में पुल ढह सकता है जिससे आवागमन करने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नहीं होने के कारण ही एक ओवरलोड वाहन के गुजरने से यह पुल पहली ही बार में क्षतिग्रस्त हो गया।

यह मार्ग केवल कंजई और नगपुरा को ही नहीं जोड़ता, बल्कि कंजई से पंढरापानी, पाथरशाही सहित दर्जनों ग्रामीण क्षेत्रों को आपस में जोड़ने वाली मुख्य लाइफलाइन है। सड़क विभाग ने दुर्घटना के बाद आनन-फानन में कच्ची मरम्मत तो करा दी लेकिन 6 महीने बाद भी इसे पक्का निर्माण करवाने की सुध नही ली है। जिससे सभी में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीण एवं राहगीरों ने बरसात का मौसम शुरू होने के पहले पुल की ऊंचाई बढ़ाकर नवीन पुल का निर्माण करवाने की मांग की है। ताकि आगामी बरसात के दिनों में क्षेत्र के लोगों को आवागमन की समस्या से न जूझना पड़े।

ऊंचाई बढ़ाकर नवीन पुल का जल्द निर्माण करवाये प्रशासन - मनीष

चर्चा में धारावासी सरपंच प्रतिनिधि मनीष बडघरे ने बताया कि कंजई से नगपुरा पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व डामरीकरण सड़क का निर्माण किया गया था एवं मानुटोला के पास पुल का निर्माण करवाया गया था। लेकिन पुल का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण 6 माह पूर्व ओवरलोड़ वाहन के गुजरते ही पुल क्षतिग्रस्त हो गया था। जिसके बाद सड़क विभाग के द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था के तहत मरम्मत कार्य करवाया गया था। जो धीरे-धीरे कमजोर होने लगा है और बारिश होने पर पुल के नीचे से पानी के बहाव से वह ढह सकता है। श्री बडघरे ने बताया कि इस मार्ग से स्कूली बच्चें सहित राहगीर एवं ग्रामीणजन आवागमन करते है, पुल ढह जाने से आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इसलिए प्रशासन से मांग है कि मानुटोला (कंजई) के पास क्षतिग्रस्त हुए पुल का गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य करवाये या फिर ऊंचाई बढ़ाकर नवीन पुल का निर्माण करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

आसमान से बरस रही आग, नौतपा आज से शुरू, भीषण गर्मी से जनजीवन बेहाल

दोपहर में कर्फ्यू जैसा नजारा, लू के थपेड़ों ने थामी रफ्तार, कूलर-एसी भी हुए फेल, लोग ले रहे शीतल पेय का सहारा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। सूर्यदेव के तीखे तेवरों ने पूरे क्षेत्र को भट्टी की तरह दहका दिया है। आसमान से बरस रही आग और धधकती लू (गर्म हवाओं) के कारण आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। भीषण गर्मी से लोग इस कदर हलाकान हैं कि दोपहर के समय सड़कों पर अघोषित कर्फ्यू जैसा नजारा दिखने लगा है। इसी बीच आज से नौतपा भी प्रारंभ हो गया है, जिससे आने वाले दिनों में पारा और अधिक बढ़ने की आशंका ने लोगों की चिंताएं दोगुनी कर दी हैं। वहीं इस भीषण गर्मी के चलते सुबह 9 बजते ही सूरज की किरणें तीखी होने लगती हैं और दोपहर होते-होते तेज धूप के साथ चल रही गर्म लपटें (लू) जिस्म को झुलसाने लगती हैं। आवश्यक कार्यों से बाहर निकलने वाले लोग पूरी तरह से एहतियात बरत रहे हैं। राहगीर गमछा, चश्मा और छतरी का सहारा लेकर खुद को ढक कर निकलते देखे जा रहे हैं। धूप की तपिश इतनी तेज है कि दुपहिया वाहन चालकों के लिए सड़क पर सफर करना दूभर हो गया है। वहीं

ज्योतिषीय गणना के अनुसार आज से सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश कर रहे हैं। आगामी 9 दिनों तक ब्रम्हाण्ड से सीधी आने वाली किरणें धरती को और अधिक तपायेगी। मौसम वैज्ञानिकों ने भी अगले कुछ दिनों तक लू का रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस तरह से वर्तमान में पड़ रही चुभन वाली भीषण एवं उमस भरी गर्मी ने सभी को हलाकान कर दिया है। जिससे जनजीवन भी प्रभावित हुआ है।

कूलर-एसी पड़े सुस्त, शीतल पेय पदार्थों की बढ़ी मांग

इस भीषण गर्मी में घरों के भीतर लगे पंखे और कूलर भी गर्म हवा फेंक रहे हैं, जिससे लोगों को घरों के अंदर भी चैन नहीं मिल रहा है। संपन्न लोग चौबीसों घंटे एसी का सहारा ले रहे हैं, जिसके कारण बिजली विभाग पर भी लोड बढ़ गया है। वहीं गर्मी से जल्द राहत पाने के लिए लोग खान-पान के पारंपरिक और आधुनिक तरीकों का इस्तेमाल कर रहे है। बाजार में गन्ने का रस, मैंगो जूस और लस्सी की दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ रही है। वहीं ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोग मिट्टी के घड़े के ठंडे पानी (गंगाजल समान शीतल जल) और सत्तू के शरबत को प्राथमिकता दे रहे हैं। साथ ही युवाओं और बच्चों में विभिन्न ब्रांड्स की कोल्ड ड्रिंक्स और आइसक्रीम की मांग अचानक बढ़ गई है और इन व्यापार से जुड़े लोगों का व्यापार भी उठ गया है।

चिकित्सकों की सलाह, बिना काम घर से न निकले बाहर

वर्तमान में पड़ ही भीषण गर्मी को देखते हुए चिकित्सकों ने इस मौसम में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। चिकित्सकों का कहना है कि दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच बहुत जरूरी न हो तो घर से बाहर न निकलें, खाली पेट बाहर न जाये, लगातार पानी, छाछ या नींबू पानी पीते रहें। चक्कर आने, उल्टी होने या तेज सिरदर्द होने पर इसे हल्के में न लें और तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। साथ ही आने वाले दिनों में यदि तापमान में और बढ़ोत्तरी होती है, तो जल संकट और बिजली कटौती की समस्याएं भी आम जनता की मुश्किलों को और बढ़ा सकती हैं। फिलहाल लोग केवल बादलों की ओर टकटकी लगाये हैं और इस तपन से राहत पाने के लिए मानसून का इंतजार कर रहे हैं।

भीषण गर्मी का कहर, ट्रांसफार्मर में स्पार्किंग से भड़की आग, बड़ा हादसा टला

बिजली गुल रहने से उमस और गर्मी में लोग हुए परेशान, विभाग ने ट्रांसफार्मर को दुरूस्त कर सप्लाई की शुरू

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के पनबिहरी रोड स्थित पुराने जनपद पंचायत कार्यालय के समीप रविवार दोपहर एक बड़ा हादसा टल गया। क्षेत्र में पड़ रही भीषण गर्मी के चलते अचानक एक विद्युत ट्रांसफार्मर में जोरदार स्पार्किंग होने से आग लग गई। आग की लपटें उठते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई और ट्रांसफार्मर के केबल व तार पूरी तरह जलकर खाक हो गये। वहीं ट्रांसफार्मर में स्पार्किंग होने से लगी आग की घटना के बाद स्थानीय सजग नागरिकों ने इसकी सूचना तत्काल विद्युत विभाग को दी। जिसके बाद विद्युत विभाग के द्वारा तत्काल विद्युत सप्लाई बंद करवाई, जिससे एक बहुत बड़ा हादसा होने से बच गया। अन्यथा घनी आबादी वाले इस क्षेत्र में आग विकराल रूप ले सकती थी। सूचना मिलते ही विद्युत विभाग की तकनीकी टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जले हुए केबल, तारों व ट्रांसफार्मर को दुरूस्त करने के कार्य में जुट गये और कड़ी मशक कत के बाद कार्य पुर्ण होने के बाद विद्युत प्रवाह सेवा शुरू की गई। जिसके बाद निवासरत लोग राहत की सांस लिये।

गर्मी में बिजली गुल होने से बढ़ी परेशानी

ट्रांसफार्मर में जोरदार स्पार्किंग होने से लगी आग के कारण पुराने जनपद कार्यालय और उसके आसपास के पूरे इलाके की बिजली ठप हो गई। दोपहर की तीखी धूप और भीषण गर्मी के बीच अचानक बिजली गुल होने से स्थानीय निवासियों और व्यापारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। उमस से बेहाल लोगों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि ट्रांसफार्मर को जल्द से जल्द पूरी तरह ठीक कर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बहाल की जाये। वहीं ट्रांसफार्मर में स्कार्पिंग से लगी आग के बाद विद्युत विभाग के कर्मचारी मौके स्थल पर पहुंचकर सुधार कार्य किये। जिसके बाद बिजली आपूर्ति बहाल हुई।

बालाघाट में बच्चों ने दिखाई अद्भुत मानसिक क्षमताएं, इंट्यूशन प्रोसेस टू शिविर में सीखी टेलीकेनेसिस व लैंग्वेज डाउनलोड की विशेष विधाएं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट में 23 एवं 24 मई को आयोजित दो दिवसीय इंट्यूशन प्रोसेस टू (Intuition Process w) बच्चों का विशेष शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षक आशीष पटेल द्वारा बच्चों को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया, जिसमें बच्चों ने अनेक अद्भुत एवं विशेष विधाएं सीखीं। प्रशिक्षकों ने बताया कि आगामी समय में इन विधाओं के सकारात्मक एवं अच्छे परिणाम बच्चों के व्यक्तित्व, आत्मविश्वास एवं मानसिक क्षमता में देखने को मिलेंगे।

आर्ट ऑफ लिविंग के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में बताया गया कि परमपूज्य गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी द्वारा हजारों वर्षों पुराने भारतीय ज्ञान और चेतना के पुनरुत्थान के लिए निरंतर अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। इंट्यूशन प्रोसेस टू भी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें बच्चों की आंतरिक शक्तियों और चेतना को जागृत कर उन्हें नई संभावनाओं से परिचित कराया जाता है। शिविर में बच्चों को विशेष रूप से टेलीकेनेसिस एवं लैंग्वेज डाउनलोड जैसी अद्भुत स्किल्स सिखाई गईं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने लाइव डेमो भी प्रस्तुत किया, जिसमें अनेक बच्चों ने ऐसी भाषाओं—जैसे चाइनीज, जापानीज, फ्रेंच, रशियन, संस्कृत एवं मलयालम—में हिंदी शब्दों का वर्णन किया, जिन्हें वे पूर्व में जानते तक नहीं थे। बच्चों की इस प्रस्तुति को देखकर उपस्थित लोग आश्चर्यचकित रह गए, वहीं बच्चे स्वयं भी अपने अनुभवों को लेकर उत्साहित एवं अचंभित दिखाई दिए। इन सभी बच्चों ने पूर्व में इंट्यूशन प्रोसेस वन का प्रशिक्षण प्राप्त किया था तथा उसका नियमित अभ्यास करने के पश्चात वे इंट्यूशन प्रोसेस टू के लिए एलिजिबल हुए। इसके बाद बच्चों ने यह विशेष अभ्यास एवं उन्नत विधाएं सीखीं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों एवं अभिभावकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि बच्चों में अनेक सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिले हैं। मुख्य रूप से बच्चों का स्क्रीन टाइम कम हुआ, पढ़ाई में ध्यान बढ़ा, एकाग्रता में वृद्धि हुई तथा वे अधिक एक्टिव, हैप्पी और शांत मन (Calm Mind) के साथ रहने लगे हैं। बच्चों ने बताया कि अब ओवर थिंकिंग कम होती है, आत्मविश्वास बढ़ा है तथा परीक्षा का भय भी समाप्त हुआ है, जिससे वे बिना डर और तनाव के परीक्षा दे पा रहे हैं। इसके साथ ही पढ़ाई में मन लगना, बेहतर कॉन्सेंट्रेशन और मानसिक स्थिरता जैसे अनेक सकारात्मक अनुभव भी सामने आए। प्रशिक्षकों ने बताया कि इस कार्यक्रम का एक विशेष उद्देश्य प्राचीन एवं विलुप्त हो रहे ज्ञान के पुनर्जागरण की दिशा में कार्य करना भी है। उनका मानना है कि आने वाले समय में यही बच्चे अपनी विकसित चेतना एवं विशेष क्षमताओं के माध्यम से उन अनेक प्राचीन ग्रंथों, विधाओं और ज्ञान को पुनः सामने ला सकेंगे, जो समय के साथ विलुप्त हो चुके हैं या वर्तमान में शास्त्रों एवं लेखों में उपलब्ध नहीं हैं। भविष्य में यह बच्चे ऐसे ज्ञान को डाउनलोड कर मानवता के लिए नए अविष्कार एवं नई दिशाओं के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों ने स्पून बेंडिंग जैसी रोचक गतिविधियों का अभ्यास किया, जिसमें बच्चे एकटक चम्मच को देखते हुए उसे मोड़ने का अभ्यास करते हैं। इसी प्रकार ज़मीन पर रखी स्ट्रॉ को एकाग्र दृष्टि एवं ऊर्जा के माध्यम से गतिमान करना तथा दूर रखे कागज़ को अपनी दिशा में मोड़ने जैसी अनेक विधाओं का भी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षकों ने बताया कि इस प्रकार के अभ्यासों से बच्चों के भीतर आत्मविश्वास, एकाग्रता, स्मरण शक्ति एवं मानसिक क्षमता में वृद्धि होती है। साथ ही ज्ञान के पुनर्जागरण के माध्यम से वे भविष्य में आने वाली परिस्थितियों को बेहतर ढंग से समझने एवं पूर्वानुमान लगाने की क्षमता भी विकसित कर सकते हैं। कार्यक्रम के समापन अवसर पर बच्चों एवं अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। अभिभावकों ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास, सकारात्मक सोच और मानसिक मजबूती के लिए अत्यंत लाभकारी हैं।

भांजे के लिए कपड़े खरीदने जा रहे मामा -मामी की दर्दनाक मौत, मासूम भांजा गंभीर रूप से घायल

अज्ञात पिकअप ने बाइक को मारी टक्कर आरोपी वाहन चालक मौके से फरार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

रामपायली थाना अंतर्गत ग्राम साकड़ी और सेलवटपार के बीच रविवार की सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है। एक अज्ञात तेज रफ्तार पिकअप वाहन की टक्कर से बाइक सवार पति पत्नी की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि उनका १२ वर्षीय भांजा गंभीर रूप से घायल हो गया घायल बच्चे को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रिफर किया गया है जहाँ उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद आरोपी वाहन चालक मौके से फरार हो गया जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

छुट्टियां मनाने मामा के घर आया था भांजा

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम साकड़ी निवासी धनीराम गाडेकर ४१ वर्ष पेशे से किसान थे। गर्मियों की स्कूल की छुट्टियां होने के कारण उनका १२ वर्षीय भांजा डिलेश उर्फ डिग्गु पिता नरेश नागेश्वर निवासी ग्राम घोटी अपने मामा के घर आया हुआ था। २४ मई की सुबह करीब ११.३० बजे धनीराम अपनी पत्नी अनीता गाडेकर ३८ वर्ष और भांजे डिग्गु को बाइक पर बिठाकर उसके लिए कपड़े खरीदने पास के ही क्षेत्र डोंगरमाली जा रहे थे। तीनों साकड़ी और सेलवटपार के बीच स्थित पुलिया के पास पहुंचे ही थे कि सामने से आ रही एक अज्ञात पिकअप ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीनों लोग उछलकर पुलिया के ऊपर एवं नीचे जा गिरे। इस भयावह हादसे में सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आने के कारण मामा धनीराम गाडेकर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं मामी अनीता और मासूम डिग्गु लहूलुहान हालत में नीचे तड़पते रहे। दुर्घटना को अंजाम देने के बाद अज्ञात वाहन चालक तेजी से गाड़ी लेकर मौके से भाग निकला। वहाँ से गुजर रहे राहगीरों ने जब घायलों को देखा तो तुरंत इसकी सूचना रामपायली थाना पुलिस और एंबुलेंस को दी। सूचना मिलते ही एम्बुलेंस मौके पर पहुंची जहाँ उपस्थित जनों ने धनीराम एवं डिलेश को तड़पता देख एंबुलेंस के माध्यम से उपचार के लिए भेज दिया गया। वहीं पुलिया से नीचे गिरने से अनीता की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची जिन्होंने जानकारी ली तो पता चला की पुलिया से नीचे गिरी अनीता गंभीर चोट आने से मौके पर ही मौत हो गई थी तो वही एंबुलेंस में जा रहे धनीराम की भी रास्ते में मौत हो गई जिस पर शव को वापस मौके पर लाया गया। १२ वर्षीय डिग्गु नागेश्वर को वारासिवनी अस्पताल में प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रिफर किया गया है। रामपायली पुलिस ने मृत पति पत्नी के शवों को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल वारासिवनी के मर्चुरी गृह में लाया गया। जहाँ पंचनामा की कार्यवाही पूरी कर शवों का पोस्टमार्टम कराकर उन्हें अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है और क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज व अन्य माध्यमों से फरार पिकअप की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। इस घटना के बाद से ग्राम साकड़ी और घोटी में शोक की लहर फैल गई है। घटना की जानकारी लगते ही विधायक विवेक पटेल शव विच्छेदन ग्राहक पहुंचे। जहां पुलिस अधिकारियों से जानकारी लेकर पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर ढंढास बांधा।

इस दुखद घटना में दोषियों पर सख्त कार्यवाही होगी- विवेक पटेल

विधायक विवेक पटेल बताया कि घटना की जानकारी लगते ही मैंने अपने कार्यकर्ताओं से बात की वह शव लेकर यहां पर पहुंचे हैं। गाडेकर परिवार हमारे बहुत करीबी लोग हैं जिनके यहां यह दुखद घटना हुई है पुलिया काफी सकरा है और यह मार्ग भी बहुत सकरा है इसका चौड़ीकरण होना चाहिए। जिसके लिए हमने शासन को कहा है फिर इसके लिए मांग की जाएगी क्योंकि यातायात बहुत हो गया है। इसमें पिकअप वाहन की लापरवाही है उसमें मवेशी भरे थे लाल कलर की पिकअप है पुलिस सर्च कर रही है। पीड़ित परिवार के साथ मेरी संवेदना है इस दुखद घटना में दोषियों पर सख्त कार्यवाही होगी।

साकड़ी से सेलवटपार के बीच एक्सीडेंट हुआ है पिकअप की खोजबीन चल रही है-थाना प्रभारी

थाना प्रभारी धर्मराज सिंह बघेल ने बताया कि डायल ११२ को सूचना मिली साकड़ी से सेलवटपार के बीच एक्सीडेंट हुआ है। हम स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे वहां धनीराम और उसकी पत्नी अनीता और भांजा डीलेश तीन लोग पड़े थे। भांजा घोटी रहता है वह मामा के घर आया था साकड़ी से मामा मामी भांजे के लिए कपड़ा लेने जा रहे थे। बीच में यह हादसा अज्ञात वाहन कि सामने की भीड़त से हुआ है अनीता पुलिया के नीचे गिरी थी धनीराम एवं डीलेश को उपचार के लिए एंबुलेंस से ले जा लिए थे। धनीराम की भी रास्ते में मौत हो गई घायल बालक जिला चिकित्सालय में उपचार ले रहा है। पति पत्नी दोनों के शव को वारासिवनी लेकर आए हैं यहां पर शव पंचनामा कार्यवाही की जा रही है। अभी इस मामले में जांच चल रही है सीसीटीवी देख रहे हैं मर्ग कायम कर अपराध भी दर्ज होगा।

मनुष्य का कर्म ही सच्ची पूजा है-विवेक पटेल

मेंढ़की के भागवत महापुराण कथा में शामिल हुये विधायक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मेंढ़की में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में विधायक विवेक पटेल पहुंचे और भगवान रामलला की पूजा अर्चना कर वृंदावन से पधारे कथावाचन ब्रजरसिकाचार्य मुकेश महाराज का आशीर्वाद प्राप्त कर फू ल मालाओं से उनका स्वागत किया। इस दौरान श्रीमती सावित्री लक्ष्मीरामायण पुंजाम,सचिन बिसेन,उपेंद्र पप्पू बिसेन, रणबीर बिसेन,आलोक बिसेन, नरेंद्र बिसेन,राजकुमार चौधरी, अरविंद सहारे, यशवंत बिसेन, झंकारसिंह सहारे, रूपेंद्र बिसेन, हुकमचंद बिसेन, संतोष चौधरी, सुकलाल मोहारे,प्रदीप चौधरी, विनय राहंगडाले,पप्पू मोहारे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि भागवत कथा में शामिल होने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ है। जिस क्षेत्र में भगवान का भजन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन होता है। उस क्षेत्र में हमेशा सुख शांति एवं समृद्धि बनी रहती है पूरे गांव के लोग खुशहाल रहते है। भागवत कथा का श्रवण करने से मृत्यु का भय सदा के लिए समाप्त हो जाता है, जीवन जीने की कला श्रीमद् भागवत कथा सिखाती है भागवत कथा जीवन के सभी दुखों को समाप्त कर देती है। यह कल्पतरु है जो भी इच्क्षा रखकर सुना जाता है उसकी हर मनोकामना अवश्य पूरी होती है। मनुष्य को अच्छे कर्म करना चाहिए मनुष्य जैसे ही कर्म करता है उसे भगवान वैसा ही फल देते है। आप अच्छे कर्म करते जाओ आपको फल देने भगवान बैठा है उसकी नजरों से कोई चूक नहीं सकता।

वारासिवनी के शटलर्स ने सिवनी में गाड़े झंडे राइजिंग शटलर्स कप २०२६ में जीते कई बड़े खिताब

सीनियर डबल्स में रौनक ,मितुल और गर्ल्स सिंगल्स में सोनल करण बनीं चैंपियन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सिविल बैडमिंटन क्लब ने स्थापना के वर्ष से ही निरंतर ३३ वर्षों से बैडमिंटन खेल के माध्यम से नगर में उदयमान खिलाडियों को तराश कर खिलाडियों में सक्षम नेतृत्व क्षमता अनुशासन एवं बंधुत्व की खेल भावना का विकास करते आ रहा है। जिसका परिणाम है कि जबलपुर संस्कारधानी क्षेत्र में नगर के खिलाडियों ने अपना समय समय पर स्पर्धा में नगर एवं बालाघाट जिले का सक्षम कुशल प्रतिनिधित्व करते हुये अपने खेल कौशल के बदौलत प्रतियोगिताओं में अपना परचम लहराया है और उत्कृष्ठ पुरूस्कार प्राप्त कर जिले में नगर के सिविल बैडमिंटन क्लब को गौरवान्वित होने का अवसर प्रदान किया है। स्टेडियम बैडमिंटन हाल में सम्पन शटलर्स क्लब सिवनी के द्वारा राइजिंग शटलर्स कप २०२६ बैडमिंटन स्पर्धा का सफल एक दिवसीय आयोजन संम्पन्न किया गया। जिसमें विभिन्न आयु वर्ग समूहों में बालक एवं बालिकाओं के प्रतिभा को निखारने हेतु सिंगल्स डबल्स एवं मिक्स डबल्स बैडमिंटन प्रतियोगिता के आयोजन में १७० उदयमान प्रतिभा सम्पन्न खिलाडियों ने हिस्सा लेकर अपना अपना खेल कौशल तकनीकी का उत्कृष्ठ प्रदर्शन दोहराया है। जिसमें विभिन्न जिलों से आये चयनीत खिलाडियों में इटारसी, दमोह, सिवनी, बालाघाट का प्रतिनिधित्व स्पर्धा में किया है। खेल खिलाडियों के इस शटलर्स कप २०२६ सिवनी जिले के खेल महाकुम्भ स्पर्धा में वारासिवनी से प्रतिनिधित्व करते हुये अंडर १६ गर्ल्स सिंगल प्रतियोगिता में विजेता कसोनल करण ने जीत का परचम लहराते हुये विजेता का पुरूस्कार जीता है। तो वहीं अंडर १९ बॉयज सिंगल स्पर्धा में मितुल सचदेव उपविजेता का खिताब पर अपना कब्जा जमाने में सफल रहे। अंडर १९ बॉयज डबल्स में फ इनल के महामुकाबले में रौनक रिजवानी एंड पार्टनर मितुल सचदेव ने स्टेडियम बैडमिंटन हाल में अपनी रैकेट शटलकाक का करिश्माई खेल प्रदर्शन के बदौलत अपने प्रतिद्वंदी को पराजित करते हुये शटलर्स कप २०२६ पर विजेता के पुरूस्कार पर अपना कब्जा जमाया है। साथ ही अंडर १६ बायस डबल्स स्पर्धा में उत्कृष्ट खेल के बदौलत चिराग चिमनानी एंड पार्टनर आरव पर्क जायसवाल ने फाइनल मैच में उपविजेता की ट्राफी अपने नाम किया। विभिन्न आयु वर्ग में बॉयज एवं गर्ल्स की टीमों के मध्य रोमांचक प्रतियोगिता में उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले एवं स्पर्धा में वरीयता स्थान प्राप्त खिलाडियों एवं टीमों को आयोजक शटलर्स क्लब के वरिष्ठ खिलाडियों ने उत्साहवर्धन स्परूप घोषित नगद राशि का पुरूस्कार एवं राइजिंग शटलर्स कप २०२६ की ट्राफी उपहार एवं सभी को प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर समापन समारोह अवसर पर पुरूस्कार वितरण कार्यक्रम में सम्मानित किया। वारासिवनी नगर से जिन बैडमिंटन के खिलाडियों ने शटलर्स कप २०२६ सिवनी के स्पर्धा में शामिल होकर सफल प्रतिनिधित्व करते हुये उत्कृष्ठ खेल कौशल तकनीकी का प्रदर्शन करते हुये वरीयता स्थान प्राप्त कर पुरूकृत होने का गौरव हासिल किया है। जिसमें सिविल बैडमिंटन क्लब के टीम मैनेजर एवं कोच गणेश सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में प्रियांश श्रीवास,ईशत उइके, मौलिक देशमुख, चिराग चिमनानी, आरव पर्क जायसवाल, आशुराम रिजवानी, अनमोल आहुजा, रौनक रिजवानी, मितुल सचदेव टीम में शामिल खिडाडीगण रहे है। जिन्होने अपने सर्वोत्तम खेल का प्रदर्शन करते हुये पुरूस्कार अर्जित कर नगरए जिला एवं क्लब को गौरवान्वित होने का सुअवसर प्रदान किया है।

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत 123 बटालियन भरवेली में निकली साइकिल रैली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्वास्थ्य जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 123 बटालियन भरवेली स्थित कैंप परिसर में 'फिट इंडिया मूवमेंट' के तहत भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली में अधिकारियों, जवानों एवं स्थानीय युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर फिटनेस और स्वच्छ पर्यावरण का संदेश दिया। साइकिल रैली का शुभारंभ कमाण्डेंट श्री हजारी लाल एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर कमाण्डेंट श्री हजारी लाल ने कहा कि नियमित साइकिल चलाना शरीर को स्वस्थ रखने का सरल और प्रभावी माध्यम है। इससे हृदय मजबूत होता है, वजन नियंत्रित रहता है तथा मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि साइकिल का उपयोग प्रदूषण कम करने और ईंधन की बचत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने फिटनेस अपनाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित लोगों को प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने एवं नियमित रूप से साइकिल चलाने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जवानों और आम नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा फिट इंडिया अभियान को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर में अखंड रामायण पाठ का आयोजन आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। स्थानीय लालबर्रा रोड़ वार्ड नंबर ६ स्थित सिद्ध प्राचीन स्थल बाबा रामदेव मंदिर परिसर में पवित्र पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर २५ मई को अखंड रामायण महापाठ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पुरुषोत्तम मास में प्रभु भक्ति का विशेष महत्व होता है। इसी कड़ी में रामदेव परिसर के सेवादारों और स्थानीय भक्तों के द्वारा इस धार्मिक अनुष्ठान का बीड़ा उठाया गया है। आयोजन समिति से मिली जानकारी के अनुसार इस महापाठ का शुभारंभ २५ मई को शुक्ल पक्ष गंगा दशमी यानि गंगा दशहरा के शुभ मुहूर्त में दोपहर २ बजे से होगा। संगीतमय धुनों के साथ शुरू होने वाला यह अखंड पाठ अगले २४ घंटे निरंतर चलेगा। जिसका समापन अगले दिन यानी शुक्ल पक्ष एकादशी २६ मई को पूर्णाहूति और महाप्रसादी के साथ किया जाएगा। रामदेव परिसर वार्ड नंबर ६ के आयोजकों ने वारासिवनी सहित आसपास के अंचल के समस्त धर्मप्रेमी जनता और रामभक्तों से अपील की है कि वे इस पवित्र सोपान में सपरिवार उपस्थित होकर प्रभु श्री राम की आराधना करें और पुण्य लाभ अर्जित करें।

आरएसएस-भाजपा और अमेरिका की दासता की ओर बढ़ता भारत

स्वतंत्रता के बाद भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्षता के सिद्धांत पर आधारित थी और वह शीत युद्ध के दोनों प्रमुख पात्रों - अमेरिका और सोवियत संघ - में से किसी के सामने नहीं झुकता था। पाकिस्तान शुरू से ही अमेरिका के इशारों पर नाचता रहा और वहां लोकतंत्र का गला घोंटकर मुस्लिम साम्प्रदायिक राजनीति का बोलबाला स्थापित होने में अमेरिकी राजदूत, मुल्लाओं और सेना की भूमिका सबके सामने साफ थी। आज भी इस्लाम के नाम पर वहां कट्टरपंथियों का बोलबाला है और सेना बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वहां एक के बाद एक सेना के जनरल सत्ता पर काबिज रहे या राजनैतिक मामलों में उनका जबरदस्त हस्तक्षेप रहा। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फील्ड मार्शल आसिफ मुनीर को भोज का आमंत्रण दिए जाने से पाकिस्तान के हालात क्या हैं, यह अच्छे से समझा जा सकता है। वैसे पाकिस्तान की विदेश नीति के अन्य पक्ष भी हैं, लेकिन उसका अमेरिका की ओर झुकाव एकदम स्पष्ट रहा है। मजाक में यह कहा जाता था कि पाकिस्तान पर तीन 'ए' का राज है - अल्लाह, अमेरिकी राजदूत और आर्मी। यह कथन संभवतः अतिशयोक्तिपूर्ण हो लेकिन यह साफ है कि जब समाज में धर्म के नाम पर की जाने वाली राजनीति का बोलबाला हो जाता है, तब वैसे ही हालात बन जाते हैं जैसे हमारे पड़ोसी मुल्क में हैं। भारत किसी भी महाशक्ति के सामने न झुकने की राह पर चला और विभिन्न राष्ट्रों के सहयोग से बहुआयामी विकास करते हुए उसने तकनीकी, औद्योगिक और शिक्षा के क्षेत्र में तरक्की हासिल की। इसका एक उदाहरण है वे पांच आईआईटी, जिनमें से प्रत्येक अलग-अलग बड़े देशों की मदद से बनाए गए थे। भारत महाशक्तियों दबाव के सामने नहीं झुका, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण बांग्लादेश की स्थापना के पहले की घटनाएं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने भारत से कहा कि वह पूर्वी पाकिस्तान के घटनाक्रम में हस्तक्षेप न करे। उस समय पाकिस्तान की सेना वहां कहर ढा रही थी, जिसके नतीजे में बहुत बड़ी संख्या में शरणार्थी भारत आ रहे थे। इंदिरा गांधी ने निर्भीकता का परिचय देते हुए न केवल निक्सन की सलाह मानने से इंकार कर दिया बल्कि सोवियत संघ के साथ 'मैत्री संधि' कर ली और बंगाल में अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े की मौजूदगी के बावजूद भारतीय सेना ने वहां हस्तक्षेप किया और मुक्ति वाहिनी की पूर्वी पाकिस्तान को पश्चिमी पाकिस्तान के चंगुल से मुक्त कराने में मदद की, जो पूर्वी पाकिस्तान में तरह-तरह की ज्यादतियां कर रहा था। यहां तक कि पाकिस्तान की राष्ट्रभाषा उर्दू को पूर्वी पाकिस्तान पर लादने का प्रयास किया जा रहा था। बांग्लाभाषी पूर्वी पाकिस्तान ने बगावत कर दी। भारत ने अमेरिकी धमकियों की परवाह न करते हुए पूर्वी पाकिस्तान की जनता को मुक्ति दिलवाई। लेकिन 2014 के बाद से भारत की विदेश नीति में धीरे-धीरे बदलाव होता गया और उस पर अमेरिका का प्रभुत्व कायम होता गया। भारत, इजराइल के साथ प्रगाढ़ संबंध स्थापित कर रहा है। सत्ता पर काबिज दल की नीतियों के अनुरूप ईरान और फिलीस्तीन से हमारे परंपरागत रिश्तों को कुर्बान कर दिया गया है। आपरेशन सिंदूर में भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच टकराव हुआ। जहां भारत ने दावा किया कि युद्धविराम पाकिस्तान के अनुरोध और दोनों देशों के बीच हुई वार्ताओं की वजह से हुआ, वहीं डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार यह शेखी बघारी कि उनके प्रशासन से आर्थिक मामलों में नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर दोनों देशों के बीच युद्धविराम करवाया।

इबोला का नया वैश्विक खतरा- कोरोना के बाद दुनियाँ फिर एक भयावह स्वास्थ्य संकट की दहलीज पर?

डब्ल्यूएचओ ने पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित किया

वैश्विक स्तरपर कोरोना महामारी के भयावह दौर को दुनियाँ अभी पूरी तरह भूल भी नहीं पाई थी कि एक बार फिर मानव सभ्यता के सामने एक नए वैश्विक स्वास्थ्य संकट की आशंका गहराने लगी है। इस बार खतरे का नाम है,इबोला वायरस।अफ्रीका के डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) और युगांडा में तेजी से फैल रहे इबोला संक्रमण ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों, वैज्ञानिकों और सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने 17 मई 2026 को इसे पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित कर दिया। भारत ने भी अफ्रीका के कुछ हिस्सों में इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप और गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए भारत सरकार और अफ्रीकी संघ ने चौथे भारत- अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन को स्थगित कर दिया है।यह सम्मेलन 28 से 31 मई, 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाला थायह वही श्रेणी है जिसे वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली में सबसे उच्च चेतावनी स्तरों में माना जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि दुनियाँ की चिंता केवल संक्रमण के फैलाव को लेकर नहीं है,बल्कि इस बार सामने आए इबोला के दुर्लभ बुंडीबुग्यो स्ट्रेन को लेकर है, जिसके लिए अभी तक कोई स्वीकृत वैक्सीन या प्रभावी उपचार उपलब्ध नहीं है। यही कारण है कि वैज्ञानिक समुदाय इसे केवल एक क्षेत्रीय बीमारी नहीं, बल्कि संभावित वैश्विक चुनौती के रूप में देख रहा है।डब्ल्यूएचओ प्रेसिडेंट ने चेतावनी देते हुए कहा कि कांगो और युगांडा में संक्रमण की बढ़ती रफ्तार तथा इसका बड़े शहरों तक पहुंचना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंता का विषय है। विशेष रूप से युगांडा की राजधानी कम्पाला जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में संदिग्ध मामलों की उपस्थिति ने इस संकट को और संवेदनशील बना दिया है। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने स्पष्ट किया है कि यह स्थिति अभी महामारी अर्थात पेंडेमिक की श्रेणी में नहीं पहुंची है, लेकिन संक्रमण की प्रकृति और इसकी उच्च मृत्यु दर को देखते हुए वैश्विक स्तर पर अलर्ट जारी किया गया है। कोरोना महामारी के दौरान दुनिया ने यह अनुभव किया था कि यदि किसी संक्रमण को शुरुआती चरण में नियंत्रित नहीं किया जाए तो वह कुछ ही महीनों में संपूर्ण विश्व को अपनी चपेट में ले सकता है। यही कारण है कि इस बार अंतरराष्ट्रीय समुदाय अधिक सटीकता से सतर्क दिखाई दे रहा है। साथियों बात अगर हम इबोला वायरस को समझने की करें तो कोई नया वायरस नहीं है,लेकिन इसका नाम आज भी दुनिया में भय का पर्याय माना जाता हैवैज्ञानिक रूप से इसे इबोला ऑर्थोएबोलावायरस कहा जाता है। इसकी पहचान पहली बार वर्ष 1976 में अफ्रीका के ज़ैरे, जिसे आज डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो कहा जाता है, और सूडान में हुई थी। उस समय यह बीमारी अत्यधिक घातक साबित हुई थी और बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई थी। बाद के वर्षों में भी अफ्रीका के कई देशों में इसके छोटे-बड़े प्रकोप सामने आए, लेकिन वर्ष 2014-16 में पश्चिमी अफ्रीका में फैले इबोला संकट ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया था। उस महामारी में हजारों लोगों की मौत हुई और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य ढांचे की कमजोरियां उजागर हो गई थीं। वर्तमान में फैला बुंडीबुग्यो स्ट्रेन उसी वायरस का एक दुर्लभ रूप है, जो पहले की तुलना में कम ज्ञात है और जिसके उपचार संबंधी संसाधन गंभीरता से बेहद सीमित हैं। साथियों विशेषज्ञों के अनुसार इबोला वायरस मुख्य रूप से संक्रमित जंगली जानवरों से इंसानों में पहुंचता है। विशेष रूप से फ्रूट बैट यानी चमगादड़ों को इसका प्राकृतिक वाहक माना जाता है। इसके बाद यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक तरल पदार्थों जैसे खून, उल्टी, लार, पसीना, वीर्य या मल,के संपर्क में आने से दूसरे लोगों तक फैलता है। यह वायरस हवा के माध्यम से नहीं फैलता, लेकिन संक्रमित व्यक्ति की देखभाल करने वाले परिवार के सदस्य, स्वास्थ्यकर्मी और अंतिम संस्कार से जुड़े लोग सबसे अधिक जोखिम में रहते हैं। यही कारण है कि अफ्रीका के कई ग्रामीण इलाकों में पारंपरिक अंतिम संस्कार प्रथाएं संक्रमण फैलने का प्रमुख कारण बन जाती हैं। दूषित सुई, संक्रमित मेडिकल उपकरण और संक्रमित जंगली जानवरों के मांस के सेवन से भी संक्रमण का खतरा बहुत तेजी के साथ बढ़ जाता है। साथियों इबोला के लक्षण अत्यंत गंभीर और भयावह हो सकते हैं। वायरस के संपर्क में आने के 2 से 21 दिनों के भीतर अचानक तेज बुखार, गंभीर सिरदर्द, अत्यधिक कमजोरी और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। इसके बाद स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। मरीज को उल्टी, दस्त, पेट दर्द, त्वचा पर चकत्ते और लीवर-किडनी संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। गंभीर मामलों में शरीर के अंदरूनी अंगों में रक्तस्राव शुरू हो जाता है तथा मुंह, नाक और मसूड़ों से खून आने लगता है। यही कारण है कि इसे दुनिया के सबसे घातक वायरसों में गिना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विभिन्न स्ट्रेनों में इसकी मृत्यु दर 30 प्रतिशत से लेकर 90 प्रतिशत तक देखी गई है। वर्तमान बुंडीबुग्यो स्ट्रेन में भी मृत्यु दर 30 से 50 प्रतिशत के बीच आंकी जा रही है, जो इसे अत्यंत खतरनाक बनाती है।वर्तमान प्रकोप की सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस बार संक्रमण उन क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहा जहां स्वास्थ्य ढांचा मजबूत निगरानी रख सकता था। कांगो और युगांडा में सैकड़ों संदिग्ध मामले सामने आए हैं और 130 से अधिक मौतों की पुष्टि हो चुकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक आंकड़े इससे कहीं अधिक हो सकते हैं, क्योंकि अफ्रीका के कई दूरदराज इलाकों में मेडिकल रिपोर्टिंग और परीक्षण व्यवस्था अभी भी सीमित है। बड़े शहरों और अंतरराष्ट्रीय यात्रा नेटवर्क से जुड़े क्षेत्रों तक संक्रमण पहुंचना पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन गया है। यदि यह वायरस सीमा पार व्यापक रूप से फैलता है तो अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य व्यवस्था पर भारी दबाव पड़ सकता है। साथियों विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस संकट को लेकर वैश्विक सहयोग और त्वरित निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडहानोम घेब्रेयेसस ने कहा कि दुनिया को इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा, क्योंकि वर्तमान स्ट्रेन के लिए न तो कोई स्वीकृत वैक्सीन उपलब्ध है और न ही कोई सुनिश्चित उपचार। हालांकि कुछ प्रायोगिक दवाओं और वैक्सीन पर शोध चल रहा है, लेकिन अभी वे व्यापक उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं हैं। यह स्थिति कोरोना महामारी के शुरुआती दौर की याद दिलाती है, जब पूरी दुनिया इलाज और वैक्सीन की खोज में जुटी हुई थी। वैज्ञानिक समुदाय का मानना है कि यदि संक्रमण को अभी नियंत्रित नहीं किया गया तो यह वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ी सटीक चुनौती बन सकता है। साथियों, भारत भी इस वैश्विक खतरे को लेकर पूरी तरह सतर्क हो गया है। 21 मई 2026 को भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय और नागरिक उड्डयन अधिकारियों ने एक विस्तृत एडवाइजरी जारी की। इसके तहत कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान जैसे प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की एयरपोर्ट पर विशेष स्क्रीनिंग शुरू कर दी गई है। दिल्ली सहित देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर मेडिकल टीमों को अलर्ट पर रखा गया है। यात्रियों की यात्रा इतिहास की जांच की जा रही है तथा बुखार, उल्टी, मांसपेशियों में दर्द या ब्लीडिंग जैसे लक्षण पाए जाने पर तुरंत स्वास्थ्य डेस्क को सूचित करना अनिवार्य किया गया है। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि प्रभावित देशों से आने वाले लोग यदि 21 दिनों के भीतर किसी भी प्रकार के लक्षण महसूस करें तो तुरंत चिकित्सा सहायता लें और डॉक्टरों को अपनी यात्रा का पूरा विवरण दें। साथियों, भारत सरकार की ओर से केंद्रीय स्वास्थ्यसचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक भीआयोजित की गई, जिसमें सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए। अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड, लैब टेस्टिंग सुविधाओं और आपातकालीन चिकित्सा प्रबंधन की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 22 मई 2026 की रात तक भारत में इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। इसके बावजूद सरकार किसी भी प्रकार की लापरवाही के पक्ष में नहीं है। कोरोना महामारी के अनुभव ने भारत सहित दुनिया को यह सिखाया है कि वैश्विक संक्रमणों के मामले में शुरुआती सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव होती हैवैश्विक स्तर पर इबोला का यह नया संकट केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं है, बल्कि यह सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव भी पैदा कर सकता है। कोरोना महामारी के दौरान दुनिया ने देखा था कि किस प्रकार एक वायरस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को ठप कर दिया,करोड़ों लोगों की नौकरियां चली गईं और स्वास्थ्यप्रणालियां चरमरा गईं। यदि इबोला का वर्तमान प्रकोप अनियंत्रित होता है तो अफ्रीका के कई देशों में मानवीय संकट गहरा सकता है। वहां पहले से मौजूद गरीबी, कमजोर स्वास्थ्य सेवाएं, राजनीतिक अस्थिरता और सीमित संसाधन इस चुनौती को और गंभीर बना सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह समय प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि सहयोग का है। साथियों, विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन जंगलों की कटाई और मानव गतिविधियों का विस्तार ऐसे वायरसों के उभरने की संभावना बढ़ा रहा है। जब इंसान जंगली क्षेत्रों में अधिक हस्तक्षेप करता है तो वन्यजीवों से इंसानों में संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। कोरोना, निपाह, सार्स और अब इबोला जैसे वायरस इसी व्यापक पारिस्थितिक असंतुलन की ओर संकेत करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि भविष्य की महामारियों को रोकने के लिए केवल चिकित्सा समाधान पर्याप्त नहीं होंगे, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव संतुलन पर भी गंभीरता से काम करना होगा।अभी पूरी दुनिया के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह कोरोना महामारी से मिले सबक को कितनी गंभीरता से लागू करती है। इबोला का यह प्रकोप अभी सीमित क्षेत्रों में है, लेकिन इसकी घातक प्रकृति इसे अत्यंत संवेदनशील बना देती है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

भगवान राम के ध्यान से बीमारी पर जीत हासिल कर लेंगे

-संजय गोस्वामी

बीमारी मुख्य रूप से अपच, नींद न आने और एंग्जायटी की वजह से होती है, और बीमारी के बारे में चिंता करने से यह और बढ़ जाती है। जब आपको नींद न आए तो बैठकर गाना गाएं। बस बैठकर भगवान राम का ध्यान अपने विचारों को बिना उनसे इंटरैक्ट किए देखने से मन शांत होता है। आखिर, आपके मन में जो विचार हैं, वे आपके ही हैं। आप उनसे कब तक डरेंगे? अपने विचारों को, चाहे वे कितने भी डरावने क्यों न हों, बार-बार शांत और न्यूट्रल मन से देखने से उनकी इंटेंसिटी कम हो जाती है। अपने मन के साथ खुद को मिलाने और खुद के साथ शांति पाने का यही एकमात्र तरीका है। अगर आप अपने मन से दोस्ती कर लेते हैं, तो आप अपनी आधी बीमारी और दुख पर जीत हासिल कर लेंगे। भगवान ने आपको ऐसा शरीर दिया है जिसमें बीमारी अपने आप ठीक हो जाती है। बीमारी के बारे में सोचना, बार-बार उसके बारे में बात करना और उससे डरना उसे और बढ़ाता है। जीने के ये नए तरीके आपकी पर्सनैलिटी के डेवलपमेंट के लिए फायदेमंद होंगे। होम्योपैथी, एलोपैथी वगैरह से ज़्यादा फ़ायदेमंद है बीमारी की चिंता न करना। बीमारी की चिंता करने से वह और बढ़ती है। इलाज ढूंढना होगा। कुछ लोग, अपने नाज़ुक स्वभाव के बावजूद, बीमार रहना चाहते हैं। यह उनके लिए गर्व की बात है। ऐसे लोगों से हमेशा बचें। उनके संपर्क में आने से मनगढ़ंत बीमारियाँ होती हैं। किसी खास व्यक्ति की बीमारी के लक्षणों पर ध्यान देना, या यह सोचना कि आपको वह बीमारी हो रही है, एक बड़ी गलती है। अगर आप डॉक्टर नहीं हैं, तो बीमारियों के बारे में डिटेल में जानकारी हासिल करने की कोशिश न करें, क्योंकि उनके बारे में जानकर आप अपने मन में भी बीमारी के बारे में गलत सोच बना सकते हैं। ऐसे डॉक्टर से बचें जो बीमारी को बहुत खराब बताकर उसे लाइलाज जैसा बना दे। कुछ काम ऐसे होंगे जिनसे आपको डर लगेगा, कुछ चीज़ें जो आपने पहले कभी नहीं की होंगी; उन्हें एक्सप्लोर करें। जब आप ज़िंदगी में मुश्किलों का सामना करते हैं, तो आप अपने डर पर काबू पाने लगते हैं, और इससे आपको आगे बढ़ने में मदद मिलती है। आपको एक गंभीर बीमारी है; आपका इलाज करना मुश्किल है—ऐसी बातें अक्सर बिना सोचे-समझे डॉक्टर कहते हैं। अपनी तुलना किसी बीमार व्यक्ति से न करें; हेल्दी लोगों से प्रेरणा लें। हर किसी की हालत अलग होती है। उम्मीद, विश्वास और पक्की इच्छाशक्ति से गंभीर बीमारियाँ भी ठीक हो सकती हैं। इसलिए, नेगेटिव सोच बिल्कुल भी मंज़ूर नहीं है। अपनी रिकवरी और हेल्दी रहने पर पक्का विश्वास रखें। ज़िंदगी में विश्वास, जोश और भरोसा इंसान को हमेशा जवान बनाए रखता है। बीमार सोच में जीने से बीमारी और बढ़ती है। अपनी ताकत पर काम करें। कुछ ऐसी घटनाएँ होती हैं जो हमारी ज़िंदगी पर असर डालती हैं, जिससे हम सखूत हो जाते हैं। यह हमें अपने अनुभव को बढ़ाने और अपनी सोच की रुकावटों को दूर करने से रोकता है। एक मुमकिन हल यह है कि इन खराब सोच और पहले से बनी सोच को छोड़ दें और हालात को बड़े नज़रिए से देखें। अपने दिमाग की खिड़कियाँ खोलें और ज्ञान की रोशनी को अंदर आने दें। मुश्किल बीमारियों के दर्द और तकलीफ़ को कम करने के लिए म्यूज़िक और गाने एक असरदार इलाज हो सकते हैं। भगवान राम और न्यूरॉन्स के बीच का कनेक्शन पुरानी हिंदू धर्म की कहानियों को मॉडर्न न्यूरोसाइंस से जोड़ता है। रामायण को अक्सर एक न्यूरोलॉजिकल रूपक माना जाता है, जहाँ कहानियाँ दिमाग के प्रोसेस को दिखाती हैं, और माना जाता है कि राम का नाम लेने से नर्वस सिस्टम स्टिमुलेट होता है और मन की शांति मिलती है। इस कनेक्शन को समझने से माइथोलॉजी, हेल्थ और फिलॉसफी के बीच लिंक जुड़ता है- 1. ब्रेन मेटाफर के तौर पर रामायण वैदिक फिजियोलॉजी की कुछ व्याख्याओं में, रामायण की कहानी और किरदारों को इंसानी नर्वस सिस्टम का सिंबॉलिक रिप्रेजेंटेशन माना जाता है- भगवान राम- नियोकॉर्टिक्स में मुख्य कंट्रोल सेंटर, खासकर सोमैटोसेंसरी और मोटर एरिया को दिखाते हैं। ये एरिया हमारी पूरी फिजियोलॉजी को देखते हैं और दुनिया के प्रति हमारे रिस्पॉन्स को कोऑर्डिनेट करते हैं। 14 साल का वनवास- नर्वस सिस्टम के डेवलपमेंट के सफर को दिखाता है, जहाँ समय के साथ नए रास्ते, स्किल और कनेक्शन (न्यूरल प्लास्टिसिटी) धीरे-धीरे बनते और मजबूत होते हैं। 2. मंत्र पढ़ने के न्यूरोलॉजिकल फायदे कई स्पिरिचुअल गुरु और अल्टरनेटिव मेडिसिन के सपोर्टर राम मंत्र पढ़ने के कॉग्निटिव और साइकोलॉजिकल फायदों पर ज़ोर देते हैं। वाइब्रेशनल असर- माना जाता है कि मंत्र पढ़ने की रिदमिक साउंड खास न्यूरल वाइब्रेशन पैदा करती है जो ओवरएक्टिव दिमाग को शांत करने में मदद कर सकती है। मेंटल फोकस- मेडिटेटिव मंत्र पढ़ने से पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम एक्टिवेट होता है, जो स्ट्रेस, एंग्जायटी और डिप्रेशन के लक्षणों को कम करने में मदद करता है। 3. लीडरशिप और सहानुभूति के गहरे सबक- मन के असली कामों के अलावा, भगवान राम को हिंदू पौराणिक कथाओं में इमोशनल इंटेलिजेंस, सहानुभूति और मेंटल कंट्रोल (मर्यादा पुरुषोत्तम) का प्रतीक माना जाता है। फैसले लेने की उनकी क्षमता मुश्किल हालात में राम के समझदारी भरे और दयालु कामों को लाइफ कोच और आध्यात्मिक गुरु एक बैलेंस्ड और मज़बूत सोच बनाने के मॉडल के तौर पर स्टडी करते हैं। राम सिर्फ़ हथियारों से आगे बढ़कर नर्वस सिस्टम का एक सिंबॉलिक रिप्रेजेंटेशन बन जाते हैं। यह सिंबॉलिज़्म इस बात की बारीकियों को दिखाता है कि हमारे शरीर में जानकारी कैसे प्रोसेस और ट्रांसमिट होती है। इसके अलावा, सरयू नदी अयोध्या शहर की सीमा पर बहती है, और मिडिल ब्रेन पाथ नहीं के कॉन्सेप्ट से जुड़ा है। राम के तीर, जो हमेशा उनके तरकश में लौट आते थे, नर्वस सिस्टम जैसा एक मैकेनिज्म दिखाते हैं, जो सेंट्रल नर्वस सिस्टम को खास एनवायरनमेंटल एक्टिविटी के बारे में बताते हैं। राम के तीरों में खास सेंसरी स्पिंडल फाइबर पाए जाते हैं, जो मसल्स टेंशन के बारे में जानकारी वापस ब्रेन तक पहुंचाने में मदद करते हैं और लगातार रिन्यू होते रहते हैं, जो नर्व सेल की खुद को रिन्यू करने और सेलुलर लेवल पर बार-बार इम्पल्स ट्रांसमिट करने की क्षमता को दिखाते हैं। रामायण में, राक्षसों को नेगेटिव या नुकसान पहुंचाने वाली ताकतों से जोड़ा गया है। फिजियोलॉजी में, राक्षसों को उन गड़बड़ी या स्ट्रेस से जोड़ा गया है जो बीमारी या डिसफंक्शन का कारण बनते हैं। सभी फिजियोलॉजिकल एक्टिविटी को नेचुरल नियमों के साथ तालमेल में वापस लाया जा सकता है। शरीर के लेवल पर यह पूरी जागृति मन के पूरे विकास, अच्छी सेहत, समझदारी और जीवन में परफेक्शन की ओर ले जाती है। रामायण की कहानी भगवान राम के बारे में है, जो कमियों को ठीक करते हैं और पॉजिटिविटी, तालमेल, बैलेंस और वह सब कुछ बनाए रखते हैं जो अच्छा है, जैसे राक्षसों का नाश करना और ऋषियों को मजबूत बनाना और उनकी काम करने की क्षमता में सुधार करना ताकि जीवन प्रकृति के नियमों के अनुसार जिया जा सके। राम का अयोध्या लौटना जीवन के सभी पहलुओं में परफेक्शन की वापसी का प्रतीक है। राम का राज, जिसे राम राज्य के नाम से जाना जाता है, हर इंसान के जीवन में परफेक्शन के आने से मेल खाता है, जो उनके दिमाग में उनकी जगह और बाकी शरीर के बीच बनाए गए कनेक्शन पर आधारित है। एक परफेक्शन भरी ज़िंदगी में, ये कनेक्शन पूरी तरह से एक्टिवेट होते हैं, जिससे दिमाग का पूरा विकास होता है, और सभी सिस्टम और अंग, जिसमें दिल भी शामिल है, जिसे सीता के तौर पर दिखाया गया है, बैलेंस में काम करते हैं। यह कनेक्शन पुरानी कहानियों को इंसान के दिमाग की बनावट से जोड़ता है, जो कहानी कहने और साइंटिफिक समझ के बीच तालमेल दिखाता है। आखिरकार, इस आर्टिकल में रामायण की खोज एक ऐसा नज़रिया देती है जो किसी खास धर्म, जाति या विश्वास से कहीं आगे है। रामायण सिर्फ़ एक पौराणिक किताब नहीं है जो किसी खास कल्चरल या धार्मिक संदर्भ से जुड़ी हो; बल्कि, यह कुदरत के नियम का एक यूनिवर्सल उदाहरण है।

मातृ वंदना और रुबेला टीकाकरण से बदलती भारत की नई पीढ़ी की तस्वीर

भारत में बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में पिछले कुछ वर्षों में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। कुपोषण कम करने स्वस्थ गर्भावस्था सुनिश्चित करने और नवजात बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। हाल ही में सामने आई रिपोर्टों ने यह साबित किया है कि सही नीति मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था और जागरूकता के जरिए बच्चों के भविष्य को सुरक्षित बनाया जा सकता है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और खसरा रुबेला टीकाकरण अभियान इसी बदलाव के सबसे बड़े उदाहरण बनकर उभरे हैं।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता देकर उन्हें बेहतर पोषण और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था। वर्ष 2010 में शुरू हुई इस योजना ने धीरे धीरे देश की लाखों महिलाओं और बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया। रिपोर्ट के अनुसार इस योजना के कारण बच्चों के औसत वजन में 130 से 165 ग्राम तक वृद्धि दर्ज की गई है जबकि उनकी लंबाई में भी 0.22 से 0.46 सेंटीमीटर तक सुधार हुआ है। पहली नजर में यह आंकड़े छोटे लग सकते हैं लेकिन चिकित्सा विज्ञान के अनुसार नवजात बच्चों के लिए यह बदलाव बहुत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। जन्म के समय वजन और लंबाई में सुधार भविष्य में बच्चों की शारीरिक और मानसिक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करता है।

आसियटन के इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा तैयार रिपोर्ट में बताया गया है कि इस योजना ने महिलाओं के खानपान और स्वास्थ्य व्यवहार में बड़ा परिवर्तन किया। गर्भवती महिलाओं को मिलने वाली आर्थिक सहायता ने उन्हें पौष्टिक भोजन लेने में मदद की। इससे महिलाओं की कमजोरी कम हुई और बच्चों को जन्म से पहले ही बेहतर पोषण मिल सका। यह योजना दुनिया की सबसे बड़ी कैश ट्रांसफर योजनाओं में शामिल है जो सीधे गर्भवती महिलाओं को लाभ पहुंचाती है।

रिपोर्ट में वर्ष 2005 से 2021 तक के नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के आंकड़ों और 96 हजार से अधिक बच्चों के जन्म से जुड़े डाटा का अध्ययन किया गया। इस अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि योजना के कारण गरीब परिवारों की महिलाओं की आर्थिक स्थिति में भी सुधार हुआ। पहले जहां 1400 रुपए से कम सहायता पाने वाली महिलाओं की संख्या बहुत अधिक थी वहीं अब बड़ी संख्या में महिलाएं अधिक सहायता प्राप्त कर रही हैं। इससे उनके भोजन और देखभाल की स्थिति बेहतर हुई।

गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार का सीधा असर बच्चों पर दिखाई दिया। छह से तेईस माह तक के बच्चों में दूध दही अंडे मांस मछली और फल सब्जियों के सेवन का प्रतिशत बढ़ा है। यह बदलाव इस बात का संकेत है कि परिवारों में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ी है। बच्चों के शरीर और मस्तिष्क के विकास के लिए संतुलित भोजन बेहद जरूरी होता है और यही कारण है कि अब बच्चों की वृद्धि में सुधार देखने को मिल रहा है।

योजना का एक बड़ा प्रभाव गर्भावस्था की देखभाल में भी दिखाई दिया। पहले कई महिलाएं समय पर पंजीकरण नहीं करवाती थीं और अस्पतालों में नियमित जांच से दूर रहती थीं। अब गर्भ पंजीकरण का प्रतिशत 93 से बढ़कर 97 तक पहुंच गया है। इससे डॉक्टरों को समय रहते गर्भवती महिलाओं की स्थिति पर नजर रखने का मौका मिला। कई जटिलताओं का इलाज समय पर संभव हुआ और मातृ मृत्यु दर में कमी लाने में मदद मिली।

बच्चों के टीकाकरण में भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। पूर्ण टीकाकरण का प्रतिशत 70 से बढ़कर 82 तक पहुंच गया। यह बदलाव इस बात का प्रमाण है कि सरकारी स्वास्थ्य योजनाएं अब गांव और दूरदराज क्षेत्रों तक पहुंच रही हैं। टीकाकरण केवल एक इंजेक्शन नहीं बल्कि बच्चे को भविष्य की गंभीर बीमारियों से बचाने का सुरक्षा कवच है।

इसी कड़ी में खसरा रुबेला टीकाकरण अभियान ने भी बड़ी सफलता हासिल की है। रुबेला एक ऐसी बीमारी है जो गर्भवती महिलाओं को संक्रमित करने पर नवजात बच्चों में गंभीर जन्मजात विकृतियां पैदा कर सकती है। इससे बच्चों में हृदय रोग आंखों की कमजोरी सुनने की समस्या और मानसिक विकास में बाधा जैसी स्थितियां पैदा हो सकती हैं। कई मामलों में बच्चों की मौत भी हो जाती है।

वर्ष 2017 में देश में हर दस हजार बच्चों में औसतन 5.2 बच्चे जन्मजात रुबेला सिंड्रोम से प्रभावित पाए जाते थे। लेकिन वर्ष 2025 तक यह आंकड़ा घटकर केवल 0.78 प्रति दस हजार रह गया है। यह उपलब्धि भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान सहित देश के कई बड़े चिकित्सा संस्थानों ने इसका श्रेय खसरा रुबेला टीकाकरण अभियान को दिया है।

भारत में एक समय ऐसा था जब दुनिया के कुल जन्मजात रुबेला सिंड्रोम मामलों में 38 प्रतिशत मामले अकेले भारत में पाए जाते थे। हर वर्ष लगभग 40 हजार बच्चे इस बीमारी के कारण विकृति या मौत का शिकार हो रहे थे। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए सरकार ने वर्ष 2026 तक इस बीमारी के उन्मूलन का लक्ष्य तय किया। इसके लिए वर्ष 2016 से देशभर में निगरानी और टीकाकरण अभियान शुरू किया गया।

नौ माह से चौदह वर्ष तक के बच्चों को इस अभियान में शामिल किया गया। वर्ष 2017 से 2025 के बीच टीकाकरण का प्रतिशत केवल छह प्रतिशत से बढ़कर 89 प्रतिशत तक पहुंच गया। यह बदलाव भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था और जनजागरूकता दोनों की सफलता को दर्शाता है। गांव गांव में स्वास्थ्यकर्मियों ने जाकर बच्चों को टीके लगाए और अभिभावकों को इसके महत्व के बारे में समझाया। वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययन में वर्ष 2016 से 2025 तक के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें 895 मामलों की जांच की गई जिनमें 58 प्रतिशत बच्चों में जन्मजात रुबेला सिंड्रोम की पुष्टि हुई। इनमें से 32 प्रतिशत बच्चों की एक वर्ष के भीतर मृत्यु हो गई। अधिकांश बच्चों में हृदय संबंधी रोग पाए गए जबकि कई बच्चों में सुनने और देखने की क्षमता प्रभावित हुई। इन आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया कि रुबेला जैसी बीमारी को हल्के में नहीं लिया जा सकता।

विशेषज्ञों का मानना है कि टीकाकरण के साथ साथ निगरानी भी बेहद जरूरी है। कई बार शुरुआती लक्षण सामान्य दिखाई देते हैं लेकिन समय रहते पहचान होने पर बच्चों का इलाज संभव हो जाता है। यही कारण है कि सरकार अब संदिग्ध मामलों पर लगातार नजर बनाए रखने पर जोर दे रही है।

भारत की इन उपलब्धियों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अब देश केवल बीमारी का इलाज करने पर नहीं बल्कि बीमारी को रोकने पर भी ध्यान दे रहा है। मातृ वंदना योजना ने जहां गर्भवती महिलाओं को आर्थिक और पोषण सहायता देकर स्वस्थ पीढ़ी की नींव मजबूत की वहीं रुबेला टीकाकरण अभियान ने बच्चों को गंभीर जन्मजात बीमारियों से बचाने का रास्ता तैयार किया।

आज भारत दुनिया के सामने यह उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है कि मजबूत इच्छाशक्ति सही योजना और जनभागीदारी के जरिए बड़े स्वास्थ्य संकटों पर विजय पाई जा सकती है। यदि इसी तरह स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होता रहा और लोगों में जागरूकता बढ़ती रही तो आने वाले वर्षों में भारत कुपोषण और जन्मजात बीमारियों के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल कर सकता है। स्वस्थ मां और स्वस्थ बच्चा ही किसी भी राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत आधारशिला होते हैं।

-कांतिलाल मांडोत

इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर। एजेंसी। ताजा पूछपरख व ट्रक भाड़ों में वृद्धि के मद्देनजर आलौच्य सप्ताह के दौरान दलहनों में चना उछला। अन्य दलहनों में बाजार तेजी के रहे। खाद्य तेलों में सुर्खी बनी। तिलहनों में सोयाबीन व सरसो बाजार चढ़े। किराना जिंसों में जीरा व कालीमिर्च में बढ़त रही।

किराना- शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। लग्नसरा में कमी से माँग प्रभावित रही। शक्कर में तेजी जोर पकड़ने लगी है। ट्रक भाड़े में वृद्धि के मद्देनजर बाजार में तेजी है। शक्कर में बाजार 4180-4240 रू. से बड़कर 4220-4240 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। खोपरा गोला 390-420 रू. प्रति किलो पर मजबूत देखे गये। कालीमिर्च में एटम क्वालिटी माल 770-800 रू. प्रति किलो पर आ गये। जीरे में पूछपरख से बाजार 280-285 रू. प्रति किलो पर आ गये। बादाम गिरी में आयातित मालों की मजबूती से बाजार चढ़ गये। बादाम मगज में अच्छे माल 950-1000 रू. प्रति किलो पर आ गये। तरबूज मगज में बाजार 490-500 रू. से बड़कर 525-550 रू. प्रति किलो को छू गये। नारियलों में बाजार माँग के अभाव में घटाकर बोले गये।

तेल तिलहन- आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार सामान्य रहा। आयातित मालों में आयी तेजी के मद्देनजर खाद्य तेलों में बाजार बड़त पर देखे गये। आलौच्य सप्ताह के दौरान सींगदाना तेल इंदौर लाईन पर 1580-1600 से बड़कर 1620-1640 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। सोया व कपास्या तेलों में रिफाइंड माल 1485-1490 रू. प्रति 10 किलो से बड़कर 1500-1520 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। तिलहनों में सोयाबीन में बाजार 100-200 रू. प्रति क्विंटल तक की तेजी से 7200-7400 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। सरसो व रायडे में बाजार 300-500 रू; प्रति क्विंटल तक की बड़त दिखा गये।

दाल दलहन- समीक्षा सप्ताह के दौरान दाल दलहनों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। चने व अन्य दलहनों में डीजल की मूल्यवृद्धि का असर दिखने लगा है। चने में बीते सप्ताह के दौरान 200-300 रू; प्रति क्विंटल तक की तेजी आयी और चना बढ़िया मालों में 5800-5825 रू. प्रति क्विंटल से बड़कर 6100-6150 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। तुअर, उड़द व मूंग में भी बाजार 100-200 रू. प्रति क्विंटल तक सुधर गये। दलहनों की तेजी का असर दालों पर भी रहा। दालों में भी कीमतें बड़त पर रही।

कपास आयात शुल्क हटाने पर सरकार गंभीर

नई दिल्ली। एजेंसी। कच्चे कपास के आयात पर लगने वाले 11 प्रतिशत सीमा शुल्क को हटाने की मांग पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस संबंध में विभिन्न मंत्रालयों के बीच परामर्श अंतिम चरण में है, जिससे घरेलू कपड़ा उद्योग को बढ़ती लागत के बोझ से राहत मिलने की उम्मीद है। अधिकारी ने बताया कि वित्त मंत्रालय, कपड़ा मंत्रालय और कृषि मंत्रालय इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर गहन चर्चा कर रहे हैं। घरेलू कपड़ा उद्योग लंबे समय से आयात शुल्क हटाने की मांग कर रहा है ताकि कपास की बढ़ती कीमतों से उद्योग पर बढ़ रहे लागत के बोझ को कम किया जा सके। अधिकारी ने संकेत दिया कि परामर्श प्रक्रिया काफी आगे बढ़ चुकी है और निकट भविष्य में इस पर अंतिम निर्णय होने की प्रबल संभावना है। हाल ही में परिधान उद्योग और निर्यातकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन तथा कई केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर इस शुल्क को हटाने की जोरदार मांग उठाई थी। उद्योग के अनुसार चालू वर्ष में कपास की अनुमानित आवश्यकता लगभग 337 लाख गांठ (एक गांठ 170 किलोग्राम) है, जबकि 2025-26 सत्र में आवक केवल 292.15 लाख गांठ रहने का अनुमान है। यह लगभग 45 लाख गांठ का बड़ा मांग-आपूर्ति अंतर पैदा कर रहा है, जिससे स्पिनिंग मिलों और अन्य कपड़ा निर्माताओं पर दबाव बढ़ रहा है और उच्च गुणवत्ता वाले कच्चे माल की उपलब्धता सीमित होने के कारण उत्पादन लागत लगातार बढ़ रही है।

सोना 3 लाख तो चांदी 5 लाख रुपए के जा सकती है पार, बढ़ी टेंशन

नई दिल्ली। एजेंसी। 'रिच डैड पुअर डैड' के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने एक बार फिर से गोल्ड और सिल्वर की कीमतों को लेकर भविष्यवाणी की है। साथ ही उन्होंने शेयर बाजार में आने वाले समय में भारी गिरावट की बात कही है, जिसकी वजह से चर्चाओं का बाजार गर्म है। सोशल मीडिया पोस्ट में रॉबर्ट कियोसाकी ने लिखा- दिग्गज मार्केट विश्लेषक जिम रिकार्ड्स का मानना है कि गोल्ड का रेट 1000 डॉलर प्रति आउंस तक पहुंच सकता है। वहीं, चांदी का रेट 200 डॉलर प्रति आउंस तक पहुंच सकता है। इस समय सोने का रेट 4500 डॉलर प्रति आउंस है। वहीं, चांदी का रेट 75 डॉलर प्रति आउंस है यानी घरेलू बाजार में सोने का रेट 300000 रुपए और चांदी का रेट 500000 रुपए के पार जा सकता है।

ईंधन की कीमतों में जारी तेजी की वजह से दुनिया भर में महंगाई बढ़ गई है, जिसका असर वहां के शेयर बाजारों पर भी दिख रहा है। वैश्विक अस्थिरता की वजह से शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। भारतीय शेयर बाजार में इससे अछूता नहीं है। रॉबर्ट कियोसाकी अपने पोस्ट में लिखते हैं कि अच्छे निवेशक भविष्य को देख लेते हैं और उसी हिसाब से एक्शन लेते हैं।

रॉबर्ट कियोसाकी की नई भविष्यवाणी की वजह से एक बार फिर से टेंशन बढ़ गई है। इस बात की बहस छिड़ गई है कि क्या आने वाले समय में एक बार फिर से दुनिया मंदी की ओर बढ़ रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को सर्राफा बाजार में 24 कैरेट गोल्ड का रेट 158117 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 23 कैरेट गोल्ड का रेट 157484 रुपए, 22 कैरेट गोल्ड का रेट 144835 रुपए, 18 कैरेट गोल्ड का रेट 118588 रुपए और 14 कैरेट गोल्ड का रेट 92498 रुपए प्रति 10 ग्राम था। वहीं, चांदी का रेट शुक्रवार की शाम को 266000 रुपए था। बता दें शनिवार और रविवार को छुट्टी की वजह से नई कीमतें जारी नहीं की गई हैं। बता दें पीएम मोदी ने लोगों से एक साल तक सोना ना खरीदने की अपील की है। अपील के बाद ही गोल्ड और सिल्वर की इंपोर्ट ड्यूटी को 6 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया गया है।

वैश्विक कारकों और घरेलू उद्योग के आंकड़ों पर निर्भर करेगी शेयर बाजार की चाल

मुंबई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद इस सप्ताह में निवेशकों की नजर प्रमुख वैश्विक कारकों और घरेलू उद्योग के आंकड़ों पर टिकी रहेगी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर हर दिन आ रहे अलग-अलग बयानों से बाजार में जारी अनिश्चितता और उतार-चढ़ाव प्रमुख कारक होंगे। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में काफी उथापटक देखने को मिली, जहां एक दिन बाजार में तेजी दर्ज हुई तो अगले ही दिन वह फिसलता दिखा। यह रुझान मुख्य रूप से अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर आ रहे परस्पर विरोधी बयानों के कारण रहा, जिसने निवेशकों के सेंटिमेंट को प्रभावित किया। इस सप्ताह में भी इन वैश्विक घटनाक्रमों पर बाजार की पैनी नजर रहेगी, क्योंकि भू-राजनीतिक खबरें बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगी। घरेलू मोर्चे पर अप्रैल माह के औद्योगिक उत्पादन

(आईआईपी) के आंकड़े सप्ताह के दौरान जारी होने हैं। ये आंकड़े देश की आर्थिक गतिविधियों और औद्योगिक वृद्धि की तस्वीर पेश करेंगे, जिसका सीधा असर निवेश धारणा पर पड़ सकता है। यदि आंकड़े उम्मीद से बेहतर रहे तो बाजार को गति मिल सकती है, अन्यथा नकारात्मक प्रभाव भी संभव है। इसके अलावा कुछ दिग्गज कंपनियों, जैसे ओएनजीसी और इंडिगो, के वित्तीय परिणाम भी सामने आने वाले हैं। इन परिणामों से कंपनियों के प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं को लेकर तस्वीर साफ होगी, जो बाजार के सेंटिमेंट को प्रभावित कर सकती है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा समय में बाजार का सेंटिमेंट धीरे-धीरे सुधर रहा है और निवेशक हर गिरावट को खरीदारी के अवसर के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, उन्होंने ट्रेडर्स को सलाह दी है कि वे इस सप्ताह बेहद चुनिंदा शेयरों में ही हाथ डालें और जोखिम प्रबंधन का पूरा ध्यान रखें। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार पूरी तरह से वैश्विक खबरों और भू-राजनीतिक गतिविधियों के अनुसार चल रहा है, इसलिए अत्यधिक सावधानी बरतना और अच्छी तरह से सोच-समझकर निवेश करना बेहद आवश्यक है।

आईटीआर फाइलिंग में एआई की एंट्री, जरा सी चूक भी बुला सकती है मुसीबत

नई दिल्ली। एजेंसी। आयकर विभाग ने आईटीआर फाइलिंग की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ऑटोमैटिक डेटा मैचिंग सिस्टम को लागू कर दिया है। इसका सीधा मकसद हर आय और लेन-देन पर बारीकी से नजर रखना है। ऐसे में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए ITR भरते समय की गई कोई भी छोटी चूक आपको टैक्स नोटिस का शिकार बना सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि एआईएस (एनुअल इंफारमेंशन स्टेटमेंट) को ध्यान से

जांचना अब बेहद जरूरी है। इसमें आपकी सैलरी, बैंक ब्याज, निवेश, प्रॉपर्टी और टीडीएस की पूरी जानकारी होती है। इसे फॉर्म 16, फॉर्म 26एएस, बैंक स्टेटमेंट जैसे अपने अन्य दस्तावेजों से मिलाकर ही आईटीआर फाइल करें। एआईएस और आपके आईटीआर में थोड़ा भी अंतर पाए जाने पर विभाग तुरंत नोटिस भेज सकता है। सैलरी का गलत विवरण, बैंक ब्याज छिपाना या टीडीएस का गलत दावा आम गलतियां हैं। शेयर, म्यूचुअल फंड या प्रॉपर्टी बिक्री से हुए कैपिटल गेन को सही दिखाना अनिवार्य है। कारोबारियों के लिए जीएसटी रिटर्न और आईटीआर आंकड़ों का मिलान महत्वपूर्ण है, एआई सिस्टम किसी भी विसंगति को तुरंत पकड़ेगा। इसलिए हर जानकारी सटीक व स्पष्ट दें।

आरबीआई की रिपोर्ट ने कच्चे तेल की चुनौती के बीच थोक कीमतों में तेज उछाल पर चेताया

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अर्थव्यवस्था की स्थिति पर अपनी नवीनतम मासिक रिपोर्ट में पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बाद कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी बढ़ोतरी को भारतीय अर्थव्यवस्था के बाहरी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में रेखांकित किया है। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि हेडलाइन मुद्रास्फीति दर भले ही अभी निर्धारित दायरे में हो, लेकिन तेल की बढ़ती कीमतों के घरेलू प्रभाव पर लगातार नजर रखना आवश्यक है। हालांकि भारत ने इस चरण में वृहद आर्थिक मजबूती के साथ प्रवेश किया है और घरेलू मांग वृद्धि का मुख्य चालक बनी हुई है, लेकिन आपूर्ति-पक्ष के दबाव के कारण निकट-अवधि का परिदृश्य कुछ हद तक धुंधला नजर आ रहा है। यह चुनौती बाहरी मोर्चे पर विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहां वित्तीय हालात, कच्चे तेल की कीमतें और पूंजी का प्रवाह देश के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारत ने इस चरण में वृहद आर्थिक मजबूती के साथ प्रवेश किया है, जिसमें घरेलू मांग वृद्धि का मुख्य चालक बनी हुई है। हालांकि, आपूर्ति-पक्ष के दबाव के कारण निकट-अवधि का आर्थिक परिदृश्य कुछ हद तक धुंधला नजर आ रहा है। अप्रैल में कुछ आर्थिक संकेतकों में गिरावट के बावजूद, कुल मिलाकर आर्थिक गतिविधियों में मजबूती बनी रही। यह संकेत देता है कि घरेलू अर्थव्यवस्था बाहरी झटकों का सामना करने में सक्षम है, लेकिन सतर्कता जरूरी है। कच्चे तेल का बढ़ता बोझ- ब्रेंट क्रूड की कीमतें घटकर 100.71 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई हैं, लेकिन यह अभी भी फरवरी के अंत में पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने से पहले के स्तर से करीब 36.3 प्रतिशत ज्यादा है। रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया है कि वित्तीय हालात, कच्चे तेल की कीमतें और पूंजी का प्रवाह बाहरी क्षेत्र के लिए लगातार चुनौतियां बने हुए हैं। वैश्विक तेल और गैस की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के परिणामस्वरूप भारतीय क्रूड बास्केट की कीमतें ऊंची बनी रहीं, जिससे तेल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) को भारी घाटा उठाना पड़ा।

मेष- आज किस्मत आपके व्यापार और धन के दरवाजे खोलती नजर आ रही है। आमदनी बढ़ने से मन खुश रहेगा और लंबे समय से अटका पैसा भी अचानक वापस मिल सकता है। यदि खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण रखेंगे, तो आर्थिक स्थिति और मजबूत बनेगी। आज लोग आपकी मदद के लिए खुद आगे आएंगे। संतान की सफलता आपका सिर गर्व से ऊंचा कर देगी। पिता की कोई बात थोड़ी कड़वी लग सकती है, लेकिन उसके पीछे छिपी चिंता और प्यार को समझने की कोशिश करें।

वृषभ- आज का दिन नए अवसरों और आर्थिक तरक्की का संकेत दे रहा है। आय बढ़ने के योग हैं और कार्यक्षेत्र में आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। विद्यार्थियों के लिए दिन बेहद शानदार रहेगा। मेहनत का परिणाम उम्मीद से बेहतर मिलेगा। बॉस के साथ हल्की बहस हो सकती है, लेकिन साथी कर्मचारी आपका पूरा साथ देंगे।

मिथुन- आज आपका मन आराम, स्वादिष्ट भोजन और सुकून भरे पलों में डूबा रहेगा। सरकारी कामों में थोड़ी रुकावट आ सकती है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई बड़ा फैसला आज आपके पक्ष में जा सकता है। ध्यान रखें, निजी बातों में किसी अनजान व्यक्ति की राय लेना नुकसान करा सकता है। माता-पिता के साथ बिताया गया समय आपके दिल को शांति देगा। धार्मिक माहौल और भक्ति में भी मन खूब लगेगा।

कर्क- आज सितारे आपको एक ही संदेश दे रहे हैं। अपनी सेहत को नजरअंदाज मत कीजिए। कामकाज में कुछ चुनौतियां आएंगी, लेकिन आपका धैर्य आपको संभाल लेगा। नौकरी बदलने का विचार कर रहे लोगों को बेहतर अवसर मिल सकता है। संतान के भविष्य को लेकर कोई महत्वपूर्ण योजना बन सकती है। जीवनसाथी के साथ बिताया गया समय रिश्तों में मिठास और अपनापन बढ़ाएगा।

सिंह- आज का दिन नई शुरुआत और जीत का एहसास कराने वाला है। धन और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। कानूनी मामलों में फैसला आपके पक्ष में आ सकता है, जिससे राहत मिलेगी। प्रॉपर्टी से जुड़े लोगों के लिए दिन बेहद लाभकारी साबित हो सकता है। आपके भीतर कुछ बड़ा और अलग करने की आग दिखाई देगी। बस दूसरों की निजी बातों में दखल देने से बचें, वरना बेवजह विवाद खड़ा हो सकता है।

कन्या- आज व्यापार में थोड़ी उठा-पटक देखने को मिल सकती है। किसी सहयोगी की बात दिल को चुभ सकती है, लेकिन गुस्से की बजाय समझदारी से काम लें। पिता द्वारा दी गई जिम्मेदारी आपके भविष्य के लिए अहम साबित हो सकती है। पारिवारिक मामलों में संतुलन बनाकर चलना जरूरी होगा। अच्छी बात यह है कि मेहनत आखिरकार आपको सफलता जरूर दिलाएगी।

तुला- आज का दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण रह सकता है। किसी काम में उम्मीद के मुताबिक परिणाम न मिलने से मन उदास हो सकता है। जल्दबाजी में किया गया निवेश नुकसान दे सकता है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठाएं। कार्यक्षेत्र में बदलाव की जरूरत महसूस होगी। संतान की सेहत को लेकर चिंता बढ़ सकती है। किसी अजनबी पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करना भारी पड़ सकता है।

वृश्चिक- आज खुशियों की हल्की-हल्की बारिश आपके मन को तरोताजा कर देगी। कुछ नया करने की प्रेरणा मिलेगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा। पुरानी गलतियों से मिली सीख आज आपके बहुत काम आएगी। सेहत के मामले में लापरवाही न करें। किसी दूर के रिश्तेदार से जुड़ी खबर मन थोड़ा भारी कर सकती है, लेकिन वैवाहिक जीवन में चल रही परेशानियाँ धीरे-धीरे खत्म होंगी। बिजनेस में बदलाव के लिए यह समय बेहद अनुकूल है।

धनु- आज मन किसी अनजानी चिंता में उलझा रह सकता है। संतान पक्ष से जुड़ी कोई बात आपको परेशान कर सकती है। जल्दबाजी में लिए गए फैसले नुकसान करा सकते हैं, इसलिए धैर्य ही आपकी सबसे बड़ी ताकत रहेगा। विद्यार्थियों को मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। नया वाहन खरीदने का सपना भी पूरा हो सकता है।

मकर- आज का दिन सुख-सुविधाओं और नए अवसरों से भरा रहेगा। नौकरी बदलने का सोच रहे लोगों के लिए समय अनुकूल है। काम के सिलसिले में यात्रा के योग बन रहे हैं। कानूनी मामलों को लेकर चिंता हो सकती है, इसलिए अनुभवी सलाह लेना बेहतर रहेगा। घर की जरूरतों पर खर्च बढ़ेगा, लेकिन इससे परिवार में आराम और खुशहाली आएगी।

कुंभ- आज मन थोड़ा उलझा हुआ रह सकता है और आत्मविश्वास भी कमजोर महसूस होगा। किसी काम को लेकर यदि दिल पूरी तरह तैयार नहीं है, तो जल्दबाजी में कदम न उठाएं। माता जी की सेहत को लेकर चिंता और खर्च दोनों बढ़ सकते हैं। धीरे-धीरे आपकी लाइफस्टाइल बेहतर होती नजर आएगी। लंबे समय से रुका काम पूरा होने से राहत मिलेगी।

मीन- आज का दिन भागदौड़ और जिम्मेदारियों से भरा रहेगा। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करना रिश्तों में दूरी बढ़ा सकता है, इसलिए खुद को शांत रखें। परिवार में यदि कोई विवाद हो, तो आपकी समझदारी माहौल को संभाल सकती है। व्यवसाय को लेकर मन में चिंता बनी रहेगी, लेकिन किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके लिए रास्ता आसान कर देगी।

शब्दजाल - 8269

दि	क	प्र	ग	बै	शी	ल	ब	ना	क	म
ती	ल	ती	ति	रा	क	क्रां	ति	ग	कृ	धु
क्षा	ज	दि	त	ग	ल	प्र	छ	ति	आ	म
ख	क	क	या	ज	रा	पु	मि	ल	न	ति
प	जो	क	का	द	ग	म	अ	प्र	तू	ग
झ	क	ग	प्र	ल	र्द	ह	औ	पू	ना	ण
घ	को	ती	न	षी	म	लि	जा	र	व	क
दे	व	दा	स	तै	ई	धा	या	क	श्या	लो
श	प	श	बा	हि	प्र	ई	क	प्र	री	म
प	जा	ही	र	न	या	दौ	र	र्त	ऐ	ता
प	प्र	द	क	प्र	प्र	है	या	रा	बा	प्र

शब्द जाल में दिलीप कुमार की 10 फिल्मों नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

मिलन, नया दौर, जोगन, शहीद, देवदास, मधुमति, दिल दिया दर्द लिया, राम और श्याम, बैराग, क्रांति.

शब्दजाल - 8268 का हल

शा	स	दी	जॉ	न	अ	ब्रा	ह	म	ल्ली	क
ग	ह	ह	ग	ला	अ	जै	जी	ग	झ	क
स	क	रु	म	ह	झ	की	ना	ण	घ	को
ल	इ	ल	ख	हैं	प	श्रॉ	ला	र	ला	ब
मा	श्क	ल	प	ख्ना	रा	फ	गी	ण	ग	म
न	दा	ल	श	सं	न	ही	रं	व	ला	स
वि	वे	क	ओ	बे	रॉ	य	दे	या	ज	श्री
अ	मि	ता	भ	ला	गु	य	रा	य	प	दे
ऋ	र	ल	प	व	ज	ना	ल	ओ	के	ओ
के	ति	ल	प	अ	या	दि	ख्य	ब	स	ल
ज	जं	क	प	ख	सं	ज	य	द	त्त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7213

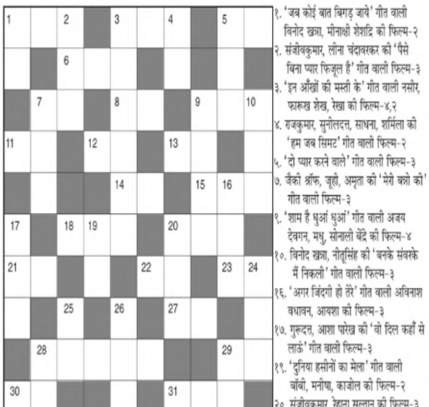

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवालों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7212

ख	दे	श	■	स	ड़	क	■	आ	ह
गं	■	श	हु	ल	■	स	र	ग	म
■	बॉ	बी	■	मा	लि	क	■	■	जो
अ	क्स	■	डॉ	न	■	■	जं	ग	ली
ध	र	ती	■	खा	मो	शी	■	र्व	■
मं	■	स	■	न	■	बा	जी	■	का
■	क	री	ना	■	प	■	त	ला	श
स	■	क	■	सू	र	ज	■	वा	■
प	ड़ो	स	न	■	वा	■	बा	रि	श
ने	■	म	■	गु	ना	ह	■	स	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

25 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

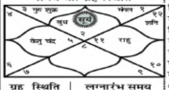

सोमवार 2026 वर्ष का 145 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 05.11 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 04.09 बजे रात्र को समाप्त।
योग वज्र 03.15 बजे रात्र को समाप्त।
करण तैतिल 16.47 बजे तदनन्तर गर 05.11 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 8.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 55'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872720
जूलियन दिन 2461185.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज **तारीख** 08
विशेष गंगा दशहरा।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.42 बजे से
चंद्र	सिंह में	कर्क	08.55 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	11.11 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.23 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.34 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.49 ब.से
शनि	मीन में	धनु	20.05 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	22.10 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.56 बजे से
राहुकाल		मीन	01.29 बजे से
7.30 से 9.00		मेष	03.00 बजे से
बजे तक		वृष	04.40 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः चमत्कारी पौधा

एक थका-हारा भिखारी एक गांव में आया। उसने दो दिन से कुछ नहीं खाया था। पेट में बैठी भूख ने उसको एक सुझाव दिया। भिखारी को जो भी आदमी मिलता उसके कान में कहता- मैं एक ऐसे चमत्कारी पौधे के बारे जानता हूं जो ऐसे आदमी में भी जान डाल सकता है तो कब्र में जाने ही वाला हो। मैं उसका रहस्य आपको बता सकता हूं। एक अमीर आदमी से जब उसने यह बात कही तो उसने उसे अपने घर पर बुलाया। उसको बढ़िया खाना खिलाया। जब खाना पूरा हो गया तो अमीर आदमी ने उसको वायदे की याद दिलाई। मेहमान बने भिखारी ने कहा, आइए मेरे साथ। वह पौधा आपके इस गांव में ही है। वे दोनों साथ-साथ निकले। जब गांव के कुछ ही बाहर निकले तो भिखारी ने उस आदमी को धान के खेत की ओर इशारा किया- यह रहा वह चमत्कारी पौधा। अमीर आदमी ने पूछा- क्या? धान? तुम मजाक कर रहे हो क्या? नहीं, बिल्कुल नहीं। अगर आपके घर मैंने अभी धान नहीं खाया होता तो मैं अब तक मर गया होता। भिखारी ने अपनी बात समझाई। अमीर आदमी उसकी चालाकी पर गुस्साया तो वह धूर्त भाग खड़ हुआ।

सूडोकु नवताल- 7522

★ ☆ ☆ ☆ ☆ सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7521 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

शब्द पहेली - 8737

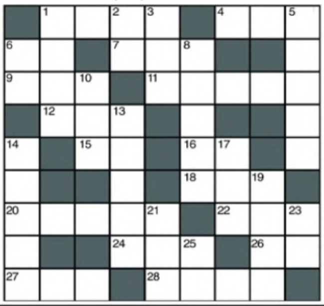

बाएँ से दाएँ

1. अचंभा, आश्चर्य-4
3. अच्छी रुचि, कलात्मक रुचि-3
6. पिता के छोटे भाई, काका-2
7. माह, मास-3
9. धावक(अंग्रेजी-3)
11. नया जीवन, उद्धार होना-5
12. लक्ष्मी, धन की देवी-3
15. बुरी आदत-2
16. पैर, पाँव-2
18. देवमुनि, देवर्षि-3
20. शिकायत करना-5
22. रनिवास-3
24. बेकार, आंवारा-3
26. छोटा टुकड़ा-2
27. अभिनय, कथा मंचन-3
28. सुगंध फैलाना-4

ऊपर से नीचे

1. सहसा, अकस्मात-4
2. एक प्रकार की शराब-2
3. प्रतिभाशाली-3
5. मननशील-5
6. चतुर्थ-2
8. नाव खेना-2,3
10. पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
13. पैर मारना-5
14. मन की इच्छा-5
17. प्रकार-3
19. टूटना, बिखरना-4
21. पराजित होना, हारना-3
23. चालीस किलो के वजन को यह भी कहते हैं-2
25. पथ, रास्ता, मार्ग-2

शब्द पहेली -8736 का हल

अ	च	क	न	■	■	आ	ब	रू
जू	■	■	थ	र	दा	न	■	ख
बा	ल	■	■	बा	दा	■	■	सा
■	ल	त	■	ना	■	म	ग	र
■	का	र	ण	■	क	ल	फ	■
ह	र	फ	■	आ	■	बा	ल	■
वा	■	■	दा	बा	■	■	त	ह
ला	■	रा	ह	ज	नी	■	■	व
त	मी	ज	■	■	र	स	खा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी नीमटोला में प्रधानमंत्री आवास योजना में अनियमितता

10-12 साल से भटक रहे गरीब, अमीरों को मिल रहा मकान

पद्मेश न्यूज। लांजी।

प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य उन गरीब परिवारों को पक्की छत देना था जिनकी जिंदगी बारिश में टपकती छतों, कच्ची दीवारों और बदहाल झोपडियों के बीच गुजरती है। लेकिन नगर परिषद लांजी के नीमटोला वार्ड क्रमांक 14 और 15 में इस योजना की तस्वीर कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। यहां वर्षों से कच्चे और जर्जर मकानों में रहने वाले गरीब परिवार 10 से 12 सालों से आवेदन पर आवेदन करते घूम रहे हैं, जबकि दूसरी ओर कई ऐसे लोगों को योजना का लाभ मिल चुका है जो बड़े शहरों में ठेकेदारी करते हैं, जीएसटी और आयकर रिटर्न भरते हैं, कई एकड़ जमीन के मालिक हैं और आलीशान भवनों में रह रहे हैं। ऐसे में अब वार्डवासियों का सवाल सीधा है -आखिर गरीब अपात्र कैसे और करोड़ों के मालिक पात्र कैसे बन गए ? नगर परिषद लांजी अंतर्गत आने वाले नीमटोला वार्ड क्रमांक 14 और 15 में लगभग एक दर्जन परिवार आज भी प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ के लिए दर.दर भटक रहे हैं। लोगों का कहना है कि वे वर्षों से नगर परिषद के चक्कर काट रहे हैंए आवेदन कर रहे हैंए दस्तावेज जमा कर रहे हैं, लेकिन हर बार किसी न किसी कारण से उन्हें अपात्र घोषित कर दिया जाता है। इससे अब लोगों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। वार्डवासियों का कहना है की जब जीएसटी और आयकर भरने वाले, बड़े शहरों में ठेकेदारी करने वाले और कई एकड़ जमीन के मालिक पात्र' बन सकते हैं, तो बारिश में टपकती झोपडियों में रहने वाले गरीब आखिर किस कसौटी पर अपात्र साबित हो रहे हैं ?

बरसात आते ही घर बन जाते हैं तालाब, फिर भी नहीं सुन रहा परिषद

वार्ड क्रमांक 14 निवासी सुनील मुसकोसरे का कहना है कि उनका मकान बारिश के समय सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। सडक का पानी सीधे घर में घुस जाता है, दीवारें भीग जाती हैं और परिवार को पूरी रात जागकर गुजारनी पड़ती है। कई बार आवेदन देने के बावजूद आज तक उन्हें आवास योजना का लाभ नहीं मिला। वहीं आशाराम पाड़े आज भी छोटी सी झोपड़ी में रहने को मजबूर हैं। उनका कहना है कि वे पिछले दस-बारह वर्षों से आवेदन करते आ रहे हैं लेकिन हर बार किसी न किसी कारण से नाम काट दिया जाता है। इसी तरह गायत्रीबाई नेवारे का आवेदन भी वर्षों से लंबित पड़ा है। संजय कुमार भंडारकर का मकान पूरी तरह जर्जर हो चुका है। बरसात के मौसम में उनके परिवार के सामने जान का खतरा बना रहता है। रूपचंद नेवारे ने छह से सात बार आवेदन कियाए लेकिन हर बार उन्हें निराशा ही हाथ लगी। राजेंद्र सोनवाने का दर्द भी कम नहीं है। उनका कहना है कि उनके भाई दादन सोनवाने का आवास स्वीकृत हो गया, लेकिन वे स्वयं आज तक योजना से वंचित हैं। परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है और पति मजदूरी के लिए बाहर गया हुआ है।

वोट चाहिए तो हम पात्र, मकान चाहिए तो अपात्र

वार्डवासियों का कहना है कि उनके पास राशन कार्ड है, वे मकान टैक्स भरते हैं, चुनाव के समय वोटर सूची में उनका नाम रहता है, लेकिन जब प्रधानमंत्री आवास योजना की पात्रता तय होती है तो ऑनलाइन प्रक्रिया में उन्हें अपात्र घोषित कर दिया जाता है। लोगों का कहना है कि यदि दस्तावेजों में त्रुटियां हैं तो नगर परिषद और जिम्मेदार अधिकारी स्वयं शिविर लगाकर उन्हें सुधारें और जरूरतमंदों को योजना का लाभ दिलाएं। क्योंकि योजनाएं गरीबों के लिए बनाई जाती हैं, उन्हें तकनीकी उलझनों में फंसाने के लिए नहीं। आखिर शासन की योजनाएं जनता के लिए हैं या केवल कागजी प्रक्रिया के लिए ?

पात्रता सूची पर उठ रहे गंभीर सवाल

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नीमटोला क्षेत्र में ऐसे कई लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला है जिनकी आर्थिक स्थिति किसी भी सामान्य गरीब परिवार से कहीं अधिक मजबूत बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि हैदराबाद में ठेकेदारी कार्य करने वाले दशरूलाल बड़घैया के पास लगभग 10 एकड़ जमीन है और वे जीएसटी व आयकर दोनों भरते हैं। ताराचंद पाड़े के पास लगभग 6 एकड़ जमीन, बोरवेल और तीन मंजिला भवन होने के बावजूद उन्हें योजना का लाभ मिला। रामचंद संतुकलाल पाड़े पर आरोप है कि वे करोड़ों का बंगला निर्माण करा रहे हैं, लगभग 20 एकड़ जमीन के मालिक हैं और चेन्नई में ठेकेदारी करते हैं, फिर भी प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ ले चुके हैं। इसी तरह मीरा बड़घैया के परिवार के सदस्य मुंबई में ठेकेदारी कार्य करते हैं और लगभग 25 एकड़ जमीन होने के बावजूद उन्हें भी योजना का लाभ मिल चुका है। इन नामों के सामने आने के बाद अब नगर परिषद की पात्रता जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। लोग पूछ रहे हैं कि जब आर्थिक रूप से संपन्न और व्यवस्थित लोग योजना के लाभार्थी बन सकते हैं तो वर्षों से जर्जर घरों में रहने वाले गरीब आखिर किस गलती की सजा भुगत रहे हैं?

ऑनलाइन आवेदन करें, दस्तावेज सही होंगे तो जरूर मिलेगा लाभ- सीएमओ वाहने

इस मामले में नगर परिषद लांजी के सीएमओ मयूर वाहने ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना का नया संस्करण 2.0 शुरू हो चुका है और अब पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है। हितग्राही किसी भी एमपी ऑनलाइन या सीएससी सेंटर से आवेदन कर सकते हैं, जिसके बाद नगर परिषद स्तर पर दस्तावेजों की जांच होती है। उन्होंने कहा कि हितग्राही के पास भूमि से संबंधित वैध दस्तावेज और स्वयं की भूमि होना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि जो लोग अब तक योजना से वंचित हैं, वे जल्द आवेदन करें, जांच उपरांत पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिया जाएगा।

एन.सी.सी. का संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-97 हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। बालाघाट (गोंगलई) में चल रहा एन.सी.सी. का दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी-97) रविवार 24 मई को पूरे उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। शिविर के सफल आयोजन में जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग का विशेष सहयोग रहा। शिविर के समापन अवसर पर कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि एनसीसी युवाओं में एकता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, चरित्र निर्माण एवं धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण का विकास करती है। उन्होंने सभी कैडेट्स को अपने दैनिक जीवन में अनुशासन एवं राष्ट्रीय एकता के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस शिविर के सफल संचालन में जिला कलेक्टर मृणाल मीणा, सहायक आयुक्त श्रीमती शकुंतला डामोर, ट्राइबल विभाग तथा प्राचार्य शासकीय कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट (गोंगलई) का विशेष योगदान रहा। शिविर हेतु 10 दिनों तक कन्या शिक्षा परिसर उपलब्ध कराया गया। शिविर के दौरान कैडेट्स को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा फायरिंग अभ्यास के लिए पुलिस बस उपलब्ध कराई गई। वहीं प्रात:कालीन योग सत्र में तनु काटेकर द्वारा योग प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त एसडीआरएफ टीम द्वारा आपदा प्रबंधन, एनपीसीआईएल टीम द्वारा परमाणु ऊर्जा, बैंकिंग जागरूकता तथा मेडिकल क्षेत्र में प्राथमिक उपचार संबंधी विशेष व्याख्यान आयोजित किए गए। शिविर में बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा एवं पांढुर्णा जिले के कुल 466 एनसीसी कैडेट्स ने सहभागिता की। शिविर को सफल बनाने में मेजर हेमंत कुमार मंडाले (कैंप एडजुटेंट), कैप्टन राजेन्द्र सिंह कुसराम, लेफ्टिनेंट गजानन कटरे, द्वितीय एनसीसी अधिकारी कल्पना थोंबरे, संदीप रामटेकर, अभिजीत महोबे, विश्वेश्वर रंगारे, नवीता मैथ्यू, सूबेदार तरसेम सिंह, हवलदार किरण कुमार, निमा संगी तमांग, रसपाल सिंह, रामदेव, नायक रजनीश कुमार एवं विनय कुमार सहित समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रेत अभाव से परेशान लांजी-रात्रि में हो रहा अवैध उत्खनन, दुर्घटनाएं हुई आम

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में इन दिनों वैध रेत उपलब्ध नहीं होने से आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घर निर्माण, शासकीय कार्य एवं निजी निर्माण कार्य रेत के अभाव में प्रभावित हो रहे हैं। दूसरी ओर रेत की कमी का फायदा उठाकर अवैध उत्खनन और चोरी का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है, जिससे शासन को लाखों करोड़ो रुपये के राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

कई निर्माण कार्य रूके

जानकारी के अनुसार क्षेत्र के कई निर्माण कार्य रुकने की कगार पर पहुंच गए हैं। लोगों का कहना है कि वैध रूप से रेत नहीं मिलने के कारण उन्हें मजबूरी में महंगे दामों पर रेत खरीदनी पड़ रही है। कई स्थानों पर ट्रैक्टर और डंपरों के माध्यम से रात के समय अवैध रेत परिवहन किए जाने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं।

ग्रामीणों एवं निर्माण कार्य से जुड़े लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन द्वारा जल्द वैध रेत खदानों का संचालन शुरू नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। ग्रामीण जनों को अपने आशियाने बनाने के लिये रेत की आवश्यकता है लेकिन अवैध रेत के कारोबार के चलते ट्रेक्टरो से भी रेत लेना भारी पड़ रहा है। ग्रामीण जनों ने सरकार से पूछा है कि यह कैसी व्यवस्था है जो कई महिनों से वैध रूप से रेत का संचालन नही करा पा रही है जिसके चलते अवैध रेत चोरी का कारोबार धडल्ले से फल फुल रहा है। रेता माफिया इस समय का जमकर फायदा उठा रहे और लाभ कमा रहे है जबकि यदि सरकार समय पर वैद्य रूप से रेत का संचालन प्रारंभ कर दे तो निश्चित रूप से सरकार को लाखों करोड़ो रूपये का फयादा होगा और आम जन को महंगे दामो मे रेत नही खरीदना होगा। वहीं अवैध उत्खनन से नदी-नालों के पर्यावरण पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में वैध रेत उपलब्ध कराई जाए तथा अवैध रेत उत्खनन और परिवहन पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके और शासन को हो रहे राजस्व नुकसान पर रोक लगाई जा सके।

महाराष्ट्र से आ रहे रेत के डंपर

लांजी क्षेत्र में वैध रूप से रेत नही मिलने का फायदा अब महाराष्ट्र से रेत का कारोबार कर उठाया जा रहा है। प्राप्त सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार लांजी के पडोंसी राज्य आमगांव महाराष्ट्र की ओर से रोजाना बहेला क्षेत्र, भाडरा अंचल सहित लांजी क्षेत्र के अनेको ग्रामों में रेत से भरे डंपर देखे जा सकते है। अब यह डंपर किसके संरक्षण में चल रहे है यह तो जांच का विषय है लेकिन हजारों रूपये खर्च कर निर्माण कार्य करवाने वाले डंपरो से रेत बुलवा रहे है। दिन दहाड़े रेत से भरे डंपर देखे गये है तो रात्रि में और भी ज्यादा यह कारोबार फल फुल रहा होगा। इस संबध में पुलिस एवं खनिज विभाग को जांच कर इन रेत से भरे डंपरो पर कार्यवाही करनी चाहिये। क्यों कि यह रेत माफिया बडी मात्रा में मध्यप्रदेश शासन को लाखों रूपये का राजस्व का चुना लगा रहे है।

क्षेत्र के रेत घाटों से भी रात्रि मे चोरी- अंधाधुंध ट्रैक्टरों की रफतार कर रही दुर्घटनाऐं

जहां महाराष्ट्र से डंपरो से रेत का अवैध परिवहन हो रहा है वहीं लांजी क्षेत्र के कई रेत घाटों से रेत माफियाओं के द्वारा अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रेत चोरी की जा रही है नतीजन क्षेत्र में सड? दुर्घटनाऐ भी बढ रही है रेत माफियाओं को घाट से रेत निकालने और गंतव्यो तक पंहुचने में इतनी जल्दी रहती है कि वे यह नही देखते की हम रास्ते मे चल रहे जो आ रहा है उसके टक्कर मारते या कुचलते हुये आगे बढ जाते है हाल ही में मोहारा के पास घटना भी सामने आई थी जहा रेत से भरे ट्रेक्टर ने एक परिवार से उसकी खुशियॉ छीन ली। क्योंकि अवैध रूप से रेत का संचालन हो रहा था तो स्वाभाविक था उसे कही पंहुचने की जल्दी होगी यदि वैद्य रूप से रेत का संचालन होता तो यह कारोबार दिन मे चलते रहता और शायद इतनी बडी दुर्घटना से बचा जा सकता था। सरकार और जिले के अधिकारी इस विषय पर ध्यान देवे और अवैध रेत के कारोबार को पूर्णत= बंद कराया जाये तथा जल्द से जल्द वैद्य रेत का संचालन किया जाये।

संडे ऑन साइकिल डे पर खिलाड़ियों ने दिया फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रविवार 24 मई की सुबह हॉकी मध्य प्रदेश के निर्देशन एवं हॉकी बालाघाट के तत्वावधान में संडे ऑन साइकिल डे कार्यक्रम का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हॉकी एवं बास्केटबॉल खिलाड़ियों सहित खेल प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए फिटनेस, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। आयोजित इस विशेष साइकिल रैली में खिलाड़ियों ने नगर के विभिन्न मार्गों पर साइकिल चलाकर लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक करना, नियमित व्यायाम के लिए प्रेरित करना तथा प्रदूषण मुक्त वातावरण के लिए साइकिल उपयोग को बढ़ावा देना रहा।कार्यक्रम में हॉकी बालाघाट के पदाधिकारी राजेश सेवईवार, विनोद साव, रमेश इंगले, रमेश ऊके, कोच सलीना अली सहित बड़ी संख्या में हॉकी एवं बास्केटबॉल खिलाड़ी मौजूद रहे। सभी प्रतिभागियों ने नियमित रूप से खेल एवं फिटनेस गतिविधियों को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

मोबाइल और डिजिटल दुनिया से दूर रहकर फिटनेस गतिविधियों से जुड़े युवा-वर्मा

हॉकी मध्य प्रदेश के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट विजय वर्मा ने औपचारिक चर्चा बताया कि वर्तमान समय में युवाओं को मोबाइल और डिजिटल दुनिया से बाहर निकलकर खेल और फिटनेस गतिविधियों से जुड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि साइकिलिंग शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस तरह के आयोजन युवाओं में अनुशासन, ऊर्जा और सकारात्मक सोच विकसित करने में सहायक होते हैं।

दिव्य प्रवचन एवं रसमय संकीर्तन आज से

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर शहर में सात दिवसीय दिव्य प्रवचन एवं रसमय संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन विश्व के पांचवें मूल जगत गुरू श्री कृपालु जी महाराज की कृपा पात्र बृज किन्नरी देवी जी के सानिध्य में संपन्न होगा। कार्यक्रम 25 से 31 मई तक प्रतिदिन शाम साढ़े सात बजे से रात्रि साढ़े नौ बजे तक आयोजित किया जाएगा। आयोजन स्थल नया राम मंदिर परिसर गोंदिया रोड बालाघाट निर्धारित किया गया है। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में श्रद्धालुओं को भक्ति, ज्ञान एवं संकीर्तन के माध्यम से आध्यात्मिक संदेश प्रदान किए जाएंगे। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की आशंका है। इस धार्मिक आयोजन का संचालन समस्त नगरवासी द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर शहर में उत्साह का माहौल बना हुआ है। आयोजकों ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भीषण गर्मी में पेड़ से गिरकर मरे करीब दर्जन भर चमगादड़, मोती गार्डन का मामला

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में पिछले15 दिनों से भीषण गर्मी पड़ रही है।जिससे दिनों दिन तापमान में लगातार उछाल देखा जा रहा है।लगातार बढ़ते जा रहे इसी तापमान ने जिलेवासियों को हलाकान कर रखा है।जिसके चलते लोग अब रात दिन कूलर और पंखे के बिना नहीं रह रहे हैं। अब दिन और रात दोनों गर्म होने लगे हैं।जहा आग उगलती सूरज की किरणों और उमस भरी चिलचिलाती धूप के बीच अब 25 मई से नौतपा भी शुरु हो रहा है।जो 2 जून तक देखने को मिलेगा। मौसम विभाग द्वारा इस नौतपा में तापमान बढ़ने के संकेत दिए गए है।वही इस नौतपा में अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के आसपास बने रहने की संभावना व्यक्ति की गई है।हालांकि 9 दिनों तक चलने वाले इस नौतपा में 7 दिन बाद अगले रविवार से तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक कमी आने की सम्भावना जताई है।

43 डिग्री पर पहुँचा तापमान

एक बार फिर तापमान में आए उछाल के बीच रविवार को पूरा दिन उमस भरी चिलचिलाती धूप देखी गई।जहा गर्म हवाओं के बीच शहर का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि न्यूनतम तापमान 29डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा।लगातार बढ़ते जा रहे इस तापमान के चलते जिले भर मे भीषण गर्मी पड़ रही है।वही मौसम विभाग ने नौतपा तक मौसम के कुछ इसी तरह बने रहने की बात कहते हुए मध्य नौतपा के बाद इस भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिलने संभावना जताई जा रही है

भीषण गर्मी से मोती गार्डन में हुई चमगादड़ों की मौत

उधर नौतपा के पूर्व ही भीषण गर्मी का प्रकोप पूरे जिले में दिख रहा है।जिससे ना केवल मनुष्य बल्कि जीव जंतु व पशु-पक्षी भी प्रभावित होते दिखाई दे रहे है।रविवार 24 मई की सुबह इस भीषण गर्मी के दौरान नगर के मोती गार्डन परिसर में जगह जगह मरी हुई चमगादड़े दिखाई दी।बताया गया कि भीषण गर्मी, लू, उमस और चिलचिलाती धूप के थपेड़ों के कारण चमगादड़ पेड़ से नीचे गिर गए और उनकी मौत हो गई।जहा करीब एक दर्जन चमगादड़ों की मौत होने से स्थानीय लोग सकते में आ गए।उधर इतनी अधिक संख्या में एक साथ हुई चमगादड़ों की मौत की सूचना मिलने पर पशु विभाग द्वारा चमगादड़ के अवशेषों को एकत्र कर जांच कराने की बात कही गई है।विभाग इस बात का पता लगा रहा है कि आखिर इन चमगादड़ों की मौत भीषण गर्मी की वजह से हुई है।या फिर इनकी मौत की वजह कुछ और ही है।

क्या है नौतपा

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार परिक्रमा के दौरान जब पृथ्वी घूमते हुए सूर्य के मध्य भाग में आती है।जब सूर्य कर्क रेखा के पास पहुंच जाता है तब वह 90 डिग्री की पोजीशन में होता है।सूर्य और पृथ्वी की दूरी कम होने की वजह से सूर्य की किरणें सीधी पृथ्वी पर पड़ती हैं। इसी कारण तापमान बढ़ जाता है।जिससे मई माह में दिन बड़े होते हैं और रेडिएशन भी ज्यादा हो जाता है। यही वजह है कि पृथ्वी इन दिनों भट्टी की तरह तपती है।पृथ्वी के तपने के कारण ही नौतपा में लोगों को भीषण गर्मी का एहसास होता है।जिसका शुरुवाती असर पिछले कुछ दिनों से नौतपा लगने से पूर्व ही स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है ।

2 मई तक रहेगा नौतपा

आज 25 मई से ही नौतपे की शुरुवात हो रही है।जिसका साफ असर जिले भर में देखा जा रहा है। सूर्य की किरणें आग उगलने लगी है। तेज तपिश व चिलचिलाती धूप से दोपहर के समय लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। मई माह के अंतिम पखवाड़े में उमस काफी बढ़ गई है। दोपहर के समय शरीर को जलाने वाली धूप तप रही है। जिससे मौसमी बीमारी का खतरा भी बढ़ गया है। मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में भी दोपहर के समय लोग घरों में दुबक कर रहने को मजबूर हैं और सड़कों पर सन्नाटा नजर आ रहा है।अतिआवश्यक काम होने पर ही लोग दोपहर के समय पूरा शरीर ढंककर ही घर से निकल रहे है तेज धूप व उमस के चलते बुखार, दस्त, आंखों में जलन एवं लू लगने की शिकायतो को लेकर मरीज जिला अस्पताल आने लगे है।

शाम को रहती है बाजारों में रौनक

इन दिनों मौसम का मिजाज इतना गर्म हो गया है कि सुबह 11 बजे से धूप तेज लगने लगती है। जिससे लोग दोपहर में घर से नहीं निकल रहे है।इससे बाजारों में भी दोपहर के समय सन्नाटा सा रहता है। वही नगर की सड़कें वीरान नजर आ रही है।मौसम ठंडा होने पर शाम के समय बस स्टैंड ,बाजारों व अन्य सार्वजनिक जगहों में लोगों की भीड़ अधिक देखी जा रही है।

शीतल पेय की बढ़ी मांग

गर्मी व धूप तेज होने से शीतल पेय की मांग काफी बढ़ गई है। बाजारों में गन्ना रस, जूस, नींबू पानी शरबत, लस्सी एवं कोलड्रिंक्स की दुकानों में ग्राहकों की भीड़ लगी रहती है। शीतल पेय की मांग बढ़ने से जगह-जगह गन्ना रस व आइसक्रीम के ठेले दिखाई दे रहे हैं।

चिकित्सकों ने जारी की एडवाइजरी

इस पूरे मामले को लेकर दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान जिला अस्पताल सिविल सर्जन डॉ निलय जैन ने बताया कि हर किसी को धूप से बचने का प्रयास करना चाहिए ,जितना अधिक हो सके पानी का सेवन करें ,धूप में कम निकले अति आवश्यक काम होने पर ही घर से बाहर जाएं लेकिन गमछा या रुमाल से अपने सर को ढक कर रखें। उन्होंने आगे बताया कि गर्मी के दिनों में अक्सर मरीजों की संख्या अधिक बढ़ जाती है। गर्मी में आपचन की समस्या अधिक बढ़ जाती है इसीलिए अधिक से अधिक पानी का सेवन करे, शरीर में पानी की कमी नहीं होने दे, वही धूप से अपने आप को बचाने का प्रयास करे। स्वास्थ्य सम्बधित समस्या होने पर जल्द ही नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र व अस्पताल जाकर चिकित्सको दिखाए। जितना हो सके धूप से बचकर रहे।

हाईकोर्ट में होने जा रहा बड़ा न्यायिक फेरबदल?

-चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा के सुप्रीम कोर्ट जाने की चर्चा

-बढ़ सकती है महिला जजों की संख्या

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में आने वाले समय में बड़ा न्यायिक फेरबदल देखने को मिल सकता है। न्यायिक और कानूनी हलकों में चर्चा है कि हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा का नाम सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति के लिए विचाराधीन है। इसके अलावा हाईकोर्ट के एक वरिष्ठ जज के संभावित तबादले की भी चर्चा तेज हो गई है।

ऐसे में यदि ये बदलाव अमली जामा पहन लेते हैं तो प्रदेश की न्यायपालिका के शीर्ष स्तर पर महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं। जानकारी अनुसार हाईकोर्ट में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया भी तेज आ गई है। सूत्रों का कहना है, हाईकोर्ट जज पद के लिए छह न्यायिक अधिकारियों के नाम राज्य कॉलेजियम से मंजूर होकर सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम को भेजे जा चुके हैं।

इन छह नामों में तीन महिला न्यायिक अधिकारियों के नाम शामिल होने से हाईकोर्ट में महिला जजों की संख्या बढ़ने की संभावना मजबूत मानी जा रही है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में जजों के कुल 53 स्वीकृत पद हैं, जिनमें वर्तमान में 12 पद खाली हैं। आने वाले दिनों में तीन और जजों के सेवानिवृत्त होने से रिक्त पदों की संख्या और बढ़ जाएगी।

तीन जज हो रहे सेवानिवृत्त

आने वाले दिनों में हाईकोर्ट से तीन जज सेवानिवृत्त होने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, जस्टिस हिरदेश 27 मई, जस्टिस बीके द्विवेदी 14 जून और जस्टिस विजय कुमार शुक्ला 27 जून को सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं।

फिलहाल केवल एक महिला जज

वर्तमान में हाईकोर्ट में अनुराधा शुक्ला एकमात्र महिला जज हैं। 12 जनवरी 2025 को सुनीता यादव के सेवानिवृत्त होने के बाद महिला जजों की संख्या घटकर एक रह गई थी। अब नई नियुक्तियों के बाद हाईकोर्ट में महिला प्रतिनिधित्व बढ़ने की संभावना लगभग तय मानी जा रही है।

सरकार ने की पेसा मोबेलाईजर कर्मचारियों की सेवा समाप्त, विरोध में उतरें कर्मचारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्ष 2020 में मप्र शासन द्वारा पेसा एक्ट के तहत आदिवासी क्षेत्रों में पेसा मोबेलाईजर कर्मचारियों की नियुक्ति की गई थी। इन कर्मचारियों का मुख्य कार्य पंचायतों के माध्यम से शासन की योजनाओं की जानकारी व योजनाओं का लाभ ग्रामीण और आदिवासी समुदाय तक पहुंचाना था। शासन से मिली इस जिम्मेदारी को निभाते हुए कर्मचारी गांव-गांव जाकर योजनाओं के क्रियान्वयन और जागरूकता का काम कर रहे थे लेकिन पिछले दिनों 18 मई 2026 को मप्र शासन ने एक आदेश जारी कर प्रदेशभर में कार्यरत सभी पेसा मोबेलाईजर कर्मचारियों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी है। इस निर्णय के बाद कर्मचारियों में भारी नाराजगी व्याप्त है।जिन्होंने शासन के इस फैसले के खिलाफ अपना आक्रोश दिखाना शुरू कर दिया है।जिसका एक नजारा परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में देखने को मिला है।जहां जिले की पेसा मोबेलाईजर महिलाओं ने अपनी समस्याओं को लेकर जिला अध्यक्ष सहित दर्जनों महिलाओं के साथ परसवाड़ा विधायक मधु भगत के निवास पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।जिन्होंने शासन के इस फैसले पर विरोध जताते हुए, जारी किए गए इस आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द करने और उनकी सेवाए पुनः बहाल किए जाने की मांग की है।इस दौरान विधायक ने महिलाओं की समस्याओ को गंभीरता से सुनते हुये शासन स्तर पर उचित पहल करने का अस्वासन दिया उन्होंने कहा की संबंधित विभाग एवं सरकार तक महिलाओ की बात पहुंचाई जायेगी तथा न्याय दिलाने का प्रयास किया,जायेगा।

जिले में 172 पेसा मोबेलाईजर की हुई थी भर्ती

ज्ञापन सौंपने पहुंची महिलाओ ने बताया कि उनकी नियुक्ति पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सरकार के कार्यकाल में की गई थी,उस समय जिले में 172 पेसा मोबेलाईजर की भी भर्ती की गई थी।जो अपना काम पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से करते आ रहे है लेकिन वर्तमान मोहन यादव सरकार द्वारा पेसा मोबेलाईजर की सेवाएं तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी है।जिसके चलते महिलाओ सहित जिले के सभी 172 पेसा मोबेलाईजर को पद से पृथक कर दिया गया है।इसी के विरोध में सभी पेसा मोबिलाइजर महिलाओं ने विधायक को ज्ञापन सौंपकर सरकार के उस आदेश को निरस्त कराने के साथ साथ स्थाई तौर पर उन्हें पुनः पद पर बहाल करने की मांग की है।

घर घर पहुँचाई जा रही थी शासन की योजनाएं

महिलाओ ने बताया की शासन द्वारा जिले की लगभग,172 पेसा मोबेलाईजर को कार्य से पृथक किये जाने का आदेश जारी किया गया है जिससे उनके सामने अर्थिक संकट खडा हो गया है महिलाओ ने विधायक मधु भगत को बताया कि वे वर्षों से ग्रामीण क्षेत्रों मे शासन की योजनाओ के प्रसार प्रचार एव महिलाओ को जागरूक करने का कार्य कर रही थी, अचानक जारी आदेश के बाद उनके परिवारों के पालन पोषण पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।

आर्थिक स्थिति का दिया हवाला, कहा अपनाया जाए मानवीय दृष्टीकोण

ज्ञापन सौपने पहुंचे समूह की महिलाओ ने बताया की अधिकांश परिवारो की आजिविका इसी कार्य पर निर्भर है कार्य से हटाये जाने के कारण बच्चो की पढ़ाई, घर खर्च एवं दैनिक आवश्यकताओं की पूरा करना मुश्किल हो रहा है।महिलाओ ने शासन से मानवीय दृष्टीकोण अपनाते हुये आदेश पर पुन: विचार करने मे मांग की।तो वही उन्होंने जारी किए गए उक्त आदेश को तत्काल रद्द कर, उन्हें कार्य से बंद ना करने, और उन्हें पुन: कार्य पर रख, स्थाई रोजगार देने की मांग की है। ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो।

अपना वादा निभाए सरकार-सुरेंद्र कुमरे

पेसा मोबेलाईजर सुरेंद्र कुमरे ने बताया कि हम पिछले पांच वर्षो से पेसा मोबिलाइजर का काम कर रहे थे।अभी 18 मई को मप्र शासन ने एक आदेश जारी कर पेसा मोबेलाईजर की सेवाएं तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी है।जबकि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के समय हमारी भर्ती हुई थी।उन्होंने चुनाव के पूर्व पेसा मोबिलाइजर का मानदेय 4000 रु से बढाकर 6000रु किए जाने की घोषणा के साथ साथ हमें नियमित किए जाने की भी बात कही गई थी। लेकिन चुनाव के बाद हमें नियमित नहीं किया गया। फिर मोहन यादव सरकार आई उन्होंने पेसा मोबेलाईजर का मान्यदेय 4 हजार से बढाकर 8 हजार किए जाने की घोषणा की थी लेकिन वे भी अपना वादा भूल गए, घोषणा के अनुरूप काम करने की बजाय हमारी सेवा ही समाप्त कर दी गई हम सरकार की इसी नीति का विरोध कर रहे हैं, हमारी मांग है कि हमारी सेवा पुनः बहाल किया जाए और सभी कर्मचारियों को नियमित कर काम दिया जाए।

आर्थिक व मानसिक संकटों का करना पड़ रहा सामना-मीना

पेसा मोबेलाईजर महिला संघ अध्यक्ष मीना मर्सकोले ने बताया कि हम सभी पेसा मोबेलाईजर पिछले 5 वर्षो से गांव गांव जाकर शासन प्रशासन की योजनाओं का लाभ आदिवासी ग्रामीणों को दिलाने का काम कर रहे थे, हमने इन 5 सालों में बहुत सारे काम किए हैं।अभी सरकार ने हमारी सेवाओं को रद्द कर दिया है हम चाहते हैं कि सरकार हमें सेवाओं में पुन: बहाल करें । क्योंकि हम सभी बेरोजगार हो गए हैं हमारे पास कोई काम नहीं है,घर चलना भी मुश्किल हो रहा है आर्थिक व मानसिक परेशानियों का हम सामना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमने पंचायत में 5 से 7 समितियों का गठन किया है वे समितियां आज भी विभिन्न कार्य कर रही है,तेंदूपत्ता तोड़ाई का काम भी हमारी समिति द्वारा चल रहा है, ऐसे में अचानक हमारी सेवाओं को समाप्त किया जाना ठीक नहीं है।

सदन में उठाएंगे मामला -मधु भगत

विधायक मधु भगत ने बताया कि जिले में करीब 175 पेसा मोबेलाईजर है मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सरकार में इनकी भर्ती हुई थी, पहले इन्हें 4000 देने कहा गया था फिर 4000 से बढ़कर मोहन यादव सरकार ने 8000 रु मान्यदेय देने की घोषणा की थी लेकिन अभी 18 मई को एक आदेश आया जिसमें उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गई है। केवल बालाघाट ही नहीं बल्कि मध्य प्रदेश के सभी पेसा मोबेलाईजर की सेवाओं को समाप्त किया गया है जो नहीं करना चाहिए था। इससे गरीब आदिवासियों को मिलने वाला लाभ रुक जाएगा, हमारी मांग है कि मुख्यमंत्री पुनः इस आदेश का अवलोकन करें क्यों की एक ओर सरकार महिला सशक्तिकरण की बात करती है लेकिन दूसरी ओर सरकार की महिलाओं के प्रति संवेदना मर गई है हम शासन को पत्र लिखकर पुनर्विचार की मांग करेंगे, साथ ही सदन में भी यह मुद्दा उठाया जाएगा।

लाल किला धमाके में 7,500 पन्नों की चार्जशीट में सामने आए चौंकाने वाले तथ्य

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किला क्षेत्र में पिछले वर्ष 10 नवंबर को हुए उच्च तीव्रता वाले वाहन-जनित आईईडी विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बड़ा खुलासा किया है। एजेंसी के अनुसार, इस कथित आतंकी साजिश में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्लेटफॉर्म और डिजिटल माध्यमों का दुरुपयोग किया गया। एनआईए ने विशेष अदालत में 7,500 पृष्ठों की विस्तृत चार्जशीट दाखिल की। आरोपपत्र में दावा किया गया है कि आरोपियों ने विस्फोटक तैयार करने, रॉकेट आईईडी बनाने और हमलों की योजना तैयार करने के लिए तकनीकी संसाधनों का इस्तेमाल किया।

जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपियों में शामिल जसिर बिलाल वानी कथित तौर पर अंसार गजवत-उल-हिंद के अंतरिम आतंकी मॉड्यूल का इन-हाउस इंजीनियर बनकर काम कर रहा था। इस मॉड्यूल का संबंध भारतीय उपमहाद्वीप में सक्रिय अल-कायदा से बताया गया है। गृह मंत्रालय पहले ही अंसार गजवत-उल-हिंद और उससे जुड़े संगठनों को आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। एनआईए का दावा है कि आरोपियों ने वैज्ञानिक तरीके से विस्फोटक उपकरणों का निर्माण और परीक्षण किया।

चार्जशीट के मुताबिक, जसिर बिलाल वानी 2024-25 के दौरान हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय परिसर में दो से तीन बार रुका था। एजेंसी का आरोप है कि वह वहां कथित आतंकी साजिश के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने पहुंचा था। जांच के दौरान सामने आया कि विश्वविद्यालय से जुड़े तीन डॉक्टरों की भूमिका भी संदिग्ध रही।

भारत में फिर महंगे हो सकते हैं पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली। तेल कंपनी भारत पेट्रोलियम के डायरेक्टर राज कुमार दुबे ने कहा है कि अगर वैश्विक ऊर्जा संकट इसी तरह जारी रहा, तो देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में एक और बढ़ोतरी तय है। भारत में 9 दिन में तीन बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ चुके हैं। कल 23 मई को 19 मई को दामों में एवरेज 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। इससे पहले 15 मई दाम 3 बढ़े थे।

अमेरिका-ईरान जंग की वजह से कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। इससे निपटने के लिए नीति निर्माताओं के पास अब सीमित विकल्प बचे हैं। दुबे ने बताया कि शुरुआत में वैश्विक स्तर पर कीमतों में 20 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी को अस्थायी माना जा रहा था। लेकिन अब जिस तरह से स्थितियां बदल रही हैं, उसे देखकर लगता है कि यह संकट आगे भी जारी रहने वाला है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर को भारी नुकसान पहुंचा है। इस इंफ्रास्ट्रक्चर की तबाही को ठीक करने में ही अभी बहुत लंबा समय लगने वाला है। मौजूदा हालात को देखते हुए अगर यही स्थिति बनी रही, तो ईंधन के दामों में एक और बढ़ोतरी होना बिल्कुल तय है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि कीमतों में कुल कितनी बढ़ोतरी की जाएगी।

भारत में रूस और अफ्रीका से आ रहा तेल

दुबे ने कहा कि भारत ने अपनी तेल सप्लाई के स्रोतों में बदलाव किया है। अब रूसी तेल, अफ्रीका और कई अन्य जगहों से डाइवर्सिफिकेशन के जरिए तेल आ रहा है। बीपीसीएल और अन्य भारतीय ऊर्जा कंपनियों ने अपनी सोर्सिंग का काफी विस्तार किया है। पहले जहां भारत के पास केवल 20 सप्लाई पॉइंट्स थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 40 हो गई है। मिडिल ईस्ट में यह विवाद तब बढ़ा था, जब 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर बड़े हवाई हमले किए थे। इसके जवाब में ईरान ने भी इजराइल और खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए। इसके बाद अप्रैल की शुरुआत में दोनों देश युद्धविराम के लिए राजी हुए और तब से पर्दे के पीछे से शांति समझौते की बातचीत चल रही है।

होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से कच्चे तेल के दाम बढ़े

जंग की वजह से ईरान ने हॉर्मुज बंद कर दिया था। यह समुद्री रास्ता दुनिया के लिए लाइफलाइन की तरह है। वैश्विक स्तर पर कुल तेल सप्लाई का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। जब जंग शुरू हुई थी तो कच्चा तेल 70 डॉलर प्रति बैरल के करीब चल रहा था। मार्च तक दाम बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गए। फिर सीजफायर के ऐलान के बाद दामों में उतार-चढ़ाव रहा और ये 100 डॉलर से नीचे आ गए। अभी ब्रेंट क्रूड ऑयल 103 डॉलर के करीब है।

मप्र की तीन राज्यसभा सीटों पर 18 जून को मतदान

संख्या बल में भाजपा भारी पर कांग्रेस की साख दांव पर

भोपाल। चुनाव आयोग ने देश की 24 राज्यसभा सीटों के लिए 18 जून को चुनाव कराने की घोषणा कर दी है, जिसमें मध्य प्रदेश की तीन सीटें भी शामिल हैं। वर्तमान विधानसभा के आंकड़ों को देखते हुए इन सीटों पर मुकाबला बेहद दिलचस्प लेकिन एकतरफा होने की उम्मीद है। मौजूदा स्थिति में तीन में से दो सीटें पर भाजपा और एक सीट पर कांग्रेस की जीत तय मानी जा रही है। वर्तमान में इन सीटों का प्रतिनिधित्व केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन, भाजपा के सुमेर सिंह सोलंकी और कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह कर रहे हैं।

230 सदस्यों वाली मध्य प्रदेश विधानसभा में इस समय भाजपा के पास 165 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के पास 64 सदस्य हैं। नियमों के मुताबिक, राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए किसी भी दल को कम से कम 58 वोटों की आवश्यकता होती है। इस गणित के अनुसार, भाजपा अपने 116 विधायकों के दम पर आसानी से दो सीटें जीत रही है। इसके बाद भी भाजपा के पास 49 अतिरिक्त वोट बचेंगे। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि भाजपा राजनीतिक समीकरण साधने के लिए तीसरा उम्मीदवार भी मैदान में उतार सकती है, लेकिन उसकी जीत तभी संभव होगी जब कांग्रेस के खेमे में सेंधमारी या क्रॉस-वोटिंग हो।

दूसरी तरफ, कांग्रेस के लिए अपनी इकलौती सीट बचाना साख का सवाल बन गया है। वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह इस बार तीसरी बार राज्यसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे, इसलिए पार्टी को नए चेहरे के साथ अपनी सीट बरकरार रखनी होगी। वैसे तो कागजों पर कांग्रेस के पास 64 विधायक हैं, लेकिन प्रभावी रूप से केवल 62 विधायक ही मतदान कर पाएंगे। कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को आर्थिक धोखाधड़ी के मामले में तीन साल की सजा मिलने के बाद उनकी सदस्यता पहले ही समाप्त हो चुकी है। इसके अलावा, विजयपुर से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा के चुनाव को हाईकोर्ट द्वारा शून्य घोषित किए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने उनकी वोटिंग और सैलरी पर अंतिम फैसला आने तक रोक लगा रखी है। वहीं, बीना से कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे ने साल 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान दलबदल कर भाजपा का दामन थाम लिया था, जिनका मामला फिलहाल जबलपुर कोर्ट में विचाराधीन है और वे भी मतदान नहीं कर सकेंगी।

10 साल पुराने तिहरे हत्याकांड में 19 आरोपियों को उम्रकैद, परिवार को मिला न्याय

नबरंगपुर। ओडिशा के नबरंगपुर जिले में 2016 के चर्चित तिहरे हत्याकांड और आगजनी मामले में कोर्ट ने 19 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह मामला करीब 10 साल पुराना है, जिसने उस समय पूरे इलाके में सनसनी फैला दी थी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान हत्या, आपराधिक साजिश और सबूत मिटाने जैसे गंभीर आरोपों को साबित मानते हुए सभी दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। फैसले के बाद पीड़ित परिवार ने कोर्ट के फैसले का स्वागत किया और कहा कि उन्हें न्याय मिल गया। जानकारी के मुताबिक साल 2016 में गांव में हिंसक झड़प के दौरान तीन लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। आरोपियों ने वारदात को अंजाम देने के बाद इलाके में आगजनी भी की थी ताकि सबूत नष्ट कर सकें। पुलिस जांच में सामने आया था कि पुरानी रंजिश और अंधविश्वास इस घटना की मुख्य वजह थे। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा था। पुलिस ने जांच में कई लोगों को गिरफ्तार किया और बाद में उनके खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। मामले की सुनवाई लंबे समय तक चली, जिसमें अभियोजन पक्ष ने प्रत्यक्षदर्शियों और फोरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मजबूत दलीलें पेश कीं। कोर्ट ने माना कि दोषियों ने सुनियोजित तरीके से अपराध को अंजाम दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने आरोपों को खारिज करने की कोशिश की, लेकिन अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों को पर्याप्त माना। फैसले के दौरान कोर्ट परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, क्योंकि मामला काफी संवेदनशील था। कोर्ट के फैसले को राज्य में कानून व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रिया के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

आईपीएल 2026 में लगे सबसे ज्यादा छक्के

वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक छाये रहे

मुम्बई । आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अपने आक्रामक अंदाज के लिए सनरासइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा और राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी छाये रहे हैं। इन दोनो ने ही जमकर चौके और छक्के लगाये हैं। इन दोनो के अलावा अन्य बल्लेबाज भी चौके और छक्के लगाने में पीछे नहीं रहे। लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच हुए रोमांचक मुकाबले के बाद, इस सत्र में कुल 1305 छक्के दर्ज लगे हैं। इससे पिछले साल 2025 में लगे 1294 छक्कों का रिकॉर्ड टूट गया।

यह आईपीएल के इतिहास में पहला अवसर है जब किसी एक सत्र में 1300 से अधिक छक्के लगे हैं। ये इस टूर्नामेंट में बढ़ती आक्रामकता और पावर-हिटिंग के बढ़ते चलन को दर्शाता है। अभी लीग चरण के दो और प्लेऑफ के चार मुकाबले बाकी हैं, जिससे उम्मीद है कि यह आंकड़ा 1400 के पार भी पहुंच सकता है, जिससे यह सीजन और भी यादगार बन जाएगा।

रॉयल्स के मात्र 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव इस सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज हैं, जिन्होंने अब तक 53 छक्के लगाए हैं। यह एक आईपीएल सीजन में किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है। वैभव की नजरें अब वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल के एक आईपीएल सीजन में 59 छक्कों के रिकॉर्ड पर टिकी हैं, जिसे वह तोड़ने के बेहद करीब हैं।

वैभव के अलावा, सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रमक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने भी छक्कों की झड़ी लगाई है। उन्होंने अब तक आईपीएल 2026 में 43 छक्के लगाये हैं और उनकी टीम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी है, जिससे उन्हें अपने छक्कों की संख्या बढ़ाने के कई और मौके मिलेंगे। शीर्ष पांच छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में इन दो भारतीय सितारों के अलावा, रायन रिकेल्टन 37, मिचेल मार्श 36 और कूपर कोनोली 32 जैसे विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने अपनी टीमों के लिए अहम योगदान दिया है।

आईपीएल में छक्कों का बढ़ता ग्राफ साफ तौर पर देखा जा सकता है- जहां 2023 में 1124 छक्के लगे थे, वहीं 2024 में यह संख्या 1260 तक पहुंची, पिछले सीजन 2025 में 1294 छक्के दर्ज किए गए, और अब 2026 में यह आंकड़ा 1305 तक पहुंच चुका है। यह सीजन बल्लेबाजों के दबदबे और आक्रामक क्रिकेट का पर्याय बन गया है।

लखनऊ सुपरजायंट्स करेगी बदलाव, ऋष्भ को कप्तानी से हटाया जाना तय

लखनऊ । ऋष्भ पंत की कप्तानी में लगातार दसरे सत्र में भी लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम का प्रदर्शन आईपीएल में बेहद खराब रहा है और टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी। पंजाब किंग्स के खिलाफ अंतिम लीग मैच में मिली करारी हार के साथ ही टीम का सफर भी समाप्त हो गया।

सुपरजायंट्स की टीम लीग में केवल 4 मैच जीतकर 8 अंकों के साथह ही अंतिम स्थान पर रही, ऐसे में कप्तान ऋष्भ पंत पर गाज गिरनी तय है। माना जा रहा है कि अब प्रबंधन ऋष्भ को कप्तानी से हटाने जा रहा है। प्रबंधन अगले सत्र को देखते हुए बड़े बदलाव कर सकता है। टीम के डायरेक्टर टॉम मूडी ने संकेत दिये हैं कि अगले सत्र में टीम नये कप्तान के साथ उतरेगी।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के बाद मूडी ने स्पष्ट किया, जहां तक नेतृत्व की बात है, जिसमें बदलाव को लेकर गंभीरता से विचार किया जाएगा। ऐसा लगता है कि हमें एक नए सिरे से शुरुआत करने पर विचार करने की आवश्यकता है। इस बयान से साफ है कि ऋष्भ की कप्तानी जाना तय है।

इस आक्रामक विकेट कीपर बल्लेबाज को हटाए जाने के कई कारण बताए हैं। उनमें से एक ये

भी है कि कप्तानी के दबाव में उनकी बल्लेबाजी प्रभावित हुई है।

मेगा नीलामी के लिए लखनऊ ने एक अच्छी टीम तैयार की थी पर वह खिलाड़ियों का सही तरीके से प्रयोग नहीं कर पाये। इस्तेमाल करने में नाकाम साबित हुए। उनके कई फैसले भी गलत रहे। वह स्वयं सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे। जिसके कारण निकोलस पूरन को मध्यक्रम में उतारा गया पर ये प्रयोंग विफल रहा। इसके बाद पूरन को तीसरे नंबर पर उतरा गया। इस प्रकार ये सत्र बल्लेबाजी क्रम में बदलाव में ही रह गया। इसा पूरा नुकसान टीम को हुआ। इस तरह पूरे सत्र में कप्तान केवल टीम संयोजन में ही लगे रहे। इससे टीम का प्रदर्शन भी प्रभावित हुआ। इसी कारण ऋष्भ को कप्तानी खोनी पड़ रही है।

ऋष्भ का स्वयं का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा। वहीं आईपीएल 2024 में उन्होंने 14 मैचों में 138.05 की साधारण स्ट्राइक रेट से केवल 312 रन बनाए, जिसमें वह सिर्फ एक बार 50 रन से ऊपर पहुंच पाये। पिछले सत्र में भी उनका प्रदर्शन खराब रहा और वह केवल 269 रन बना पाये थे। इससे साफ है कि कप्तानी के बोझ से उनकी बल्लेबाजी प्रभवित हो रही है।

प्लेऑफ से ठीक पहले आरसीबी के बेथेल आईपीएल से बाहर हुए

मुम्बई। रजत पाटीदार की कप्तानी में आईपीएल 2026 के सत्र में शानदार प्रदर्शन कर प्लेऑफ में पहुंचने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरबीबी) टीम के सलामी बल्लेबाज जैकब बेथेल फिट नहीं होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। बेथेल की अंगुली में चोट लगी है, जिसके कारण ही वह आरसीबी की ओर से अब आगे नहीं खेल पाएंगे। बेथेल के बाहर होने से देखना होगा कि आरसीबी प्लेऑफ मुकाबलों में विराट कोहली के साथ पारी की शुरुआत के लिए किसे उतारती है। । टीम के लिए राहत की बात ये है कि अनुभवी फिल साल्ट पूरी तरह से फिट होकर खेलने के लिए तैयार हैं, और उम्मीद की जा रही थी कि वह बेथेल की जगह लेंगे। हालांकि, टीम ने अपने अंतिम लीग मैच में विराट के साथ वेंकटेश अय्यर से पारी की शुरुआत कराई थी, और वेंकटेश ने अच्छी बल्लेबाजी की थी। ऐसे में टीम प्रबंधन को यह तय करना होगा कि वे अनुभवी फिल साल्ट को उतारें या वेंकटेश अय्यर को बनाये रखें।

एरिक सिमंस बोले वापसी का फैसला खुद माही ही करेंगे

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के अगले आईपीएल सत्र में खेलने को लेकर बड़ा बयान दिया है। सिमंस ने साफ कहा कि धोनी खुद तय करेंगे कि वह कब और कैसे मैदान पर वापसी करेंगे। उन्होंने बताया कि पैर की चोट के कारण 44 वर्षीय धोनी इस सत्र में एक भी मुकाबला नहीं खेल पाए, लेकिन नेट अभ्यास के दौरान उनकी बल्लेबाजी ने सभी को प्रभावित किया। जब सिमंस से पूछा गया कि क्या धोनी अगले सीजन में उपलब्ध रहेंगे, तो उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि यह फैसला पूरी तरह धोनी पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि चोट की वजह से धोनी को दौड़ने में काफी परेशानी हो रही थी, जिसके कारण वह मैच नहीं खेल सके। हालांकि, नेट्स में उनकी बल्लेबाजी पहले जैसी ही नजर आ रही थी। सिमंस ने दोहराया कि धोनी हमेशा अपनी फिटनेस और टीम की जरूरत को ध्यान में रखकर ही कोई फैसला लेते हैं।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर सिमंस ने कहा कि धोनी कभी व्यक्तिगत उपलब्धियों को प्राथमिकता नहीं देते। उनके अनुसार, अगर धोनी को लगता है कि वह पूरी तरह फिट नहीं हैं तो वह नहीं खेलेंगे, लेकिन यदि वह खुद को तैयार महसूस करेंगे तो निश्चित रूप से मैदान पर उतरेंगे। उन्होंने कहा कि धोनी हमेशा टीम के हित को सबसे ऊपर रखते हैं और उनका खेलना टीम के लिए फायदेमंद साबित होता है। सिमंस ने इस सीजन में टीम की फील्डिंग को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि चेन्नई सुपर किंग्स की फील्डिंग उम्मीद के मुताबिक नहीं रही, जबकि टीम ने इस विभाग में काफी मेहनत की थी। उन्होंने कहा कि पूरे टूर्नामेंट में टीम ने कई शानदार कैच लिए, लेकिन कुछ आसान मौके भी गंवाए, जिसने उन्हें निराश किया। सिमंस के मुताबिक फील्डिंग कोच अब इस बात का विश्लेषण करेंगे कि टीम को आगे कैसे बेहतर किया जाए।

लगातार दूसरे साल प्लेऑफ से बाहर हुई चेन्नई सुपर किंग्स, जानिए हार के पांच बड़े कारण

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स का अभियान निराशाजनक रहा। पांच बार की चैंपियन टीम इस बार भी प्लेऑफ में जगह बनाने में असफल रही। चेन्नई ने 14 मुकाबलों में केवल 6 मैच जीते और लगातार दूसरे सीजन में अंतिम चार से बाहर हो गई। पूरे टूर्नामेंट के दौरान टीम कई समस्याओं से जूझती नजर आई, जिसका असर उसके प्रदर्शन पर साफ दिखाई दिया। खिलाड़ियों की चोट, अनुभवी खिलाड़ियों की कमी और युवा सितारों का खराब प्रदर्शन टीम के लिए सबसे बड़ी परेशानी बनकर सामने आया।

इस सीजन चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सबसे बड़ा झटका खिलाड़ियों की लगातार चोटें रहीं। तेज गेंदबाज नाथन एलिस चोट के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। वहीं शानदार फॉर्म में चल रहे युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे का चोटिल होना भी टीम के लिए बड़ा नुकसान साबित हुआ। खलील अहमद ने शुरुआती पांच मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन वह भी चोटिल होकर बाहर हो गए। ऑलराउंडर जेमी ओवरटन बल्ले और गेंद दोनों से टीम के लिए अहम भूमिका निभा रहे थे, लेकिन सीजन के महत्वपूर्ण चरण में उनकी चोट ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दीं।

महेंद्र सिंह धोनी की गैरमौजूदगी भी चेन्नई के लिए भारी पड़ी। चोट के कारण धोनी इस पूरे सीजन में एक भी मुकाबला नहीं खेल सके। विकेट के पीछे से उनकी रणनीति और अनुभव की कमी साफ महसूस की गई। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ दबाव की परिस्थितियों में कई बार असहाय नजर आए और टीम मुश्किल समय में वापसी नहीं कर सकी। धोनी की मौजूदगी हमेशा चेन्नई की सबसे बड़ी ताकत मानी जाती रही है, लेकिन इस बार टीम उस नेतृत्व से वंचित रही। चेन्नई ने आईपीएल 2026 के लिए कई युवा खिलाड़ियों पर बड़ा दांव लगाया था, लेकिन वे उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। फ्रेंचाइजी ने प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा पर लगभग 14.2 करोड़ रुपये खर्च किए थे, लेकिन दोनों खिलाड़ी प्रभावित करने में नाकाम रहे। उर्विल पटेल भी पूरे सीजन में सिर्फ एक अर्धशतक ही लगा सके और निरंतर प्रदर्शन नहीं कर पाए।

कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस से टीम को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन दोनों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। ब्रेविस ने 11 मैचों में केवल 151 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट भी 127 के आसपास रहा। वह पूरे सीजन में एक भी अर्धशतक नहीं लगा सके। वहीं ऋतुराज गायकवाड़ भी अपेक्षित आक्रामकता नहीं दिखा पाए और उनका स्ट्राइक रेट 123.44 का रहा, जो टी20 क्रिकेट के लिहाज से काफी कम माना गया। गेंदबाजी विभाग में अनुभव की कमी भी चेन्नई सुपर किंग्स को भारी पड़ी। खलील अहमद के बाहर होने के बाद तेज गेंदबाजी आक्रमण कमजोर पड़ गया। अंशुल कंबोज ने शुरुआती मैचों में प्रभावित किया, लेकिन महत्वपूर्ण मुकाबलों में वह काफी महंगे साबित हुए। स्पेंसर जॉनसन और गुरजपनीत सिंह भी निरंतर प्रदर्शन नहीं कर सके। स्पिन विभाग में नूर अहमद ने कुछ अच्छे प्रदर्शन किए, लेकिन वह पूरे सीजन में निरंतरता बनाए रखने में सफल नहीं रहे। यही कारण रहा कि चेन्नई सुपर किंग्स इस बार भी प्लेऑफ में जगह बनाने से चूक गई।

श्रेयस अय्यर ने सुपर जायंट्स के खिलाफ शतकीय पारी के साथ ही बनाये कई रिकार्ड

लखनऊ। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के अंतिम लीग मैच में शानदार शतक लगाने के साथ ही अपनी टीम को जीत दिलाने के अलावा एकसाथ कई बड़े रिकार्ड भी अपने नाम किये हैं। अब श्रेयस नंबर चार पर उतरकर शतकीय पारी खेलने वाले पहले कप्तान बने हैं। इस मैच में श्रेयस की पारी से पंजाब ने सात विकेट से जीत हासिल की। अय्यर ने 11 चौके और 5 छक्के लगाकर नाबाद 101 रन बनाये। जिसके कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। आईपीएल में इससे पहले कप्तानों ने 16 शतक लगाये हैं पर ये सभी शतक सलामी बल्लेबाजों या नंबर-3 तक के बल्लेबाजों ने लगाये हैं। मध्यक्रम में उतरकर शतक लगाने वाले श्रेयस पहले कप्तान हैं।

इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही श्रेयस पंजाब किंग्स में कप्तान के तौर पर शतक लगाने वाले तीसरे खिलाड़ी भी बने हैं। उनसे पहले साल 2020 में केएल राहुल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ नाबाद 132 रन और साल 2011 में एडम गिलक्रिस्ट ने आरसीबी के ही खिलाफ 106 रनों की पारी खेली थी। साल 2020 के बाद यह पहला मौका है जब पंजाब किंग्स के किसी कप्तान ने आईपीएल में शतक लगाया है। इसके अलावा आईपीएल इतिहास में लक्ष्य का पीछा करते हुए शतक लगाने वाले कप्तानों की सूची में क्लब में भी अय्यर ने अपनी जगह बनाई है। वह ऐसा करने वाले केवल चौथे कप्तान हैं। सबसे पहले 2011 में वीरेंद्र सहवाग 119 रन ने यह कारनामा किया था, जिसके बाद 2016 में विराट कोहली ने नाबाद 108 रन) और 2021 में संजू सैमसन ने नाबा 119 रन कप्तान के तौर पर लक्ष्य का पीछा करते हुए बनाये थे।

राहुल द्रविड़ ने क्रिकेट के साथ परिवार को भी दी मजबूत पहचान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को क्रिकेट जगत में 'दीवार' के नाम से जाना जाता है। उनका अंतरराष्ट्रीय करियर जितना शानदार रहा, उतना ही प्रेरणादायक उनका कोचिंग सफर भी रहा है। संन्यास के बाद द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी को तैयार करने का जिम्मा संभाला और अंडर-19 टीम के कोच के रूप में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तराशा। उनकी कोचिंग में पृथ्वी शॉ की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने अंडर-19 विश्व कप जीता, जिसमें शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी भी शामिल थे। बाद में उन्होंने सीनियर टीम के मुख्य कोच के रूप में रोहित शर्मा के साथ मिलकर भारतीय टीम को नई सफलताएं दिलाईं। वर्ष 2024 में टी-20 विश्व कप जीत के साथ उनका कार्यकाल यादगार अंदाज में समाप्त हुआ।

11 जनवरी 1973 को इंदौर में जन्मे राहुल द्रविड़ मराठी ब्राह्मण परिवार से आते हैं। उनके पिता शरद द्रविड़ एक खाद्य कंपनी में वरिष्ठ पद पर कार्यरत थे, जबकि उनकी मां पुष्पा द्रविड़ इंजीनियरिंग कॉलेज में आर्किटेक्चर की प्रोफेसर थीं। परिवार में शिक्षा और अनुशासन का माहौल रहा, जिसका असर राहुल के व्यक्तित्व में भी साफ दिखाई देता है। उनके छोटे भाई विजय द्रविड़ ने भी शुरुआती दिनों में उनका पूरा साथ दिया। साल 2003 में राहुल द्रविड़ ने नागपुर की सर्जन डॉ. विजेता पेंढारकर से विवाह किया। दोनों की मुलाकात पारिवारिक संबंधों के जरिए हुई थी। शादी के बाद विजेता ने मेडिकल पेशे के साथ परिवार की जिम्मेदारियां भी संभालीं। राहुल कई बार कह चुके हैं कि उनकी सफलता में पत्नी का बड़ा योगदान रहा है। दंपति के दो बेटे हैं, समित द्रविड़ और अन्वय द्रविड़। राहुल हमेशा अपने बच्चों को मीडिया की चकाचौंध से दूर रखते आए हैं और उन्हें सामान्य जीवन देने की कोशिश करते हैं।

अब द्रविड़ परिवार की क्रिकेट विरासत उनके बेटे आगे बढ़ाते नजर आ रहे हैं। समित द्रविड़ एक ऑलराउंडर खिलाड़ी हैं और कर्नाटक की आयु वर्ग टीमों के लिए शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कूच बेहार ट्रॉफी में बल्ले और गेंद दोनों से प्रभाव छोड़ा। वहीं छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में पहचान बना रहे हैं। उन्होंने विजय मर्चेंट ट्रॉफी में बेहतरीन बल्लेबाजी की और कर्नाटक टीम की कप्तानी भी संभाली। इस तरह राहुल द्रविड़ की क्रिकेट यात्रा अब नई पीढ़ी के जरिए आगे बढ़ती दिखाई दे रही है।

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज हारते ही पाकिस्तान टीम पर बरसे कोच सरफाराज

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच सरफाराज अहमद ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली 2-0 की शर्मनाक हार पर निराशा जताते हुए टीम को कड़ी फटकार लगायी है। सिलहट में हुए दूसरे और अंतिम टेस्ट में 58 रन से मिली हार के बाद सरफराज ने टीम बैठक में खिलाड़ियों की नकारात्मक मानसिकता और व्यक्तिगत प्रदर्शन पर भी सवाल उठाए। इस दौरान टीम मैनेजर नवेद चीमा और सहयोगी स्टाफ के सदस्य भी उपस्थित थे।

सरफराज ने विशेष रुप से बल्लेबाजों पर निशाना साधा और कहा कि खिलाड़ी केवल अपने आंकड़ों के लिए खेलते दिखे। कही भी ऐसा नहीं लगा कि टीम के लिए खेल रहे हों। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा होना चाहिए पर उसका लाभ टीम को नहीं मिले तो कोई मतलब नहीं निकलता। । पूरी सीरीज में टीम का एक भी बल्लेबाज 200 रन तक नहीं पहुंच सका। केवल युवा अजान अवैस ने ही शतक लगाया। कोच ने सीनियर खिलाड़ियों पर जिम्मेदारी से नहीं खेलने का भी आरोप लगाया।

रिपोर्ट के अनुसार सरफराज, कप्तान शान मसूद की खराब कप्तानी से भी नाराज दिखे। उन्होंने मैदान पर फैसले लेने में कमजोरी और डिआरएस रिव्यू नहीं लेने जैसे मामलों पर भी सवाल उठाये। गौरतब है कि दूसरे टेस्ट में पाक टीम ने बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम और लिटन दास के खिलाफ अहम रिव्यू नहीं लिया जब लिटन दास 52 रन पर थे पर बाद में , उन्होंने 126 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिला दी। बांग्लादेश ने इससे 6 विकेट पर 116 रनों के बाद भी मैच में वापसी कर ली। ये भी कहा जा रहा है कि सरफराज जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे तक मुख्य कोच बने रहेंगे। पाक टीम को वेस्टइंडीज में वहां दो टेस्ट मैच खेलने हैं, जिसके बाद इंग्लैंड दौरा भी होना है। इस दौर में शॉन मसूद यायद ही कप्तान रहें। उनकी कप्तानी में पाक टीम 16 टेस्ट में से 12 हारी है।

गुरिंदरवीर ने रचा इतिहास, 100 मीटर में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

रांची । पंजाब के गुरिंदरवीर सिंह ने यहां के बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में आयोजित फेडरेशन कप के फाइनल में 100 मीटर दौड़ को केवल 10.09 सेकंड में ही पूरा कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना दिया। इसी के साथ ही यह उपलब्धि हासिल करने वाले गुरिंदरवीर पहले भारतीय धावक बन गए हैं। गुरिंदरवीर ने 100 मीटर की रेस को 10.10 सेकंड के अंदर पूरा किया जो भारतीय ट्रैक एंड फील्ड इतिहास में पहली बार हुआ है। वहीं पहले सेमीफाइनल में अनिमेष कुजूर ने 10.15 सेकंड का समय निकालकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया था, जबकि गुरिंदरवीर ने 10.17 सेकंड में दौड़ पूरी की थी।

बेटे अर्जुन के अच्छे प्रदर्शन पर उत्साहित सचिन ने लिखा भावुक संदेश

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को आईपीएल 2026 में अंतिम लीग मैच में ही खेलने का अवसर मिला जिसमें अर्जुन ने शानदार गेंदबाजी की। इससे उनके पिता सचिन भी भावुक हो गये। हो भी क्यों न आंखिरकार 13 मैचों के इंतजार के बाद उनके बेटे को अवसर मिला जिसमें उसने अपने को साबित कर दिया। अर्जुन ने इस मैच में चार ओवर में 36 रन देकर एक विकेट लिया। बेटे के इस बेहतरीन प्रदर्शन को देखकर उत्साहित सचिन ने अपनी भावनाएं सोशल मीडिया के जरिये जाहिर की है। अर्जुन लखनऊ के लिए सबसे कम रन देने वाले गेंदबाज रहे। बेटे के इस बेहतरीन प्रदर्शन पर सचिन ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लिखा, शाबाश, अर्जुन! इस सीजन में आपने जिस तरह से अपने को संभाला, उस पर मुझे गर्व है। आपने हमेशा अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखा, धैर्य बनाए रखा, चुपचाप कड़ी मेहनत की और अंतिम मैच तक अवसर मिलने का इंतजार करने के बाद भी सकारात्मक बने रहे। सचिन ने आगे कहा, क्रिकेट में कौशल के साथ-साथ धैर्य की भी परीक्षा होती है और आज आपने दोनों को बखूबी निभाया। अपने पैर जमीन पर रखें और हमेशा की तरह खेल के प्रति अपना प्यार बनाए रखें। हमेशा आपके लिए मेरा स्नेह रहेगा।

टेस्ट क्रिकेट के पांचों दिन बल्लेबाजी करने का अनोखा रिकार्ड

- दुनिया के 13 महान बल्लेबाज जिसमें तीन भारतीय भी शामिल

नई दिल्ली। टेस्ट क्रिकेट को खेल का सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण प्रारूप माना जाता है। पांच दिनों तक चलने वाले इस मुकाबले में खिलाड़ी की तकनीक, धैर्य, फिटनेस और मानसिक मजबूती की असली परीक्षा होती है। क्रिकेट इतिहास में कई महान बल्लेबाज हुए, लेकिन टेस्ट मैच के सभी पांचों दिन बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरना बेहद दुर्लभ उपलब्धि मानी जाती है। अब तक दुनिया के सिर्फ 13 बल्लेबाज ही यह अनोखा कारनामा कर पाए हैं, जिनमें भारत के तीन खिलाड़ी भी शामिल हैं। इस ऐतिहासिक सूची में सबसे पहला नाम भारत के मोटगनहल्ली जयसिम्हा का दर्ज है। उन्होंने 1960 में कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच के पांचों दिन बल्लेबाजी की थी। पहली पारी में वह नौवें नंबर पर उतरे और नाबाद लौटे, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने शानदार 74 रन बनाए थे। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जियोफ बॉयकॉट ने 1977 की एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नॉटिंघम टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने पहली पारी में 107 रन और दूसरी पारी में नाबाद 80 रन बनाए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के किम ह्यूज ने 1980 के लॉर्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ पांचों दिन बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 117 और दूसरी में 84 रन बनाए। इसी मैदान पर इंग्लैंड के एलन लैम्ब ने भी वेस्टइंडीज के खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ यह रिकॉर्ड बनाया। पहली पारी में कम स्कोर के बाद उन्होंने दूसरी पारी में शानदार 110 रन बनाकर इतिहास रच दिया। भारत के पूर्व ऑलराउंडर रवि शास्त्री इस उपलब्धि को हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बने। 1984 में इंग्लैंड के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 111 रन बनाए और दूसरी पारी में नाबाद लौटे। बाद में वेस्टइंडीज के एड्रियन ग्रिफिथ ने 1999 में न्यूजीलैंड के खिलाफ हैमिल्टन टेस्ट में यह कारनामा किया। इंग्लैंड के एंड्र्यू फ्लिंटॉफ ने 2006 में मोहाली टेस्ट में भारत के खिलाफ दोनों पारियों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए पांचों दिन क्रीज पर उपस्थिति दर्ज कराई। दक्षिण अफ्रीका के अल्विरो पीटरसन ने 2012 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 156 रन की मैराथन पारी खेलकर यह रिकॉर्ड बनाया। भारत के चेतेश्वर पुजारा इस सूची में शामिल होने वाले तीसरे भारतीय बने। 2017 में श्रीलंका के खिलाफ ईडन गार्डन्स टेस्ट में उन्होंने दोनों पारियों में उपयोगी रन बनाए और पांचों दिन बल्लेबाजी की।

आईपीएल में पहली ही गेंद पर सबसे अधिक बार विकेट लेने वाले गेंदबाज बने शमी

लखनऊ। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के नाम आईपीएल में एक ऐसा रिकार्ड है जो अन्य किसी भी गेंदबाज के नाम नहीं है। शमी आईपीएल में पहली ही गेंद पर सबसे अधिक बार विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए शमी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या को अर्जुन तेंदुलकर के हाथों कैच कराकर ये रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने इस मामले में राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का रिकॉर्ड तोड़ा है। आर्चर ने तक पांच बार इस लीग में पहली ही गेंद पर विकेट लिया था। वहीं शमी ने छठी बार पहली गेंद पर विकेट लेकर अपनी श्रेष्ठता साबित की और यह दिखाया है कि पहले ओवर में बल्लेबाजों के लिए उनका सामना करना कितना कठिन होता है। यह सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि उनकी निरंतरता और हर मैच की शुरुआत में ही प्रभाव छोड़ने की उनकी क्षमता का प्रमाण है। शमी के इस आईपीएल सत्र के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 13 मैचों में 12 विकेट लिए, जिसमें उनका इकोनॉमी रेट 9 का रहा। पिछ्ला सत्र हालांकि उनके लिए अच्छा नहीं रहा था। जिसके बाद बाद सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ ट्रेड कर दिया था। इस सीज़न में उनकी शुरुआत काफी अच्छी रही, हालांकि वह एक मैच से बाहर रहे।

जल संरक्षण का
जनआंदोलन
जल संरक्षण को जन-जन से जोड़ने का
जल गंगा संवर्धन अभियान-2026
(19 मार्च - 30 जून)
अंतर्गत
गंगा दशहरा के पावन अवसर पर
प्रदेशव्यापी जनसहभागिता कार्यक्रम
मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
25 मई, 2026 । धार, मध्यप्रदेश
जल संरक्षण में राष्ट्रीय गौरव
• भारत सरकार के जल संचय-जनभागीदारी अभियान 2026 में मध्यप्रदेश चल रहा देश में अग्रणी
• प्रदर्शन के स्तर पर देश के टॉप 10 जिलों में मध्यप्रदेश के खण्डवा, डिंडौरी, शहडोल और राजगढ़ जिले शामिल
ऐतिहासिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन
• बावड़ी एवं मंदिर तालाबों का जीर्णोद्धार
• 5,000+ पुराने जल स्रोत संवारे गए
• 40 लाख+ नागरिकों की सहभागिता
ग्रामीण जल संरक्षण
• 86 हजार+ खेत तालाब और 553 अमृत सरोवरों का निर्माण
• 1.04 लाख कुओं का पुनर्भरण
जल गंगा संवर्धन अभियान 2025
उपलब्धियाँ
जनजागरूकता एवं जल संरक्षण
• 2.30 लाख जलदूत पंजीकृत
• 40 हजार कृषकों का पंजीयन कर ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सुविधा का विस्तार
• नहरों एवं जल संरचनाओं का अभिलेखीकरण
वर्ष 2026 का लक्ष्य
₹ 10,666 करोड़ लागत के
3.68 लाख जल संरक्षण कार्य
19 मार्च से अब तक 1.91 लाख से अधिक कार्य पूर्ण
शहरी जल संवर्धन
• 3,300+ जल स्रोतों का पुनर्जीवन
• 2,200 नालों की सफाई
• 4,000 वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण
नदी संरक्षण एवं हरित विकास
• 57 नदियों में मिलने वाले 194 नालों का शोधन, गंगोत्री हरित योजना में 145 नदी उद्गम क्षेत्रों का विकास
• वन्य जीवों के लिए 2,500+ जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण
D11024/26
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

न्यूज गैलरी

चरित्र पर शक कर पत्नी से मारपीट पति पर अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम अण्डीटोला में एक महिला ने अपने पति पर शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना का गंभीर आरोप के साथ 2 साल से उसके चरित्र पर शक कर आए दिन मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाई। मलाजखंड पुलिस ने 30 वर्षीय महिला अनुराधा द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति योगराज शांडिल्य के विरुद्ध मामला कायम कर जांच पड़ताल शुरू की है

प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुराधा की शादी योगराज से वर्ष 2012 में सामाजिक रीति-रिवाज से हुई थी। दंपती के तीन बच्चे हैं। शादी के शुरुआती 8-10 साल तक सब ठीक रहा, लेकिन पिछले दो वर्षों से योगराज घरेलू बातों को लेकर झगड़ा, मारपीट और चरित्र पर शक करने लगा। 13 अप्रैल 2026 को ग्राम सहेजना में सामाजिक बैठक हुई। पंचों के समझाने पर योगराज ने गलती मानी और स्टांप पेपर पर भविष्य में लड़ाई-झगड़ा न करने का लिखित आश्वासन दिया। लेकिन दो दिन बाद ही वह फिर पत्नी से झगड़ने और मारपीट करने लगा। 24 मई की सुबह करीब 11 बजे अनुराधा ने पति योगराज से अपनी मां से बात कराने के लिए फोन लगाने को कहा। इस बात पर योगराज भड़क गया उसने गालियां देते हुए उसे हाथ-बुक्कों से पीटना शुरू कर दिया। बीच-बचाव करने आए बेटे के सामने ही उसने इधर-उधर फोन लगाने कहने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। मारपीट में घायल अनुराधा ने माता-पिता को बुलाकर मलाजखंड थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने घायल महिला का बिरसा अस्पताल में इलाज व मुलाहिजा कराया। मलाजखंड पुलिस ने महिला अनुराधा द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति योगराज शांडिल्य के खिलाफ शारीरिक-मानसिक प्रताड़ना, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

पत्रकारों के भेष में अवैध वसूली करने वाले गिरोह का हुआ भंडाफोड़

गुप्त तरीके से आरोपी की कोर्ट में हुई एंट्री, 4 आरोपी गिरफ्तार, 3 आरोपी फरार सभी भेजे गए जेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

खैरलांजी पुलिस ने क्षेत्र में डरा धमकाकर अवैध वसूली करने वाले एक कथित पत्रकार गिरोह का सनसनीखेज भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए गिरोह के ४ सदस्य ऋषि शुक्ला, प्रफुल्ल चित्रिव ,अलीम खान और अभिषेक सोनी को गिरफ्तार कर वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। वहीं मामले के तीन अन्य आरोपी फिलहाल फरार हैं जिनकी पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है।

यह है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता हंसराज लिल्हारे उम्र ३० वर्ष निवासी ग्राम खैरी थाना खैरलांजी जो कि लकड़ी सप्लाई का काम करते हैं। उसने पुलिस अधीक्षक बालाघाट को एक लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई थी। जांच के बाद खैरलांजी पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता २०२३ की धारा ३०८,५ जबरन वसूली और २९६ बी अश्लील कृत्य या शब्द के तहत अपराध क्रमांक ०१८६/२०२६ दर्ज किया है। घटना १२ मार्च २०२६ की है जब फरियादी हंसराज लिल्हारे पिंडकेपार गांव में एक किसान के खेत से खरीदी गई लकड़ी को ट्रक में लोड करवा रहे थे। उसी दौरान दो कारों में सवार होकर सात लोग वहां पहुंचे। उन्होंने खुद को पत्रकार बताते हुए फरियादी को वन विभाग की कार्यवाही का डर दिखाया और गाली गलौज करते हुए गंभीर धमकियां दीं। आरोपियों ने फरियादी पर चोरी की लकड़ी का व्यापार करने का झूठा आरोप लगाया। उन्होंने डराते हुए कहा कि अगर हमारी न्यूज चल गई तो तुम्हें आजीवन कारावास हो जाएगा तुम्हारे घरवाले बर्बाद हो जाएंगे और सबको जहर खाकर मरना पड़ेगा। इस मानसिक दबाव और बदनामी के डर से फरियादी बुरी तरह घबरा गया।

२ लाख की मांग ९० हजार की ऑनलाइन वसूली

गिरोह ने मामले को दबाने के लिए शुरुआत में २ लाख रुपये की भारी भरकम रकम मांगी। फरियादी द्वारा हाथ पैर जोड़ने और गिड़गिड़ाने के बाद सौदा ९०००० रुपये में तय हुआ। इसके बाद आरोपियों ने खैरलांजी निवासी अपने साथी ऋषि शुक्ला को मौके पर बुलवाया और पीडित के फोन पे अकाउंट के माध्यम से कुल ९०००० रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए।

४ आरोपी पहुंचे सलाखों के पीछे

शिकायत की विस्तृत जांच जिसमें सीडीआर लोकेशन कॉल डिटेल बैंक ट्रांजैक्शन की जानकारी और बातचीत की पेनड्राइव रिकॉर्डिंग शामिल थी। उसके बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर ऋषि शुक्ला खैरलांजी ,प्रफुल्ल चित्रिव रामपायली ,अलीम खान बालाघाट, अभिषेक सोनी बालाघाट इन चारों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर वारासिवनी न्यायालय में पेश किया जहां से न्यायालय ने उन्हें जेल भेजने के आदेश जारी कर दिए। इसमें ब्रजेश मिश्रा रामपायली ,फारूख खान बालाघाट ,संतोष सोनवाने सोनझरा रामपायली फरार हैं। तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग अलग स्थानों पर दबिश दी जा रही है और सरगर्मी से पूछताछ व तलाश जारी है।

गुप्त तरीके से आरोपी की कोर्ट में हुई एंट्री

वारासिवनी न्यायालय में चारों आरोपियों की पेशी के दौरान स्थानीय स्तर पर काफी गहमागहमी देखने को मिली। इस दौरान खैरलांजी पुलिस स्थानीय मीडिया और अन्य पत्रकारों से दूरी बनाती नजर आई। आरोपी ऋषि शुक्ला खैरलांजी को पुलिस एक निजी वाहन जिसके शीशों पर प्रतिबंधित ब्लैक फिल्म लगी हुई थी। क्रमांक एम एच ३१ डी के ११६३ से लेकर न्यायालय पहुंची। वहीं अन्य तीन आरोपियों प्रफुल्ल, अलीम और अभिषेक को पुलिस के सरकारी वाहन के माध्यम से न्यायालय के पिछले रास्ते से बेहद गोपनीय तरीके से अंदर दाखिल कराया गया। कोर्ट द्वारा जेल वारंट तैयार होने के बाद चारों आरोपियों को पुनः पिछले रास्ते से ही पुलिस वाहन में बैठाकर सीधे जेल रवाना कर दिया गया।

टवेरा पलटी- तीन लोग घायल, एक घायल हायर सेंटर रेफर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना अंतर्गत ग्राम धन्सुआ के पास टवेरा पलटने से तीन लोग घायल हो गए। तीनों घायल को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया जिनमें अत्यधिक चोट लगने से घायल युवक मयंक पिता दिनेश उके 20 वर्ष ग्राम मानेगांव थाना भरवेली निवासी को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। अन्य दो घायल दीपक पिता सोहन उमनवार 34 वर्ष ग्राम उकवा थाना रूपझर और निखिल पिता दिलीप उमनवार 22 वर्ष ग्राम मानेगांव भरवेली निवासी का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपक उमनवार मजदूरी करता है। 23 मई की रात्रि 8:00 बजे दीपक उमनवार अपने रिश्तेदार मयंक उके और निखिल उमनवार सहित परिवार के साथ टवेरा कार में ग्राम झाड़गांव वारासिवनी अपने रिश्तेदार के घर शादी में शामिल होने के लिए गए थे। रात्रि में शादी में शामिल होने के बाद 24 मई को झाड़गांव से ग्राम मानेगांव भरवेली अपने रिश्तेदार रिश्तेदार के घर पहुंचे थे। 4:00 करीब दीपक उमनवार मयंक उके निखिल उमनवार सहित अन्य लोगों के साथ टवेरा में मानेगाव से ग्राम ओदा किसी काम से जा रहे थे। टवेरा दीपक उमनवार का भतीजा बिट्ठू चला रहा था। तभी ग्राम धन्सुआ के पास टवेरा अनियंत्रित होकर के पलट गई। इस दुर्घटना में दीपक उमनवार, मयंक उके और निखिल उमनवार घायल हो गए। तीनों घायल को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल युवक मयंक उके को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने दीपक उमनवार का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक JOB SAHi
- कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- माईनिंग इंजीनियरिंग
- सिविल इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

अवैध रेत परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई, दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जप्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 24 मई 2026 को उप संचालक खनिज प्रशासन बालाघाट के मार्गदर्शन में खनिज निरीक्षक बसंत कुमार पाटिल, खनि सिपाही दिलशाद कुरैशी द्वारा तहसील कटंगी के ग्राम भजियापार में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की जांच की गई।

जांच के दौरान ग्राम भजियापार में ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 50-एए-3244 को अवैध रूप से रेत परिवहन करते हुए पकड़ा गया। वाहन चालक राजेश राउत पिता राजकुमार राउत निवासी ग्राम भजियापार, तहसील कटंगी, जिला बालाघाट बताया गया। उक्त ट्रैक्टर को रेत सहित जप्त कर थाना कटंगी की अभिरक्षा में रखा गया है।

इसके अलावा खनिज निरीक्षक बसंत कुमार पाटिल द्वारा 23 मई 2026 की रात्रि में तहसील कटंगी के ग्राम बाहकल में कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली क्रमांक एमपी 50-एए-4736 को अवैध रेत परिवहन करते हुए जप्त किया गया। वाहन मालिक का नाम दिनेश पिता नेतलाल बताया गया है। इस वाहन को भी थाना कटंगी की अभिरक्षा में रखा गया है।

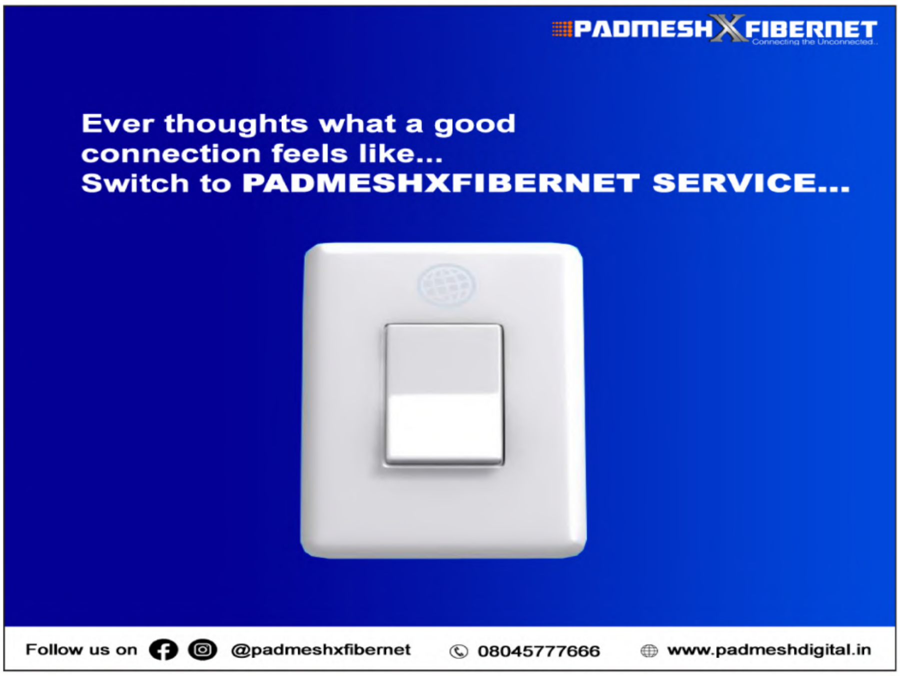

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट